MINI SOO
Please visit store nearest to you at these locations :
IRRUMMANZIL (L&T MALL)
MOOSARAMBAGH (L&T MALL)
KOMPALLY (TNR PLAZA)

खबरें जो सोच बदल दे
शुभ लाभ
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

MOU Holder and Distributors
RN METALS Pvt. Ltd
Distributors of SAIL & VSP products in Telangana
Stockist of MS Beams MS Channel, MS Angle, MS Plates, TMT Bars
A-23/5 & 6, APIE, BALANAGAR, HYD.-500 037
040-23774718, 040-23774719, 9160111471

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2026-28 । बुधवार, 04 नवंबर, 2026 । हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित । Epaper : https://epaper.shubhlabhdaily.com । संपादक : गोपाल अग्रवाल । पृष्ठ : 10 । मूल्य-8 रु.। वर्ष-8 । अंक-302

हिन्दू-यहूदी मुस्लिम तोड़

मुनीर की नज़र में बड़ा ख़तरा

नई दिल्ली, 03 नवंबर (एजेंसियां)।

ईरान के शीर्ष सुरक्षा अधिकारी मोहसिन रेजाई ने दावा किया है कि पाकिस्तान के सेना प्रमुख आसिम मुनीर ने हिंदुओं और यहूदियों के बीच बढ़ते संबंधों को लेकर चेतावनी दी है। मोहसिन रेजाई के अनुसार, मुनीर ने इस गठबंधन को मुसलमानों और पाकिस्तान के खिलाफ बताया। कहा जा रहा है कि यह टिप्पणी 26 अक्टूबर को तेहरान में हुई चार देशों की सुरक्षा बैठक के दौरान की गई थी। रेजाई का एक वीडियो सामने आया है, जिसमें वे मुनीर और तुर्की के खुफिया प्रमुख इब्राहिम कालिन के बारे में बात करते हुए भारत-इजरायल संबंधों को पाकिस्तान और पूरी मुस्लिम दुनिया के लिए खतरा बताते नजर आ रहे हैं।



लाहौर के समाचार माध्यम ने ईरानी सुरक्षा प्रमुख मोहसिन रेजाई के ईरानी सरकारी प्रसारक आईआरआईबी को दिए गए साक्षात्कार का हवाला देते हुए बताया कि मुनीर ने हिंदुओं और यहूदियों के बीच बढ़ते संबंधों पर चिंता जताई थी, जो उनके अनुसार मुसलमानों और पाकिस्तान के खिलाफ हैं।

26 अक्टूबर की इस बैठक में ईरान, पाकिस्तान, सऊदी अरब और तुर्की शामिल हुए थे। यह बैठक ऐसे समय में हुई जब इजरायल और अमेरिका को लेकर तनाव बना हुआ है। पाकिस्तान की ओर से फील्ड मार्शल मुनीर, तुर्की की ओर से कालिन, सऊदी अरब की ओर से रक्षा मंत्री प्रिंस खालिद बिन सलमान और ईरान की ओर से सुरक्षा प्रमुख रेजाई ने इसमें हिस्सा लिया। चार देशों की यह बैठक मुनीर की तेहरान यात्रा के कुछ दिनों बाद हुई। इस यात्रा के दौरान सामने आए कुछ वीडियो में पाकिस्तानी सेना प्रमुख मुनीर को रेजाई और अन्य ईरानी अधिकारियों के साथ बातचीत करते देखा जा सकता है। 20 अक्टूबर को अल अरबिया द्वारा जारी फुटेज में मुनीर का स्वागत करते समय रेजाई काफी गंभीर और खामोश नजर आए।

नजम सेठी ने भी किया दावा

कई पाकिस्तानी विशेषज्ञों के साथ-साथ पत्रकार नजम सेठी ने भी मुनीर को ही वह सैन्य अधिकारी बताया है, जिसने हिंदुओं और यहूदियों को लेकर टिप्पणी की थी। अपने यूट्यूब चैनल पर रेजाई के बयान का जिक्र करते हुए सेठी ने कहा कि मुनीर ने चेतावनी दी थी कि हिंदुओं और यहूदियों के बीच गठबंधन एक बड़ा खतरा है और उन्होंने मुसलमानों तथा पाकिस्तान के खिलाफ भू-राजनीतिक एकजुटता की बात कही थी।

ईरानी दूतावास के अनुसार, 26 अक्टूबर की बैठक से कुछ दिन पहले भारत के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल ने मोहसिन रेजाई के साथ टेलीफोन पर बातचीत की थी। ▶8पर

भारत पंगा महँगा : पाक को 40 अरब डॉलर की चपत



नई दिल्ली, 03 नवंबर (एजेंसियां)।

आर्थिक संकट से जूझ रहे पाकिस्तान को भारत के साथ व्यापार बंद करना भारी पड़ रहा है। इसका असर केवल राजनीतिक और कूटनीतिक संबंधों तक सीमित नहीं रहा, बल्कि पाकिस्तानी अर्थव्यवस्था को भी बड़ा नुकसान उठाना पड़ा है। भारत के साथ व्यापार बंद होने से पाकिस्तान को अब तक करीब 40 अरब डॉलर (लगभग 11 लाख करोड़ पाकिस्तानी रुपये) का आर्थिक नुकसान होने का दावा किया गया है। अब पाकिस्तान के औद्योगिक क्षेत्र के प्रतिनिधियों ने भारत के साथ व्यापार फिर से शुरू करने की गुहार लगाई है। रिपोर्ट के मुताबिक, पाकिस्तान के कारोबारी समुदाय ने देश में बढ़ते आर्थिक नुकसान, आयात की अधिक लागत और घरेलू उद्योगों पर बढ़ते दबाव का हवाला देते हुए शहबाज शरीफ सरकार से भारत के साथ व्यापारिक संबंध फिर से शुरू करने की मांग की है। पीटीआई की रिपोर्ट के मुताबिक, परिषद के अध्यक्ष नूर मुहम्मद कसूरी ने कहा है कि लंबे समय से ▶8पर

मान गये बागेश्वर!

राम-कृष्ण कांड में माँगी माफी

नई दिल्ली, 03 नवंबर (एजेंसियां)।



बागेश्वर धाम के पीठाधीश्वर पंडित धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री के एक कथा प्रसंग ने हाल ही में व्यापक चर्चा और विवाद पैदा कर दिया है। मध्य प्रदेश के शिवपुरी जिले के करैरा में आयोजित श्रीराम कथा दौरान उन्होंने भगवान राम को अपना आराध्य बताते हुए उनके स्वरूप, नाम, चाल और धाम (अयोध्या) को 'सीधा' बताया, जबकि भगवान कृष्ण (ठाकुर जी) की त्रिभंगी मुद्रा, नाम, वृंदावन धाम और बांसुरी बजाने की मुद्रा पर टिप्पणी की। उन्होंने कहा कि ठाकुर जी तीन जगह से टेढ़े खड़े होते हैं, कमर लचकाते हैं और गर्दन टेढ़ी करके बांसुरी बजाते हैं, जबकि राम जी सीधे खड़े होते हैं।

उन्होंने बांसुरी बजाने को खेल और धनुष चलाने को गंभीर कार्य बताया। उनका वीडियो वायरल होने के बाद मथुरा और अन्य स्थानों के संतों तथा अनेक भक्तों ने इसे भगवान श्रीकृष्ण का अपमान माना।

बाद में शास्त्री ने सफाई देते हुए कहा कि उनकी बात विनोद, भाव और प्रेम में कही गई थी, इसलिए उसका गलत अर्थ नहीं निकाला जाना चाहिए। उन्होंने गोपियों का उदाहरण देते हुए कहा कि वे भी प्रेम में श्रीकृष्ण को कपटी या अन्य शब्दों से संबोधित करती थीं। उन्होंने स्पष्ट किया कि वे कृष्ण विरोधी नहीं हैं, उनके अपने नाम में भी कृष्ण है और वे कृष्ण जन्मभूमि के लिए आवाज उठाते रहे हैं। राम और कृष्ण में कोई भेद पैदा करने का उनका इरादा नहीं था। यदि किसी की भावना आहत हुई है तो इसके लिए उन्होंने क्षमा याचना भी की। यह सफाई इसलिए महत्वपूर्ण थी, क्योंकि सार्वजनिक मंच से दिए गए बयान का प्रभाव व्यक्तिगत भक्ति से कहीं अधिक व्यापक होता है।

दोनों अवतारों की अपनी महिमा

हिंदू आस्था की परंपरा में इष्ट देवता का चयन व्यक्तिगत और स्वाभाविक है। कुछ लोग राम भक्त हैं, कुछ कृष्ण भक्त, तो कुछ भगवान शिव या देवी के उपासक हैं। भगवान राम को मर्यादा पुरुषोत्तम कहा जाता है, जो आदर्श आचरण, कर्तव्य और संयम के प्रतीक हैं। वहीं, भगवान कृष्ण लीला पुरुषोत्तम हैं, जिनकी लीलाएं, प्रेम और ज्ञान (भगवद्गीता) अनंत आयाम प्रस्तुत करते हैं। दोनों भगवान विष्णु के अवतार माने जाते हैं और शास्त्रों में एक ही तत्व के दो स्वरूप हैं। तुलसीदास और सूरदास की भक्ति परंपराएं एक-दूसरे की पूरक रही हैं। भगवान कृष्ण की त्रिभंगी मुद्रा उनके स्वरूप की सुंदरता और लीला का उत्सव है, न कि कोई दोष। बांसुरी राधा-कृष्ण के प्रेम और संगीत की प्रतीक है, जबकि भगवान राम का धनुष मर्यादा और धर्म की रक्षा का प्रतीक है। दोनों की अपनी गरिमा है। किसी एक को दूसरे से श्रेष्ठ या कमतर बताकर तुलना करना भक्ति की गहराई के बजाय सतही सोच को दर्शाता है। सार्वजनिक कथावाचक की जिम्मेदारी अलग होती है।

▶8पर

अखिलेश मैदान छोड़!

शुभ-अशुभ के चक्कर में नहीं लड़ेंगे चुनाव



लखनऊ, 03 नवंबर (एजेंसियां)।

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने वर्ष 2027 में होने वाले उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव को लेकर बड़ा बयान दिया है। उन्होंने स्पष्ट किया है कि वह इस बार खुद विधानसभा चुनाव नहीं लड़ेंगे, बल्कि पार्टी के दूसरे नेताओं को चुनाव लड़वाएंगे। अखिलेश यादव ने कहा कि वह शुभ-अशुभ को मानते हैं और इस बार वही करेंगे, जो उनके लिए पहले शुभ रहा है।

पिछले चुनाव का दिया उदाहरण

अखिलेश यादव ने अपने राजनीतिक सफर का उदाहरण देते हुए कहा कि पिछली बार वह विधानसभा चुनाव जीते थे, लेकिन पार्टी 202 विधायकों का आंकड़ा हासिल नहीं कर सकी थी। इस बार उन्होंने खुद चुनाव लड़ने के बजाय दूसरों को चुनाव लड़वाने का फैसला किया है।

2012 में सांसद रहते बने थे मुख्यमंत्री

अखिलेश यादव ने वर्ष 2012 का जिक्र करते हुए कहा कि जब वह उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री बने थे, तब लोकसभा के सांसद थे। उन्होंने इसी राजनीतिक घटनाक्रम को अपने लिए शुभ बताते हुए कहा कि इस बार भी वह वही करेंगे, जो उनके लिए शुभ रहा है।

उनके इस बयान से स्पष्ट संकेत मिलते हैं कि वर्ष 2027 के विधानसभा चुनाव में अखिलेश यादव खुद प्रत्याशी के रूप में मैदान में नहीं उतरेंगे। हालांकि, पार्टी के चुनाव प्रचार और नेतृत्व की जिम्मेदारी उनके पास ही रहने की संभावना है।

विरोध अधिकार

प्रदर्शन स्थल पर कब्ज़ा नामंज़ूर : सुप्रीम

नई दिल्ली, 03 नवंबर (एजेंसियां)।



सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को मौखिक रूप से कहा कि विरोध प्रदर्शन का संवैधानिक अधिकार किसी निर्धारित प्रदर्शन स्थल पर अनिश्चितकाल तक कब्जा बनाए रखने की अनुमति नहीं देता। ऐसा करने से अन्य समूहों के समान अधिकार प्रभावित होंगे।

मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत, न्यायमूर्ति जॉयमाल्य बागची और न्यायमूर्ति वी. मोहना की पीठ दिल्ली में मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ हालिया प्रदर्शनों से जुड़ी याचिकाओं के समूह पर सुनवाई कर रही थी। इनमें कारोबार प्रभावित होने का दावा करने वाले व्यापारियों की याचिकाओं के अलावा पुलिस की कथित ज्यादती, हिरासत में लिए जाने और प्रदर्शनों के दौरान लगाई गई पाबंदियों को चुनौती देने वाली याचिकाएं भी शामिल थीं।

मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत ने कहा, आप किसी जगह पर हमेशा के लिए कब्जा नहीं कर सकते। किसान, पत्रकार आदि कहां जाएंगे? हर किसी को विरोध करने का अधिकार है। निर्धारित प्रदर्शन स्थल केवल निर्धारित अवधि के लिए दिया जाना चाहिए।

अदालत ने कहा कि प्रदर्शन स्थलों का आवंटन निश्चित अवधि के लिए होना चाहिए, ताकि किसान, मजदूर, ट्रेड यूनियन, बेघर लोग और अन्य समूह भी अपने विरोध का अधिकार इस्तेमाल कर सकें। सुनवाई के दौरान सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने बताया कि जुलाई में हुए प्रदर्शन के लिए केवल एक दिन की अनुमति दी गई थी, लेकिन जंतर-मंतर पर इससे अधिक समय तक कब्जा बनाए रखा गया।

पीठ ने प्रदर्शन के अधिकार और व्यापार तथा आजीविका के अधिकार के बीच संतुलन बनाने की जरूरत पर भी जोर दिया। खासकर दिहाड़ी मजदूरों की आजीविका पर पड़ने वाले प्रभाव को ध्यान में रखने की बात कही गई।

व्यापारियों की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता मुकुल रोहतगी ने दावा किया कि प्रदर्शनों के कारण कारोबार को हजारों करोड़ रुपये का नुकसान हुआ। उन्होंने त्योहारों के मौसम को देखते हुए अगले दो महीनों तक प्रदर्शनों पर रोक लगाने की मांग की। व्यापारियों के वकील ने कहा कि प्रदर्शन स्थल के आसपास के इलाकों में करीब 50 लाख लोग रहते हैं और कनॉट प्लेस जैसे व्यावसायिक क्षेत्रों में दुकानें बंद रहीं तथा कारोबार लगभग ठप हो गया।

अदालत ने त्योहारों के दौरान प्रदर्शन रोकने की मांग करने वाली किराना कमेटी दिल्ली की याचिका पर नोटिस जारी किया। हालांकि, पीठ ने व्यापारिक संगठनों को मुख्य चुनाव आयुक्त के खिलाफ प्रदर्शनों के आयोजकों को भी मामले में पक्षकार बनाने का निर्देश दिया। ▶8पर

अयोध्या मोदीपोत्सव



नई दिल्ली, 03 नवंबर (एजेंसियां)।

अयोध्या में आयोजित होने वाले दीपोत्सव में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के शामिल होने की संभावना है। उनके साथ राज्यपाल आनंदीबेन पटेल, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक समेत अन्य अतिविशिष्ट व्यक्तियों के आगमन को देखते हुए सुरक्षा और स्वास्थ्य संबंधी तैयारियां तेज कर दी गई हैं। गोरखपुर जोन के सात जिलों से पुलिस बल मांगा गया है। वहीं, बस्ती मंडल के स्वास्थ्य विभाग को उन्नत जीवन रक्षक प्रणाली (एएलएस) एंबुलेंस और विशेषज्ञ चिकित्सकों की टीम उपलब्ध कराने के निर्देश दिए गए है।

अपर पुलिस महानिदेशक (एडीजी), गोरखपुर जोन कार्यालय से 28 अक्टूबर को जारी आदेश के मुताबिक, अयोध्या में पांच से आठ नवंबर तक दीपोत्सव कार्यक्रम आयोजित होगा। कानून-व्यवस्था की ड्यूटी के लिए बस्ती, संतकबीरनगर, सिद्धार्थनगर, गोंडा, बहराइच, बलरामपुर और श्रावस्ती से पुलिसकर्मियों की तैनाती की गई है।

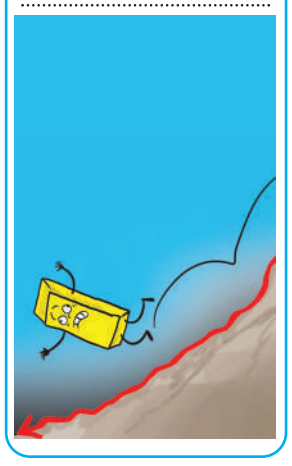
सभी जिलों के पुलिस अधीक्षकों को निर्देश दिया गया है कि आवंटित पुलिस बल चार नवंबर तक अयोध्या पहुंचकर वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) के समक्ष अपनी आमद दर्ज कराए। ड्यूटी चार से आठ नवंबर तक रहेगी।

आदेश के अनुसार, सात जिलों से कुल 150 पुलिसकर्मियों की ड्यूटी लगाई गई है। इनमें 10 निरीक्षक, 25 उपनिरीक्षक, पांच महिला उपनिरीक्षक, 100 मुख्य आरक्षी और आरक्षी तथा 10 महिला मुख्य आरक्षी और आरक्षी शामिल हैं।

जिलावार पुलिसकर्मियों की संख्या इस प्रकार है : बस्ती से 19, संतकबीरनगर से 16, सिद्धार्थनगर से 19, गोंडा से 28, बहराइच से 29, बलरामपुर से 21 और श्रावस्ती से 16 पुलिसकर्मी भेजे जाएंगे।

▶8पर

कार्टून कॉर्नर



मौसम हैदराबाद

अधिकतम : 30^0
न्यूनतम : 17^0

940 विस और 132 लोस सीटें तय करेंगी भविष्य

27 का नतीजा 29

नई दिल्ली, 03 नवंबर (एजेंसियां)।

वर्ष 2027 में सात राज्यों में होने वाले विधानसभा चुनाव केवल राज्य सरकारों के भविष्य का फैसला नहीं करेंगे, बल्कि 2029 के लोकसभा चुनाव से पहले देश की राजनीतिक दिशा और केंद्र की सत्ता के प्रभाव की भी परीक्षा लेंगे। इन सात राज्यों में कुल 940 विधानसभा क्षेत्र और 132 लोकसभा सीटें हैं। उत्तर प्रदेश, पंजाब, उत्तराखंड, गोवा और मणिपुर में सबसे पहले फरवरी-मार्च के दौरान मतदान होने की उम्मीद है। इसके बाद वर्ष के अंत में गुजरात और हिमाचल प्रदेश में चुनाव होंगे। इन सात राज्यों में से पांच में भाजपा की सरकार है, जबकि हिमाचल प्रदेश में कांग्रेस और पंजाब में आम आदमी पार्टी सत्ता में है।

29 अक्टूबर को उत्तर प्रदेश विधान परिषद चुनावों में भाजपा को वाराणसी की दोनों सीटों पर समाजवादी पार्टी के हाथों हार का सामना करना पड़ा। यह हार ऐसे समय हुई, जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र में भाजपा के नौ मंत्री और सात विधायक प्रचार कर रहे थे। महाराष्ट्र के नागपुर में, जहां राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) का मुख्यालय है,



कांग्रेस के अभिजीत वंजारी ने 3,271 वोटों से अपनी स्नातक सीट बरकरार रखी।

हालांकि, इसे भाजपा की करारी हार नहीं कहा जा सकता। चार राज्यों में शिक्षकों और स्नातकों की कुल 28 सीटों में से भाजपा ने अपने दम पर 13 सीटें जीतीं, जबकि राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) को 16 सीटें मिलीं। पहले यह आंकड़ा 18 था। कांग्रेस को केवल एक सीट नागपुर में मिली। हालांकि, कर्नाटक में कांग्रेस अपनी चारों सीटें हार गई, जबकि वहां उसकी ही सरकार है। इस प्रदर्शन पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने खास तौर पर तंज कसा। इन नतीजों से न तो भाजपा विरोधी लहर दिखाई दी और न ही विपक्ष के उभार के संकेत मिले। इसके बजाय, इन नतीजों ने आगामी बड़ी चुनावी परीक्षा से पहले राजनीतिक दलों की आंतरिक कमजोरियों को उजागर किया।

सात राज्यों की 940 विधानसभा सीटों में से 557 सीटें अकेले भाजपा के पास हैं। उसके सहयोगियों के पास 47 सीटें हैं और 12 निर्दलीय विधायक भी इस गठबंधन का समर्थन कर रहे हैं। इस तरह एनडीए के पास कुल 616 सीटें हैं, यानी लगभग हर तीन में से दो सीटें। कांग्रेस के पास 98 सीटें हैं।

▶8पर



भारत-रूस के खिलाफ पाक की साजिश को तालिबान ने किया नाकाम

गुप्त बैठक में सभी मांगें ठुकराकर दिया करारा जवाब

कंधार

अफगानिस्तान के कंधार में हाल ही में संपन्न हुई एक गुप्त बैठक के दौरान पाकिस्तान की एक बड़ी साजिश का पर्दाफाश हुआ है, जिसे तालिबान ने पूरी तरह से विफल कर दिया। गत 22 अक्टूबर को जनरल इनायत हुसैन के नेतृत्व में पाकिस्तान का एक उच्चस्तरीय सुरक्षा और कूटनीतिक प्रतिनिधिमंडल कंधार पहुंचा था। इस प्रतिनिधिमंडल में सुरक्षा क्षेत्र के चार शीर्ष अधिकारी और विदेश मंत्रालय का एक प्रतिनिधि शामिल था। बैठक में पाकिस्तान ने भारत और रूस के खिलाफ कई प्रस्ताव रखे और तालिबान के सामने पांच प्रमुख मांगें पेश कीं, जिनमें जलालाबाद में भारतीय कांसुलेट को बंद करना और अफगानिस्तान के रास्ते रूस की लाजिस्टिक सहायता को ईरान तक पहुंचने से रोकना भी शामिल था। हालांकि, तालिबान के शीर्ष नेतृत्व ने पाकिस्तान की इन सभी मांगों को सिरे से खारिज कर दिया।

पाकिस्तानी प्रतिनिधिमंडल में शामिल अधिकारियों की यह गुप्त बैठक कंधार के गवर्नर मुल्ला शिरीन, प्रवक्ता जबीहुल्लाह मुजाहिद, उप गृह मंत्री सद्र इब्राहिम, रक्षा मंत्रालय के मुख्य निरीक्षक मुफ्ती लुत्फुल्लाह हकीमी और सैन्य खुफिया प्रमुख मुल्ला अब्दुल कादूस जैसे तालिबान के कई वरिष्ठ और प्रभावशाली नेताओं के साथ हुई थी। बैठक के दौरान पाकिस्तान ने तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान के नेताओं को सौंपने, अफगान लड़ाकों की पाकिस्तान में एंट्री रोकने, पाकिस्तान में तालिबान की संपत्ति बेचने, जलालाबाद स्थित भारतीय कांसुलेट को बंद करने तथा रूसी लाजिस्टिक सप्लाई को बाधित करने की मांग उठाई। पाकिस्तान लंबे समय से अफगानिस्तान में भारत की बढ़ती राजनयिक मौजूदगी से असहज रहा है और वह लगातार भारतीय कांसुलेट को अपनी सुरक्षा के लिए चुनौती बताता आया है।

लेकिन तालिबान ने पाकिस्तान के इस दबाव के आगे झुकने से साफ इंकार कर दिया। भारतीय कांसुलेट को बंद करने की मांग पर पलटवार करते हुए तालिबान ने पाकिस्तान के सामने एक कड़ी शर्त रख दी और कहा कि यदि जलालाबाद में भारतीय कांसुलेट बंद किया जाता है, तो उसी स्थान पर मौजूद पाकिस्तानी कांसुलेट को भी तुरंत बंद करना होगा। इस कड़े रुख से तालिबान ने स्पष्ट संदेश दे दिया कि वह भारत के राजनयिक हितों के खिलाफ कोई कदम नहीं उठाएगा। इसके अलावा, रूस की लाजिस्टिक सहायता को रोकने के प्रस्ताव को भी तालिबान ने पूरी तरह से ठुकरा दिया।

दूसरी ओर, टीटीपी के नेताओं को सौंपने की पुरानी पाकिस्तानी मांग पर तालिबान ने आंशिक रुख तो दिखाया, लेकिन उसके बदले में पाकिस्तान के सामने अपनी ही एक बड़ी शर्त रख दी। तालिबान ने पाकिस्तान को कुछ पुख्ता दस्तावेज और सबूत सौंपे, जिनमें पाकिस्तानी धरती पर सक्रिय तालिबान विरोधी संगठनों के कार्यालयों और प्रशिक्षण केंद्रों का कच्चा-चिट्ठा मौजूद था। तालिबान ने दोटूक शब्दों में कहा कि यदि पाकिस्तान उनकी सुरक्षा चिंताओं को दूर करना चाहता है, तो उसे सबसे पहले अपनी जमीन पर चल रहे उन आतंकी ठिकानों और कार्यालयों को बंद करना होगा।

न्यूज ब्रीफ

नेपाल के सोलुखुम्बु में दो हेलिकाप्टरों की टक्कर, एक विदेशी नागरिक की मौत, एक घायल



काठमांडू। नेपाल के सोलुखुम्बु में दो हेलिकाप्टरों के आपस में टकराने से एक व्यक्ति की मौत हो गई, जबकि एक अन्य घायल हो गया। नेपाल नागरिक उड्डयन प्राधिकरण के अनुसार, फिस्टेल और डायनेस्टी एयर के हेलिकाप्टर फेरीचे हेलिपैड पर उतरते समय आपस में टकरा गए। प्राधिकरण के सूचना अधिकारी ज्ञानेन्द्र भुल ने बताया कि फेरीचे हेलिपैड पर उतरने के दौरान दोनों हेलिकाप्टरों के पंखों के टकराने की जानकारी मिली है। उन्होंने कहा कि दुर्घटना के संबंध में विस्तृत जानकारी जुटाने का प्रयास किया जा रहा है। सोलुखुम्बु जिला पुलिस कार्यालय के डीएसपी नवीनराज बुढाथोकी के अनुसार, खुम्बु पासांगल्हामु फेरीचे हेलिपैड पर उतरते समय दोनों हेलिकाप्टरों के पंखे आपस में टकरा गए, जिससे यह दुर्घटना हुई। मृतक किस देश के नागरिक हैं, इसकी पहचान अभी तक नहीं हो पाई है। दुर्घटना में घायल एक व्यक्ति को इलाज के लिए माउंटेन हेलिकाप्टर से भेजा गया है। सोलुखुम्बु के पुलिस निरीक्षक मौसम तामांग के अनुसार, मृतक विदेशी नागरिक हैं।

अमरीका समुद्र में डुबो रहा पुराने जहाज और भारी भरकम कबाड



वाशिंगटन। अमरीका द्वारा समुद्र में पुराने जहाजों और भारी-भरकम कबाड़ को डुबोने का काम किया जा रहा है। यह काम अमेरिका द्वारा सोच-समझकर एक वैज्ञानिक अभियान के तहत किया जा रहा है। अमेरिका में हाल ही में डेलावेयर के तट के पास 180 फीट लंबे एक पुराने मछली पकड़ने वाले जहाज को समुद्र में डुबो दिया गया। वहीं, मिसिसिपी के तट पर 31 टन के प्रोपेन गैस टैंक और फायर ब्रिगेड की ट्रेनिंग में इस्तेमाल होने वाले स्टील टावर को पानी के नीचे उतारा गया। पहली नजर में यह कबाड़ को समुद्र में फेंकने जैसा लग सकता है, लेकिन इसके पीछे समुद्री जीवों के लिए नया घर बनाने की पर्यावरण अनुकूल योजना है। इन ढांचों को कृत्रिम चट्टान यानी आर्टिफ़िशियल रीफ़ बनाया जा रहा है, जहां मछलियां छिप सकें, भोजन पा सकें और अपना प्रजनन कर सकें। अमरीका के डेलावेयर तट के पास एफ/वी कैलकासीयू पास नाम के पुराने जहाज को जानबूझकर समुद्र में डुबोया गया। करीब 180 फीट लंबा यह जहाज इंडियन रिवर इनलेट से लगभग 26 मील दूर तय रीफ साइट पर उतारा गया। यह जहाज पहले समुद्र में तेल के कुओं तक सामान पहुंचाने के काम आता था और बाद में इसे मछली पकड़ने के काम में लाया जाने लगा। जानकारों के अनुसार जब जहाज पुराना हो गया और काम के लायक नहीं रहा, तो इसे कबाड़ में बदलने के बजाय समुद्री जीवन के काम में लाने का फैसला किया गया। इसके बाद इसे 1 डालर के सांकेतिक भुगतान पर संबंधित मरीन ठेकेदारों को सौंप दिया गया। जहाज को सीधे समुद्र में नहीं डाला जाता। सबसे पहले इसमें से तेल, खतरनाक रसायन और ढीला कबाड़ पूरी तरह से हटाया जाता है, ताकि समुद्री पर्यावरण को किसी तरह का नुकसान न पहुंचे।

भारत के विदेश सचिव विक्रम मिस्री नेपाल के दौरे पर रहेंगे

काठमांडू। भारतीय विदेश सचिव विक्रम मिस्री चार एवं पांच नवंबर को नेपाल के आधिकारिक दौरे पर रहेंगे।



इस दौरान वे आपसी हित के द्विपक्षीय, क्षेत्रीय और वैश्विक मुद्दों पर चर्चा करेंगे और कई प्रमुख नेताओं से मुलाकात भी करेंगे। भारत के विदेश मंत्रालय के अनुसार भारत और नेपाल के बीच मजबूत और मैत्रीपूर्ण संबंध हैं, जिनमें सहयोग के विभिन्न क्षेत्रों में काफी प्रगति हुई है। विदेश सचिव का यह दौरा दोनों देशों के बीच नियमित उच्चस्तरीय आदान-प्रदान की परंपरा को आगे बढ़ाएगा और व्यापक द्विपक्षीय साझेदारी को और मजबूत करने में मदद करेगी। वहीं, नेपाल के विदेश मंत्रालय के अनुसार मिस्री नेपाल के विदेश सचिव अमृत राई के साथ द्विपक्षीय वार्ता करेंगे। बातचीत में नेपाल-भारत संबंधों के विभिन्न पहलुओं पर चर्चा होगी और आपसी हितों के मुद्दों पर विचारों के आदान-प्रदान का अवसर मिलेगा। मंत्रालय के मुताबिक दोनों पक्षों के बीच दोनों देशों के लंबे समय से चले आ रहे घनिष्ठ और मैत्रीपूर्ण संबंधों को और मजबूत करने के उपायों पर भी चर्चा होने की उम्मीद है। मिस्री नेपाल के प्रधानमंत्री बालेन्द्र शाह, विदेशमंत्री शिशिर खनाल सहित वरिष्ठ नेपाली अधिकारियों से शिष्टाचार मुलाकात भी करेंगे। वह पांच नवंबर को नई दिल्ली लौट जाएंगे।

अमेरिका ने ईरान के केशम द्वीप पर किया हमला

वाशिंगटन (अमेरिका)/तेहरान (ईरान)

अमेरिका ने कतर के अधिकारियों के जरिए ईरान के साथ चल रही समझौते की बातचीत के दौरान केशम द्वीप पर हमला किया है। तीन अमेरिकी अधिकारियों ने कहा कि अमेरिकी सेना ने ईरान के केशम द्वीप पर सीमित हमले किए। उन्होंने इसे बचाव की कार्रवाई बताया और कहा इसका मकसद इलाके में मौजूद अमेरिकी संपत्तियों की सुरक्षा करना है। सीएनएन की रिपोर्ट के अनुसार, इन तीन अधिकारियों से एक ने बताया कि यह हमला ईरान के एक अमेरिकी विमान पर गोलीबारी करने के जवाब में किया गया। यह कोई बड़ा सैन्य अभियान नहीं है। दूसरे अधिकारी ने कहा, यह कदम बचाव के लिए उठाया गया, क्योंकि ईरान, अमेरिकी संपत्तियों के खिलाफ सतह से हवा में मार करने वाली मिसाइलों का इस्तेमाल कर रहा था। रिपोर्ट के अनुसार, देश में मध्यावधि चुनाव से ठीक पहले की गई इस कार्रवाई से लगता है कि ईरान के साथ स्थिति अभी भी सुलझी नहीं है और सैन्य टकराव की संभावना अभी भी बनी हुई है।



इस हमले की जानकारी रखने वाले एक अधिकारी ने बताया कि प्रशासन ने जानबूझकर इस हमले को गुप्त रखा, ताकि बचाव के इस कदम को जरूरत से ज्यादा तूल न मिले। उन्होंने कहा कि इन हमलों का मकसद अमेरिकी संपत्तियों की सुरक्षा करना था। यह हमला ऐसे समय पर हुआ है जब राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सोशल मीडिया पर कहा कि तेहरान के साथ कूटनीति अभी भी काम कर रही है और एक समझौता हो सकता है।

ट्रंप ने फाक्स न्यूज पर एक कार्यक्रम में ईरान में नए हमलों की खबरों पर सीधे तौर पर तो कुछ नहीं कहा, लेकिन ईरान में युद्ध शुरू करने के अपने फैसले का बचाव किया और संकेत दिया कि हाल के दिनों में कोई लड़ाई नहीं हुई है। ट्रंप ने कहा, यह हलका युद्ध है। यह भीषण युद्ध नहीं है। अगर वे कोई समझौता नहीं करते हैं तो युद्ध हो सकता है। लेकिन वे बहुत शिद्दत से समझौता करना चाहते हैं और इस बात की काफी अच्छी संभावना है कि हम कोई समझौता कर लें।

उपराष्ट्रपति जे.डी. वेंस ने भी कुछ ऐसा ही रुख अपनाते हुए पत्रकारों से कहा कि अमेरिका और ईरान ने युद्ध को खत्म करने की दिशा में कुछ प्रगति की है। उपराष्ट्रपति ने कहा, ईरानी हमेशा थोड़े अप्रत्याशित होते हैं और जैसा कि राष्ट्रपति हमेशा कहते हैं कि उनके पास सैन्य और गैर सैन्य दोनों तरह के विकल्प मौजूद हैं। लेकिन हमने निश्चित रूप से कुछ प्रगति की है। देखते हैं कि क्या हम इसमें और आगे बढ़ सकते हैं। सीबीएस न्यूज की रिपोर्ट के अनुसार, कतर की अगुवाई में तीन दिनों तक चली अप्रत्यक्ष और बंद दरवाजे की बातचीत से कोई ठोस नतीजा नहीं निकला है। ईरान ने कहा कि अब गेंद अमेरिका के पाले में है। हालांकि राष्ट्रपति ट्रंप ने ईरान के साथ बातचीत में प्रगति का संकेत दिया। इससे पहले ट्रंप ने पत्रकारों को बताया कि रविवार को उनकी इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के साथ अच्छी बातचीत। उनसे ईरान युद्ध पर चर्चा की गई।

एक्सियोस की रिपोर्ट के अनुसार, सूत्रों ने बताया कि राष्ट्रपति ट्रंप चाहते हैं कि बातचीत को आगे बढ़ने दिया जाए, जबकि नेतन्याहू ईरान पर हमले फिर से शुरू करने का दबाव बना रहे हैं। चुनाव के दिन से पहले लिंकन मेमोरियल रिफ्लेक्टिंग पूल पर अपने आखिरी भाषण के दौरान ट्रंप ने कई बार ईरान का जिक्र किया और कहा, यह कोई युद्ध नहीं है। उल्लेखनीय है कि केशम द्वीप ईरान के बंदर अब्बास बंदरगाह शहर से लगभग 14 मील दूर है। यह होर्मुज जलडमरूमध्य से होने वाले यातायात पर ईरान का नियंत्रण बनाए रखने के लिए बहुत महत्वपूर्ण है। युद्ध से पहले हर दिन लगभग 2 करोड़ (20 मिलियन) बैरल तेल इसी रास्ते से होकर गुजरता था। इस युद्ध के दौरान अमेरिका पहले भी इस द्वीप को निशाना बना चुका है।

क्या मिडटर्म चुनावों में हार मान चुके हैं डोनाल्ड ट्रंप



वाशिंगटन

वीटो को लेकर दिए बयान ने खड़े किए सवाल

अमेरिका में आगामी मिडटर्म चुनावों को लेकर राजनीतिक हलचल अपने चरम पर है, और मतदान से ठीक पहले पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के हालिया बयानों से यह संकेत मिलने लगे हैं कि वे चुनाव परिणामों को लेकर आशंकित हैं। ट्रंप ने अपने एक साक्षात्कार में यह स्पष्ट कर दिया है कि यदि डेमोक्रेटिक पार्टी अमेरिकी कांग्रेस के दोनों सदनों में बहुमत हासिल करने में सफल रहती है, तो वे डेमोक्रेट्स के विधायी फैसलों और प्रस्तावों को रोकने के लिए अपने वीटो अधिकार का पूरी ताकत से इस्तेमाल करेंगे। उन्होंने दोटूक शब्दों में कहा कि वे अपने प्रशासन के अब तक के कामकाज और नीतियों को विपक्षी पार्टी के हाथों बर्बाद नहीं होने देंगे और आवश्यकता पड़ने पर मिस्टर वीटो की भूमिका निभाएंगे। ट्रंप का मानना है कि यदि डेमोक्रेट्स संसद पर नियंत्रण पा लेते हैं, तो शुरुआती दौर में दोनों पक्षों के बीच कड़ा टकराव देखने को मिल सकता है, जहां डेमोक्रेट्स अपने बिल पास कराएंगे और वे उन्हें वीटो कर देंगे। हालांकि, उनका यह भी अनुमान है कि लंबे समय तक विधायी कामकाज ठप रहने और समय की बर्बादी के बाद आखिरकार विपक्षी नेताओं को बातचीत की टेबल पर आना ही पड़ेगा। अमेरिका में मध्यावधि चुनावों में प्रतिनिधि सभा की सभी 435 सीटों और सीनेट की 35 सीटों पर आने वाले नतीजों से यह तय होगा कि ट्रंप के राष्ट्रपति कार्यकाल के बाकी बचे दो सालों में अमेरिकी संसद का नियंत्रण किसके हाथ में रहेगा। विश्लेषकों का मानना है कि रिपब्लिकन पार्टी को डेमोक्रेट्स से कड़ी टक्कर मिलने का अंदेशा इसलिए भी है क्योंकि मौजूदा समय में कई मुद्दों को लेकर जनता में असंतोष देखा जा रहा है। ईरान के साथ हुए सैन्य संघर्ष में अमेरिका को हुए नुकसान, होर्मुज संकट के चलते आसमान छूते तेल और गैस के दाम, तथा बढ़ती घरेलू महंगाई ने ट्रंप की लोकप्रियता पर असर डाला है। इसके अलावा, कनाडा, क्यूबा, ब्राजील और भारत जैसे प्रमुख देशों के साथ बिगड़े कूटनीतिक रिश्तों, आयातित वस्तुओं पर भारी-भरकम टैरिफ लगाने की नीतियों और रूस से तेल आयात करने वाले देशों पर प्रतिबंधों की धमकियों ने उनकी मुश्किलें और बढ़ा दी हैं। दूसरी ओर, पूर्व राष्ट्रपति बराक ओबामा के मैदान में उतरकर डेमोक्रेट्स के पक्ष में मोर्चा संभालने से चुनावी समीकरणों में तेजी से बदलाव आया है, जिसके चलते ट्रंप प्रशासन अपनी रणनीतिक और घरेलू मोर्चे की विफलताओं को छिपाने के लिए अब वीटो पावर को अपना सबसे बड़ा रक्षा कवच बनाने की तैयारी में जुट गया है।

एआई और रोबोट के प्रसार से छिन सकती है नौकरियां : विशेषज्ञ



वाशिंगटन। टेक्नोलाजी जगत की अग्रणी कंपनी माइक्रोसाफ्ट के सह-संस्थापक बिल गेट्स ने आने वाले समय को लेकर जो चौंकाने वाली भविष्यवाणियां की हैं, उन्होंने पूरी दुनिया को सोचने पर मजबूर कर दिया है। हाल ही में माइक्रोसाफ्ट द्वारा अपने लगभग 60,000 कर्मचारियों को स्वेच्छा से नौकरी छोड़ने का पैकेज आफर करने की खबर से टेक जगत में बड़ी उथल-पुथल मची है। बिल गेट्स ने चेतावनी दी है कि अगले 20 साल इंसानियत के लिए अब तक के सबसे ज्यादा बदलाव और उथल-पुथल भरे रहने वाले हैं। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस यानी एआई और इंसानी शक्ल वाले रोबोट्स हमारे काम करने के तरीके, उद्योग और रोजमर्रा की जिंदगी को पूरी तरह बदल कर रख देंगे। भले ही आगे चलकर एआई से दुनिया में तरक्की आए, लेकिन जब तक समाज इस नई तकनीक के साथ तालमेल नहीं बिठा पाता, तब तक का यह दौर बेहद डरावना होगा। बदलाव के इस दौर में बहुत से लोगों की नौकरियां छिन जाएंगी और उनके सामने जीवन का नया मकसद ढूंढना भी मुश्किल हो जाएगा। जानकारों के अनुसार एआई का असर सिर्फ आईटी या टेक कंपनियों तक सीमित नहीं रहने वाला है। हर वह काम जो एक ही ढर्रे पर बार-बार किया जाता है, जहां डेटा या सूचनाओं को प्रोसेस किया जाता है या जहां ग्राहकों से बातचीत होती है, वह सब एआई के निशाने पर है।

क्वाड देशों का आर्थिक सुरक्षा पर जोर, अहम खनिजों और एआई में बढ़ाएंगे सहयोग

बैठक में वैश्विक स्थिरता और समृद्धि के लिए आर्थिक सुरक्षा को अपरिहार्य बताया



वाशिंगटन

भारत, अमेरिका, जापान और आस्ट्रेलिया ने हिंद-प्रशांत क्षेत्र की आर्थिक सुरक्षा को मजबूत करने के लिए एक महत्वपूर्ण कदम उठाया है। क्वाड देशों के विदेश मंत्रियों ने अटलांटा में हुई बैठक में अहम खनिजों की आपूर्ति श्रृंखला को सुदृढ़ करने, एआई में सहयोग बढ़ाने और समुद्री सुरक्षा को प्राथमिकता देने पर सहमति व्यक्त की है। विगत 31 अक्टूबर को संपन्न हुई इस बैठक के बाद जारी संयुक्त बयान में वैश्विक स्थिरता और समृद्धि के लिए आर्थिक सुरक्षा को अपरिहार्य बताया गया। चारों देशों ने उन आर्थिक दबावों, मनमाने निर्यात प्रतिबंधों और बाजार को विकृत करने वाली नीतियों पर चिंता जताई, जो वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं को प्रभावित कर सकते हैं।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक क्वाड के अहम खनिज पहल के तहत, सदस्य देश इलेक्ट्रानिक कचरे और कबाड़ से खनिजों को पुन: प्राप्त करने, प्रसंस्करण संयंत्रों के विकास और वैकल्पिक आपूर्ति श्रृंखलाओं के निर्माण पर काम करेंगे। अमेरिका ने भारत और आसियान देशों में ऐसी सुविधाओं के लिए 1 करोड़ डालर की सहायता देने की प्रतिबद्धता जताई है। इसका मुख्य उद्देश्य इलेक्ट्रिक वाहन, बैटरी और सेमीकंडक्टर जैसे अहम उद्योगों के लिए आवश्यक खनिजों पर किसी एक आपूर्तिकर्ता पर निर्भरता कम करना है। एआई क्षेत्र में भी क्वाड ने बड़ी पहल की है, जिसके तहत हिंद-प्रशांत में भरोसेमंद एआई तकनीक तक पहुंच बढ़ाने के लिए 8.5 करोड़ डालर से अधिक की तकनीकी और वित्तीय सहायता दी जाएगी। इसके लिए क्वाड एसआई एक्सेलेरेटर का उपयोग किया जाएगा। बैठक में समुद्री सुरक्षा को आर्थिक समृद्धि से जोड़ते हुए होर्मुज स्ट्रेट, लाल सागर और बाब-अल-मंदेब स्ट्रेट जैसे अहम मार्गों पर नौवहन की स्वतंत्रता और व्यापारिक जहाजों की सुरक्षित आवाजाही सुनिश्चित करने पर जोर दिया। संयुक्त राष्ट्र समुद्री कानून अभिसमय के अनुरूप समुद्री मार्गों पर किसी भी प्रकार के अवरोध या टोल के बिना आवागमन को सुनिश्चित करने की बात भी कही गई। भारत की समुद्री भूमिका को दर्शाते हुए चेन्नई से पर्थ तक क्वाड की दूसरी समुद्री पर्यवेक्षक यात्रा का भी उल्लेख किया। 2027 में सी ड्रैगन अभ्यास के दौरान चारों देश अपना पहला संयुक्त अभ्यास करने की तैयारी में हैं, साथ ही समुद्री क्षेत्र जागरूकता पर एक संगोष्ठी की भी योजना है। डिजिटल बुनियादी ढांचे को मजबूत करने के लिए सुरक्षित और तेज समुद्री डेटा केबल नेटवर्क विकसित करने पर सहमति बनी। सेमीकंडक्टर और एआई हार्डवेयर की आपूर्ति श्रृंखला में कमजोर कड़ियों की पहचान के साथ-साथ 5जी, 6जी और ओपन आरएएन जैसी तकनीकों में भरोसेमंद सहयोग बढ़ाने की योजना है।

कम्युनिस्ट पार्टी आफ चाइना के नेता लियू हैक्सिंग पाक के दौरे पर, संबंधों को और मजबूत करने पर जोर

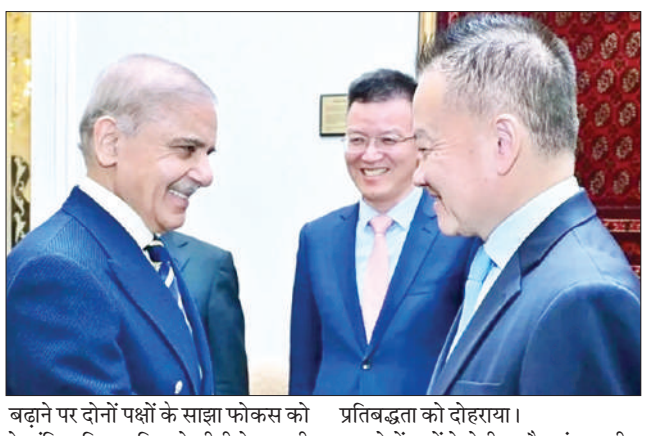
इस्लामाबाद

कम्युनिस्ट पार्टी आफ चाइना की केंद्रीय समिति के अंतरराष्ट्रीय विभाग के मंत्री लियू हैक्सिंग ने पाकिस्तान के नागरिक और सैन्य नेतृत्व के साथ कई उच्च-स्तरीय बैठकें कीं। उन्होंने प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ, चीफ आफ डिफेंस फोर्सेज फील्ड मार्शल सैयद आसिम मुनीर और उप प्रधानमंत्री इशाक डार के साथ द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करने और क्षेत्रीय व अंतरराष्ट्रीय घटनाक्रमों पर चर्चा की।

द न्यूज की रिपोर्ट के अनुसार, पाकिस्तान विदेश कार्यालय ने बताया कि लियू हैक्सिंग एक नवंबर को पाकिस्तान पहुंचे। यह उनका पहला आधिकारिक दौरा है। प्रधानमंत्री के साथ बैठक में लियू ने द्विपक्षीय सहयोग को और गहरा करने के तरीकों पर चर्चा की। इस दौरान शहबाज ने दोनों देशों के बीच संबंधों को और मजबूत करने के लिए निरंतर राजनीतिक जुड़ाव और पार्टियों के बीच आपसी आदान-प्रदान को बढ़ाने की आवश्यकता पर जोर दिया।

लियू और उनके प्रतिनिधिमंडल का स्वागत करते हुए प्रधानमंत्री ने दोहराया कि पाकिस्तान और चीन के बीच एक बेहद मजबूत, समय की कसौटी पर खरी उतरी और हर मौसम में कायम रहने वाली रणनीतिक सहकारी साझेदारी है। उन्होंने कहा कि दोनों देशों के बीच दोस्ती आपसी विश्वास, सम्मान और दोनों देशों के लोगों के बीच गहरे संबंधों पर टिकी है।

शहबाज ने दोनों देशों के बीच व्यापार, निवेश, कनेक्टिविटी, बुनियादी ढांचे के विकास, सूचना प्रौद्योगिकी और कृषि के आधुनिकीकरण में सहयोग



बढ़ाने पर दोनों पक्षों के साझा फोकस को रेखांकित किया। लियू ने चीनी नेतृत्व की ओर से शुभकामनाएं दीं और पाकिस्तान के साथ अपनी पुरानी दोस्ती को और गहरा करने के लिए बीजिंग की प्रतिबद्धता को दोहराया।

दोनों पक्षों ने क्षेत्रीय और अंतरराष्ट्रीय घटनाक्रमों पर भी विचारों का आदान-प्रदान किया और द्विपक्षीय तथा बहुपक्षीय मंचों पर करीबी समन्वय और सहयोग बनाए रखने की अपनी प्रतिबद्धता को दोहराया। प्रधानमंत्री ने दौरे पर आए चीन के नेता और उनके प्रतिनिधिमंडल के सम्मान में एक भोज का भी आयोजन किया। इंटर-सर्विसेज पब्लिक रिलेशंस (आईएसपीआर) के अनुसार, दोनों पक्षों ने आपसी हित के मुद्दों, क्षेत्रीय और अंतरराष्ट्रीय सुरक्षा की बदलती स्थितियों और द्विपक्षीय संबंधों पर चर्चा की।

फील्ड मार्शल मुनीर ने दोनों देशों के बीच ऐतिहासिक और समय की कसौटी पर खरे उतरे संबंधों पर प्रकाश डाला। उन्होंने लगातार उच्च-स्तरीय बातचीत, मजबूत संस्थागत संबंधों और आपसी हित के क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने के महत्व पर जोर दिया। चीनी प्रतिनिधि ने क्षेत्रीय शांति और स्थिरता में पाकिस्तान के योगदान की सराहना की और दोनों देशों के बीच लंबे समय से चली आ रही रणनीतिक साझेदारी को और आगे बढ़ाने पर भरोसा जताया।

एक अन्य बैठक में, उप प्रधानमंत्री और विदेशमंत्री इशाक डार ने चीन के साथ रणनीतिक साझेदारी को और मजबूत करने के लिए पाकिस्तान की प्रतिबद्धता को दोहराया। दोनों पक्षों ने सांस्कृतिक संबंधों और लोगों के बीच आपसी आदान-प्रदान को बढ़ाने के तरीकों पर चर्चा की। साथ ही, उन्होंने करीबी समन्वय बनाए रखने और द्विपक्षीय संबंधों में सकारात्मक गति को आगे बढ़ाने का संकल्प लिया। पाकिस्तान के राजनीतिक और सैन्य नेतृत्व के साथ लियू की ये मुलाकातें ऐसे समय में हो रही हैं, जब दोनों देश राजनीतिक, आर्थिक, सुरक्षा और संस्थागत क्षेत्रों में अपना सहयोग लगातार बढ़ा रहे हैं।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

अपनी सेहत के बारे में ज़रूरत से ज़्यादा चिंता न करें। पारिवारिक सदस्यों के साथ सुकून भरे और शांत दिन का लुत्फ़ लें। अगर लोग परेशानियों के साथ आपके पास आएँ तो उन्हें नज़रअंदाज़ करें और उन्हें अपनी मानसिक शांति भंग न करने दें। आपको अपने घर के छोटे सदस्यों के साथ वक्त बिताना सीखना चाहिए। अगर आप ऐसा नहीं करते हैं तो आप घर में सद्भाभ बना पाने में कामयाब नहीं हो पाएंगे. आज आप महसूस करेंगे कि जीवनसाथी के साथ की एहमियत कितनी हे। आज की शाम दोस्तों के साथ कहीं बाहर आप जा सकते हैं

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

आपका ऊर्जा-स्तर ऊँचा रहेगा। ग्रह नक्षत्रों की चाल आपके लिए आज अच्छी नहीं है, आज के दिन आपको अपने धन को बहुत सुरक्षित रखना चाहिए। बच्चे आपको घरेलू काम-काज निबटाने में मदद करेंगे। आज आप व्यस्त दिनचर्या के बावजूद भी अपने लिए समय निकाल पाने में समर्थ होंगे और इस खाली समय में अपने परिवार वालों के साथ गुफ्तगू कर सकते हैं। दिन भर लोगों के साथ बिताने के बाद शाम का पूरा वक्त आप अपने जीवनसाथी को दे सकते हैं।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ड़,छ,के,को,ह

दिन चढ़ने पर वित्तीय तौर पर सुधार आएगा। कोई पुराना परिचित आपके लिए परेशानी का सबब बन सकता है। अपने प्रिय की बातों के प्रति आप ज़रूरत से ज़्यादा संवेदनशील रहेंगे- आपको अपने जज़्बात पर क़ाबू रखने की ज़रूरत है और ऐसा कुछ करने से बचें जो मामले को और भी बिगाड़ दे। जो लोग घर से बाहर रहते हैं आज वो अपने सारे काम पूरे करके शाम के समय किसी पार्क या एकांत जगह पर समय बिताना पसंद करेंगे। अपनी खुशी को जाहिर करें इससे आपसे जुड़े लोगों को भी खुशी मिलती है।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

घरेलू परेशानियाँ आपको तनाव दे सकती हैं। अपने धन का संचय कैसे करना है यह हुनर आज आप सीख सकते हैं और इस हुनर को सीख कर आप अपना धन बचा सकते हैं। आप दोस्तों के साथ बेहतरीन वक़्त बिताएंगे, लेकिन गाड़ी चलाते वक़्त ज़्यादा सावधानी बरतें। सैर-सपाटे पर जाने का कार्यक्रम बन सकता है, जो आपकी ऊर्जा और उत्साह को तरोताज़ा कर देगा। आज जीवनसाथी के साथ समय बिताने के लिए आपके पास पर्याप्त समय होगा।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

धन से जुड़ा कोई मसला आज हल हो सकता है और आपको धन लाभ हो सकता है। पुराने संपर्क और दोस्त मददगार रहेंगे। आज प्यार के नज़रिए से दिन काफ़ी विवादास्पद रहेगा। आज काफ़ी दिगागी कसरत मुमकिन है। आपमें से कुछ लोग खेल खेल सकते हैं, वर्ग-पहेली हल कर सकते हैं, कहानी लिखने वाले लेखक समुदाय राईटर भविष्य की योजनाओं पर गहराई से सोच सकते हैं। वैवाहिक जीवन मे सामांजस्य बनाकर चले नही तो साइड इफ़ेक्ट्स भी होते हैं; आज आपको इनका सामना करना पड़ सकता है। ठंडा पानी पीना आज आपके स्वास्थ्य को खराब कर सकता है।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

आज बिना किसी की मदद के ही आप धन कमा पाने में सक्षम होंगे। बाहरी चीज़ों का अब कोई ख़ास मायने आपके लिए नहीं बचा है, आप खुद को समय देना जानते हैं और आज तो आपको काफी खाली समय मिलने की संभावना है। खाली समय में आज आप कोई खेल-खेल सकते हैं या जिम जा सकते हैं। ज़िन्दगी बहुत ख़ूबसूरत नज़र आएगी, क्योंकि आपके जीवनसाथी ने आपके लिए कुछ ख़ास योजना बनाई है। दोस्तों के साथ खाली वक्त मे आप गपशप से कर सकते हैं।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

आपका स्वास्थ्य आज पूरी तरह से आपका साथ देगा। पुराने निवेशों के चलते आय में बढ़ोत्तरी नज़र आ रही है। आज का दिन खुशियों से भरा रहेगा, क्योंकि आपका जीवन-साथी आपको खुशी देने का हर प्रयास करेगा। आपको अपनी हार से कुछ सबक़ सीखने की ज़रूरत है, क्योंकि आज अपने दिल की बात ज़ाहिर करने से नुक़सान भी हो सकता है। आज आपको अचानक किसी अनचाही यात्रा पर जाना पड़ सकता है जिसकी वजह से घरवालों के साथ समय बिताने का आपका प्लान खराब हो सकता है। यदि आपसे कोई बात करना चाहे और आपका मूड बात करने का न हो तो आपको शांति से उसे यह बात समझानी चाहिए।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

आप मानसिक और शारीरिक तौर पर थकान महसूस कर सकते हैं, थोड़ा-सा आराम और पौष्टिक आहार आपके ऊर्जा-स्तर को उठाए रखने में अहम साबित होगा। बिन बुलाया कोई मेहमान आज घर में आ सकता है लेकिन इस मेहमान की किस्मत की वजह से आज आपको आर्थिक लाभ हो सकता है। वैवाहिक बंधन में बंधने के लिए अच्छा समय है। आज आपको अपने प्रिय का एक अलग ही अन्दाज़ देखने को मिल सकता है। अपना समय और ऊर्जा दूसरों की मदद करने में लगाएँ, लेकिन ऐसे मामलों में पड़ने से बचें जिनसे आपका कोई लेना-देना नहीं है।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

जो लोग अब तक पैसे को बेवजह खर्च कर रहे थे आज उन्हें समझ आ सकता है कि पैसे की जीवन में क्या अहमियत है क्योंकि आज अचानक आपको पैसे की जरुरत पड़ेगी और आपके पास पर्याप्त धन नहीं होगा। अपने बच्चों के लिए कुछ ख़ास योजना बनाएँ। सुनिश्चित करें कि आपकी योजनाएँ यथार्थवादी हैं और उन्हें अमली जामा पहनाना मुमकिन है। आज के दिन यात्रा, मनोरंजन और लोगों से मिलना-जुलना होगा। यह दिन शादीशुदा ज़िन्दगी के सबसे ख़ास दिनों में से एक रहेगा। किसी करीबी और पुराने मित्र से मिलकर आज आप अतीत के सुनहरे दिनों में खो सकते हैं।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

छोटी-छोटी चीज़ों को ख़ुद के लिए परेशानी का सबब न बनने दें। जिन लोगों से आपकी मुलाक़ात कभी-कभी ही होती है, उनसे बातचीत और संपर्क करने के लिए अच्छा दिन है। कोई अच्छी ख़बर या जीवनसाथी/प्रिय से मिला कोई संदेश आपके उत्साह को दोगुना कर देगा। आपको ऐसी जगहों से महत्वपूर्ण बुलावा आएगा, जहाँ से आपने इसकी कभी कल्पना भी न की हो। जो काम आप आज पूरे करने में सक्षम हैं उन्हें कल पर ना ही टालें तो आपके लिए अच्छा रहेगा।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

आपका उदार स्वभाव आज आपके लिए कई ख़ुशनुमा पल लेकर आएगा। आर्थिक रुप से आज आप काफी मजबूत नजर आएंगे, ग्रह नक्षत्रों की चाल से आज आपके लिए धन कमाने के कई मौके बनेंगे. सामाजिक समारोह में परिवार के साथ शामिल होना सबके लिए अच्छा अनुभव रहेगा। अपने शरीर को दुरुस्त करने के लिए आज भी आप कई बार सोचेंगे लेकिन बाकी दिनों की तरह भी आज यह प्लान धरा का धरा रह जाएगा। संभव है कि आज आपकी जीभ को भरपूर मज़ा मिले - किसी उम्दा रेस्तराँ में जाना मुमकिन है और लज़ीज़ खाने का लुत्फ़ उठा सकते हैं।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

घर की छोटी-छोटी चीजों पर आज आपका बहुत धन खराब हो सकता है जिसके वजह से आप मानसिक तनाव में आ सकते हैं। अपनी पत्नी/पति के साथ पिकनिक पर जाने का बेहतरीन दिन है। यह न केवल आपका मन हल्का करेगा, बल्कि आप दोनों के बीच मतभेद दूर करने में भी मदद करेगा। आज आपके और आपके प्यार के बीच कोई आ सकता है। खाली वक्त का सही इस्तेमाल करना आपको सीखना ही होगा नहीं तो जीवन में आप कई लोगों से पीछे रह जाएंगे। जीवनसाथी के साथ कुछ तनातनी मुमकिन है, लेकिन शाम के खाने के साथ चीज़ें भी सुलझ जाएंगी।

आज का पंचांग

दिनांक : 04 नवंबर 2026, बुधवार
विक्रम संवत : 2083
मास : कार्तिक ,कृष्ण पक्ष
तिथि : दशमी प्रातः 11:05 तक
नक्षत्र : पूर्वाफाल्गुनी रात्रि 03:30 तक
योग : ब्रह्म प्रातः 08:00 तक
करण : विष्टि प्रातः 11:05 तक
चन्द्रराशि : सिंह
सूर्योदय : 06:15 , सूर्यास्त 05:43 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 06:14, सूर्यास्त 05:52 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 06:07 , सूर्यास्त 05:44 (तिरुपति)
सूर्योदय : 06:06 ,सूर्यास्त 05:35 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया
लाभ : 06:00 से 07:30
अमृत : 07:30 से 09:00
शुभ : 10:30 से 12:00
चल : 03:00 से 04:30
लाभ : 04:30 से 06:00
राहुकाल : दोपहर 12:00 से 01:30
दिशाशूल : उत्तर दिशा
उपाय : तिल्ली खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष : चातुर्मास मास चालू है , भद्रा प्रातः 11:05 तक

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *
पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

सामूहिक सहयोग से ही निरंतर आगे बढ़ रही है अन्नसेवा : राम प्रकाश अग्रवाल





हैदराबाद। राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में नामपल्ली स्थित पब्लिक गार्डन, पिलर नंबर 1265-ए के पास नियमित अन्नसेवा कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

इस अवसर पर सेवा कार्य में सहभागिता निभाते हुए राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के संयोजक राम प्रकाश अग्रवाल ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि राधे-राधे परिवार की ओर से संचालित यह सेवा किसी एक व्यक्ति का व्यक्तिगत कार्य नहीं है, बल्कि यह पूरे परिवार के सामूहिक सहयोग, समर्पण और सेवाभाव का परिणाम है। हम सभी मिलकर एक परिवार की भावना से इस पुनीत कार्य को निरंतर आगे बढ़ा रहे हैं। इस अभियान की सबसे बड़ी विशेषता यही है कि इसमें प्रत्येक सदस्य अपनी क्षमता और सामर्थ्य के अनुसार योगदान दे रहा है।

उन्होंने कहा कि समाज में सेवा का वास्तविक महत्व तभी है, जब हम व्यक्तिगत स्वार्थ से ऊपर उठकर दूसरों के दुख-दर्द को समझें और जरूरतमंदों की सहायता के लिए आगे आएं। किसी भूखे व्यक्ति को भोजन कराना केवल उसकी भूख मिटाना नहीं, बल्कि उसके जीवन में अपनत्व, सम्मान और प्रसन्नता का भाव जगाना भी है। अन्नसेवा मानवता की ऐसी भावना है, जो समाज के प्रत्येक वर्ग को एक-दूसरे से जोड़ती है। राधे-राधे ग्रुप का प्रयास है कि सेवा का यह क्रम किसी एक दिन या अवसर तक सीमित न रहे, बल्कि नियमित रूप से चलता रहे।

राम प्रकाश अग्रवाल ने आगे कहा कि राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद में सभी सदस्य एक-दूसरे के सहयोगी बनकर कार्य कर रहे हैं। यहां कोई व्यक्ति अपने नाम या पहचान के लिए सेवा नहीं करता, बल्कि सभी का एक ही उद्देश्य है कि जरूरतमंदों तक भोजन पहुंचे और समाज में सेवा एवं सहयोग की भावना मजबूत हो। जब अनेक लोग मिलकर एक नेक उद्देश्य के लिए कार्य करते हैं, तो छोटा-सा प्रयास भी बड़े सामाजिक परिवर्तन का माध्यम बन सकता है। सेवा में धन से अधिक महत्वपूर्ण भावना और समर्पण होता है। यदि मन में दूसरों के प्रति संवेदना है, तो प्रत्येक व्यक्ति किसी न किसी रूप में समाज के लिए उपयोगी योगदान दे सकता है।

उन्होंने कहा कि राधे-राधे परिवार का विश्वास है कि मानव सेवा ही सच्ची ईश्वर आराधना है। मंदिर में पूजा-पाठ करने के साथ-साथ किसी जरूरतमंद की सहायता करना भी ईश्वर की सच्ची भक्ति है।

भूखे को भोजन, असहाय को सहारा और जरूरतमंद को सम्मान देना ही सेवा-संस्कारों की वास्तविक पहचान है। अन्नसेवा के माध्यम से न केवल लोगों की भूख मिटाने का प्रयास किया जा रहा है, बल्कि समाज में आपसी प्रेम, भाईचारे, सद्भाव और सामाजिक जिम्मेदारी का संदेश भी दिया जा रहा है।

राम प्रकाश अग्रवाल ने सभी सहयोगियों और सदस्यों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह सेवा अभियान सभी के विश्वास, सहयोग और सामूहिक प्रयासों से ही निरंतर आगे बढ़ रहा है।

उन्होंने समाज के अधिक से अधिक लोगों से इस पुनीत अभियान से जुड़ने का आह्वान किया, ताकि सेवा का दायरा और व्यापक हो सके तथा अधिक से अधिक जरूरतमंदों को इसका लाभ मिल सके। उन्होंने विश्वास जताया कि राधे-राधे परिवार इसी प्रकार सेवा, समर्पण और सहयोग की भावना के साथ मानवता की सेवा करता रहेगा।

कार्यक्रम में राम प्रकाश अग्रवाल, सुनीता अग्रवाल, भगत राम गोयल, महेश अग्रवाल, नंदकिशोर अग्रवाल, रोहित अग्रवाल, सुमन अग्रवाल सहित राधे-राधे परिवार के अनेक सदस्य उपस्थित रहे।

सभी सदस्यों ने आपसी सहयोग और सेवाभाव के साथ अन्नसेवा कार्यक्रम में सहभागिता निभाई। पूरे आयोजन में सामूहिक सेवा, अपनत्व और मानव कल्याण की भावना दिखाई दी।

पोचारम ने किया अस्पताल का निरीक्षण



बांसवाड़ा, 03 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना सरकार के कृषि सलाहकार एवं बांसवाड़ा विधायक पोचारम श्रीनिवास रेड्डी ने वरनी मंडल केंद्र स्थित 30 बेड वाले सरकारी अस्पताल का दौरा किया। उन्होंने मरीजों से मुलाकात कर उपचार एवं चिकित्सा सुविधाओं की जानकारी ली। बाद में जिला चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी (डीसीएचओ) श्रीनिवास प्रसाद से चर्चा कर चिकित्साकर्मियों की नियुक्ति, आवश्यक चिकित्सा उपकरणों एवं बुनियादी सुविधाओं की समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों को गरीब एवं मध्यमवर्गीय मरीजों को बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने के निर्देश दिए।

शिक्षा कार्यों में तेजी के निर्देश

पेद्दापल्ली, 03 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। जिला कलेक्टर कोया श्री हर्ष ने जिले में शिक्षा से जुड़े विकास कार्यों को शीघ्र पूरा करने के निर्देश दिए। मंगलवार को उन्होंने समाहरणालय में तेलंगाना शिक्षा एवं कल्याण अवसंरचना विकास निगम (टीजीईडब्ल्यूआईडीसी) के अंतर्गत चल रहे कार्यों की समीक्षा की। उन्होंने यंग इंडिया इंटीग्रेटेड स्कूल एवं शिक्षा विभाग के निर्माण कार्यों में तेजी लाने, लंबित बिल जारी करने और गुणवत्ता बनाए रखने पर जोर दिया। इसके बाद उन्होंने पेद्दापल्ली आईटीआई परिसर में निर्माणाधीन स्विमिंग पूल का निरीक्षण कर शेष कार्य शीघ्र पूरा करने के निर्देश दिए। समीक्षा में निगम के उप अभियंता रामकृष्ण सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।



विकास कार्यों का निरीक्षण



मंचेरियाल, 03 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। मंचेरियाल विधायक कोक्किराला प्रेम सागर राव ने शहर के श्री विश्वनाथ मंदिर के पुनर्निर्माण कार्यों का निरीक्षण कर अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए। उन्होंने मंदिर को भव्य स्वरूप प्रदान करने और श्रद्धालुओं के लिए बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने पर जोर दिया।

इसके बाद विधायक एवं जिला वन अधिकारी (डीएफओ) राहुल किशन जाधव ने कॉलेज रोड स्थित गोदावरी नदी तट पर बने महाप्रस्थान का दौरा कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। इस अवसर पर नगर निगम आयुक्त अन्वेष, अतिरिक्त आयुक्त राजू, महापौर धरनी मधुकर, टीपीसीसी उपाध्यक्ष चिट्ला सत्यनारायण, पार्षद तुमुला नरेश, विभिन्न समितियों के पदाधिकारी, पार्षदगण, कांग्रेस नेता एवं अन्य गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

ओम बिरला ने लोक लेखा समितियों से सार्वजनिक धन के सदुपयोग पारदर्शिता और वित्तीय अनुशासन को मजबूत करने का किया आह्वान





तिरुवनंतपुरम, 03 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने संसद एवं राज्य विधानमंडलों की लोक लेखा समितियों (पीएसी) से सार्वजनिक धन के संरक्षक के रूप में अपनी भूमिका मजबूत करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि सरकारी खजाने से खर्च होने वाले प्रत्येक रुपये का हिसाब और उसका निर्धारित उद्देश्य के अनुसार उपयोग सुनिश्चित होना चाहिए। पारदर्शिता और जवाबदेही लोकतंत्र के आधार स्तंभ हैं।

तिरुवनंतपुरम में संसद एवं राज्य/केंद्रशासित प्रदेशों के विधानमंडलों की लोक लेखा समितियों के सभापतियों के सम्मेलन का उद्घाटन करते हुए उन्होंने कहा कि समितियां केवल लेखापरीक्षा रिपोर्टों की जांच तक सीमित न रहें, बल्कि सरकारी खर्च से आम जनता को मिलने वाले वास्तविक लाभों का भी मूल्यांकन करें। वर्षों तक लंबित लेखा-परीक्षा टिप्पणियों पर चिंता जताते हुए उन्होंने समयबद्ध निस्तारण और प्रभावी निगरानी व्यवस्था विकसित करने पर जोर दिया।

उन्होंने कहा कि राजनीतिक मतभेदों से ऊपर उठकर समितियों को संवाद, सहयोग और सामूहिक जिम्मेदारी के साथ काम करना चाहिए। सार्वजनिक धन के दुरुपयोग, अपव्यय और वित्तीय अनियमितताओं को रोकना उनकी प्राथमिकता होनी चाहिए। उन्होंने निगरानी में प्रौद्योगिकी, डेटा विश्लेषण और कृत्रिम बुद्धिमत्ता के उपयोग तथा विकास परियोजनाओं एवं जनकल्याणकारी योजनाओं के वास्तविक परिणामों की जांच पर भी बल दिया।

उद्घाटन सत्र को राज्यसभा के उपसभापति हरिवंश, संसद की लोक लेखा समिति के सभापति के.सी. वेणुगोपाल, केरल विधानसभा अध्यक्ष थिरुवंचूर राधाकृष्णन तथा अन्य गणमान्य व्यक्तियों ने संबोधित किया। इस अवसर पर लोक लेखा समिति सम्मेलन स्मारिका-2026 का विमोचन भी किया गया।

के.सी. वेणुगोपाल ने प्रत्येक संसदीय सत्र में लोक लेखा समिति की कम से कम एक रिपोर्ट तथा उस पर सरकार की कार्रवाई पर चर्चा कराने का प्रस्ताव रखा। उन्होंने समयबद्ध लेखापरीक्षा, विभागों की जवाबदेही और समिति की सिफारिशों पर प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित करने की आवश्यकता बताई।

बांसवाड़ा को सूखा क्षेत्र घोषित करने की मांग



बांसवाड़ा, 03 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। सीपीआई से जुड़ी ट्रेड यूनियनों की बैठक नाई ब्राह्मण फंक्शन हॉल में आयोजित हुई। बैठक में सीपीआई बांसवाड़ा विधानसभा क्षेत्र प्रभारी एवं जिला सहायक सचिव दुबास रामुलु ने एल नीनो के प्रभाव से संभावित गंभीर सूखे को देखते हुए बांसवाड़ा विधानसभा क्षेत्र को सूखा प्रभावित घोषित करने तथा केंद्र सरकार को रिपोर्ट भेजने की मांग की। उन्होंने नगर पालिका में रोजगार गारंटी योजना लागू करने और ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार उपलब्ध कराने की भी मांग की। बैठक में सीपीआई नेता चेन्नम गारी सुरेश, थोटा श्रीनिवास, सैलू, खादर, लक्ष्मी सहित अन्य सदस्य उपस्थित रहे।

देवनहल्ली में श्रीसच्चियाय माता मंदिर परिसर में

राजेन्द्रसूरीजी के भव्य शिखरबद्ध मंदिर का शिलान्यास समारोह सम्पन्न

बेंगलूरु, 03 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। कर्नाटक के बेंगलूरु के निकट देवनहल्ली स्थित श्रीसच्चियाय माता मंदिर एवं जैन मंदिर परिसर में जैन धर्म के पूज्य गुरुदेव दादा गुरुदेव श्रीमद् विजय राजेन्द्रसूरीश्वरजी महाराज साहेब के भव्य शिखरबद्ध मंदिर का शिलान्यास समारोह श्रद्धा एवं भक्ति भाव के साथ सम्पन्न हुआ। इस मंगलमय प्रसंग पर मंदिर परिसर में धार्मिक आस्था और आध्यात्मिक उत्साह का विशेष वातावरण रहा।

समारोह के अवसर पर जगत जननी एवं कुलदेवी श्रीसच्चियाय माताजी, अंबे माताजी तथा पद्मावती माताजी की आराधना के साथ धार्मिक कार्यक्रम आयोजित किए गए। देवनहल्ली की पावन धरा पर आयोजित इस समारोह में राजेन्द्रसूरीजी महाराज साहेब के भव्य शिखरबद्ध मंदिर के निर्माण कार्य के शुभारंभ को विशेष महत्व दिया गया। आयोजन के माध्यम से धार्मिक परंपराओं के संरक्षण, मंदिर निर्माण तथा समाज में आध्यात्मिक चेतना को प्रोत्साहित करने का संदेश दिया गया।



श्रीसच्चियाय माता मंदिर जैन ट्रस्ट की ओर से सकल श्रीसंघ एवं धर्मप्रेमी श्रद्धालुओं को भावपूर्ण निमंत्रण दिया गया था। ट्रस्ट ने सभी श्रद्धालुओं से इस मंगलमय प्रसंग में सहभागी बनकर धर्मलाभ लेने तथा धार्मिक परंपराओं के प्रति समर्पण भाव बनाए रखने का आह्वान किया था।

समारोह में विशेष अतिथि के रूप में धीरजमल भंडारी, अशोक भंडारी, रमेश बंदामुथा, भवलाल कटारिया, नरपत राणावत एवं लालचंद हजारीमल कबदी सहित समाज के अनेक गणमान्य व्यक्तियों ने भाग लिया। इनके अतिरिक्त विभिन्न सामाजिक एवं धार्मिक क्षेत्रों से जुड़े प्रतिनिधि भी उपस्थित रहे।

चम्पालाल बाफना ने बताया कि इस भव्य धार्मिक आयोजन का आयोजन श्रीसच्चियाय माता मंदिर जैन ट्रस्ट (रजि.), देवनहल्ली, बेंगलूरु की ओर से किया गया।

इस अवसर पर भवरलाल कटारिया, धीरजमल भंडारी, लालचंद कबदी, अशोक भंडारी, रमेशचंद बंदामुथा, मोहनलाल बाफना, हस्तीमल बाफना एवं रोशन बाफना सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति मौजूद रहे।

ट्रस्ट मंडल की ओर से डूंगरमल चौपड़ा, चम्पालाल बाफना, सुरेश बाफना, महेंद्र बाफना, नरेश बाफना, वसंत सोलंकी, कमल बांटिया, भरत बाफना एवं पंकज बाफना सहित अनेक गणमान्य व्यक्तियों की उपस्थिति रही।



सोमाजीगुड़ा स्थित लोक भवन में तेलंगाना के राज्यपाल शिव प्रताप शुक्ला से शिष्टाचार भेंट करते हुए भाजपा नेता छत्रबन श्याम सुंदर कश्यप।

एमएलसी मतदाता पंजीकरण के लिए घर-घर जनसंपर्क



हैदराबाद, 03 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। मंगलहाट डिवीजन के आर.के. पेट, इंद्रा गोप्पा नगर, अमर नगर, शिवलाल और धूलपेट क्षेत्रों में बीआरएस पार्टी के वरिष्ठ नेताओं ने एमएलसी स्नातक मतदाता पंजीकरण के लिए घर-घर जाकर जनसंपर्क अभियान चलाया। इस दौरान लोगों को बताया गया कि आगामी एमएलसी चुनाव में मतदान करने के लिए पुराने और नए सभी पात्र स्नातक मतदाताओं का पुनः पंजीकरण अनिवार्य है। मतदाता पंजीकरण की अंतिम तिथि 6 नवंबर है। अभियान में संयोजक एम. राजेंद्र, वरिष्ठ नेता एवं प्रभारी एच. कुमार, श्रीनिवास यादव, ए. रवि कुमार, संजय, एम.डी. ईसा, बकेश सिंह, गोपाल सिंह, संदीप, धनराज, कुणाल और नवीन सहित अन्य वरिष्ठ नेताओं ने भाग लिया। नेताओं ने मतदाता पंजीकरण अभियान में सहयोग देने वाले सभी लोगों का आभार व्यक्त किया।

कुंडली बताती है साजन-सजनी का मिलन योग



दांपत्य जीवन बिखराव, अशांति, विदेशी पति या पत्नी, कष्टसाध्य दांपत्य संबंध, जीवन में ऐसी बहुत सी जटिलताएं हैं, जिनके बारे में हम जानना और हल चाहते हैं। ज्योतिष इन सबका सटीक उत्तर और हल बताता है। पति-पत्नी या जीवनसाथी अर्थात् ऐसे व्यक्ति जो एक बार मिलने के बाद कभी ना बिछुडने की कसमें खाते हैं और विवाह के समय ना केवल एक जन्म बल्कि सात जन्मों तक हर पल साथ जीने-मरने की बातें करते हैं। ज्योतिष से हमें संकेत मिल जाता है कि कौन व्यक्ति कब कहाँ होगा, कब दूर जाएगा या पास रहेगा, कब बिछुडेगा और पुनर्मिलन कब होगा। इन परिस्थितियों के संकेत व्यक्ति की जन्मकुण्डली में मिलते हैं।

पति सुख या पत्नी सुख पूर्व जन्मके कर्मो का प्रतिफल होता है जो जन्मकुण्डली में ग्रहों के माध्यम से प्रकट होते हैं। जब हम परदेसी पिया की बात करते हैं तो हमें यह देखना होगा कि पति या पत्नी किसकी जन्मपत्रिका में परदेसी होने के योग हैं। अब हम उन योगों पर विचार कर रहे हैं जिनके होने पर किसी स्त्री के पतिदेव परदेस बसते हैं और स्त्री को तन्हाई, प्रतीक्षा और विरह अग्नि में जलना पडता है। पति की अनुपस्थिति या पति का परदेस में रहना स्त्री के लिए कष्ट होता है।

यही कारण है कि प्राचीनकाल के अधिकांश महाकाव्य, काव्य, खण्डकाव्यों की विषयवस्तु एवं संपूर्ण कथानक विरहणी की मनोदशा पर आधारित हैं। लग्नेश जब सप्तम भाव में स्थित हो तथा उस पर शुभ प्रभाव हो तो व्यक्ति विदेश जाता है और उसकी जीवन संगिनी पीछे रह जाती है। यदि पत्नी की जन्मपत्रिका के पंचम, द्वादश व नवम भाव बली हैं तो पत्नी भी कुछ समय पश्चात पति के साथ चली जाएगी अन्यथा उसके पति 'परदेसी पिया' हो जाएंगे। इस योग में व्यक्ति विदेश तो जाते ही हैं साथ ही वहां जाकर स्थाई रूप से रहते हैं।

जब किसी व्यक्ति की जन्मकुण्डली में सप्तम भाव का स्वामी द्वादश भाव में स्थित हो तथा लग्नेश से संबंध बनाता हो तो व्यक्ति की बार-बार विदेश यात्राएं होती हैं, ऐसा व्यक्ति विदेश में जाकर निवास तो नहीं करता है परंतु व्यापार आदि के प्रसंग में अधिकांश समय वह विदेश में रहता है, 'परदेसी बालम' बन जाता है, पत्नी को उनके जाने पर निरंतर उनके आने की प्रतीक्षा सताती है, यद्यपि ऐसे व्यक्ति विदेश से पर्याप्त धन कमा लेते हैं, परंतु इनका पारिवारिक सामंजस्य बिगड जाता है और कई बार तो ये पत्नी को भी खो बैठते हैं।

ऐसे योगों में लोकलाज, सामाजिक बंधन और पारिवारिक एवं कुटुंब की मर्यादा को उल्लंघन कर स्त्री परदेशी पिया से संबंध तोड लेती है अत: ऐसे योगों वाले व्यक्तियों को परदेशी व्यवसाय के साथ-साथ दांपत्य संबंधों के प्रति निरंतर सावधान और सजग रहने की आवश्यकता होती है। तृतीय भाव से छोटी, सप्तम से मध्यम दूरी की, नवम और एकादश भावों से लंबी दूरी की यात्राएं निर्धारित की जाती हैं।

परदेसी पिया के इन योगों की रचना महर्षियों ने उस समय की थी जब स्त्रियाँ सामाजिक दायरे में रहकर केवल परिवार की देखभाल का हिस्सा थीं और उन्हें देश, परदेश या विदेश जाकर आजीविका अर्जन की मनाही थी परंतु वर्तमान में स्त्रयाँ, पुरूषोचित्त गुणों और पुरूषोचित सुविधाओं की समान रूप से भोग्या हैं और वे देश, परदेश या विदेश कहीं भी आजीविका, नौकरी कर रही हैं।

आज के प्रजातांत्रिक युग में स्त्रियों को प्रत्येक क्षेत्र में समान अवसर प्राप्त हैं। आज विश्व, देश, राज्य, तहसील ग्राम के सभी शीर्ष पदों पर स्त्रियाँ पदासीन हैं और व्यावसायिक स्तर पर उनकी भागीदारी समान रूप से है अत: अब ये योग पिया और सजनी दोनों पर ही लागू होते हैं और परदेसी पिया के स्थान पर परदेसी सजनी भी कहना समुचित होगा।

किसी व्यक्ति की जन्मपत्रिका का चतुर्थ भाव और चतुर्थेश पीडित हों तो ऐसा व्यक्ति जन्मभूमि का त्यागकर परदेश चला जाता है और वहां जाकर बस जाता है परंतु ऐसे प्रसंगों में यह पाया जाता है कि व्यक्ति स्वयं ही नहीं अपितु उसका परिवार (पत्नी बच्चो आदि) सभी विदेश में जाकर जीवनयापन करने लगते हैं तथापि आरंभिक समय तो वह परदेस में अकेला ही रहता है। परदेस निवास अथवा आजीविका में नवम भाव और नवमेश की अहम् भूमिका रहती है।

यदि किसी व्यक्ति की जन्मकुण्डली में नवम भाव का स्वामी नवम भाव में ही स्थित होकर राहु से युति करे तो ऐसे व्यक्ति के पिता विदेश में ख्याति प्राप्त कर लेते हैं अर्थात् उनका विदेश से योग हो जाता है और व्यक्ति विदेश में स्थापित पिता की प्रतिष्ठा और व्यवसाय को संभालने लगता है, येन-केन-प्रकारेण उसे विदेश से जुडा रहना पडता है तथा ये भी परदेसी पिया बन जाते हैं। यदि द्वादशेश नवम भाव में आ जाएं तो व्यक्ति विदेश मे अपार संपदा का स्वामी हो जाता है अर्थात उसका भाग्य विदेश में फलीभूत होता है। संपदा की प्रभुता में भी व्यक्ति डूबा रहता है और परिजनों की परवाह नहीं करता।

आजकल ऐसी कई स्त्रियाँ भी देखने को मिलेंगी जो विदेश में निवास कर रही हैं और पति को भी वहां ही आकर रहने को विवश कर देती हैं अथवा देश में ही किसी अन्य राज्य में प्लेसमेंट लेकर भी पत्नी या पति विरह का कारण बन जाते हैं। जन्मपत्रिका में जब नवमेश, चतुर्थ भाव में, लग्नेश से युति करे तो भी व्यक्ति परदेस में रहता है और स्वदेश से जुडा रहता है। ऐसे व्यक्ति की पत्नी या पति भी परदेस के विरह की वेदना झेलते हैं, उन्हें उनका विलगाव खलता है। लग्नेश का अष्टम भाव से संबंध बन जाता है तो व्यक्ति समुद्रपार की यात्राएं करता है।

इसी प्रकार जब द्वादशेश लग्न में स्थित हो और षष्ठेश भी लग्न में द्वादशेश से युति करे तथा अष्टमेश भी पीडित हो तो व्यक्ति का विदेश या परदेश में जाकर बंधन योग हो जाता है। ऐसे व्यक्ति विदेश में किसी अपराध में फँसकर वहां कारावास भोगने लगते हैं अथवा वहां गंधर्व विवाह करके बंधन में बंध जाते हैं। जन्मपत्रिका में नवमेश-दशमेश यदि लग्नेश के साथ युति करें तो व्यक्ति परदेस में प्रतिष्ठित होता है। ऐसे व्यक्तियों को कई बार धर्मगुरू के रूप में अन्यत्र पूजित होते देखा जा सकता है अथवा ऐसे व्यक्ति अपनी सम्पत्ति को धर्म या परार्थ में लगाकर प्रतिष्ठा अर्जित कर लेते हैं। योग भी हैं जब व्यक्ति परदेश या विदेश में आता-जाता रहता है :

यदि सूर्य अष्टम भाव में हों तो व्यक्ति एक देश से दूसरे देश में जाता रहता है। चमत्कार चिंतामणि के अनुसार यदि व्यक्ति की लग्न कुण्डली के चतुर्थ भाव में सूर्य हों तो वे विदेश में प्रतिष्ठा अर्जित करते हैं। इसी प्रकार जन्मकुण्डली में केन्द्र-त्रिकोण में चंद्रमा की स्थिति जल तत्व राशियों में हो तो व्यक्ति विदेश में व्यापार या नौकरी करता है परंतु वह अपने देश में भी आता रहता है। ऐसे व्यक्तियों को परदेसी पिया कहने में कोई संकोच नहीं रहता। यदि चंद्रमा से शुक्र 6, 8, 12 भावों में हो तो व्यक्ति विदेश से निरंतर संबंध बनाए रखता है।

सारावली के अनुसार राहु-केतु की जन्मपत्रिका के 7, 8, 9, 12 भावों में स्थिति विदेश यात्राओं के संकेत देती है। वृहत पाराशर होराशास्त्र के अनुसार राहु दशा में बृहस्पति अन्तर्दशा विदेश योग बना देती है और व्यक्ति को विवश होकर परदेश जाना ही पडता है। मानसागरी के अनुसार शुक्र की द्वादश भाव में स्थिति व्यक्ति को अवश्य विदेश या परदेश ले जाती है और यदि ऐसा योग स्त्री की जन्मपत्रिका में हो तो भी वह परदेसी सजनी बनी रहती है। शुक्र, मंगल की नवम भाव में युति व्यक्ति को द्विभार्या योग तथा परदेस निवास देती है।

जब शनि और बृहस्पति जन्मपत्रिका के नवम भाव में युति करते हैं तो व्यक्ति धर्म गुरू या उपदेशक बनकर परदेस या विदेस में प्रतिष्ठा अर्जित करता है ऐसे व्यक्तियों की पत्नी परदेसी पिया की वेदना सहती है। यदि किसी



कुण्डली में बुध चतुर्थ भाव में हों तो वह प्राय: विदेश या परदेश की यात्राएँ करता है परंतु यदि बुध दशम भाव में हों और चंद्रमा द्वादश भाव में हो तो व्यक्ति की निरंतर विदेश यात्राएँ होती रहती हैं।

वह व्यापारिक दृष्टिकोण से विदेश से जुडा रहता है। जन्मपत्रिका में अधिकांश ग्रह चर या द्विस्वभाव राशियों में स्थित हों तो व्यक्ति प्राय: विदेश जाकर बसते हैं। सभी योगों के होने के उपरांत भी व्यक्ति की देश, काल, परिस्थिति पर भी विचार अवश्य करना चाहिए।



राशि अनुसार चुनें पर्स का कलर

आपका पर्स और आपकी राशि

कभी तिजौरी का घर, दुकान आदि में बड़ा महत्व होता था क्योंकि वही एकमात्र धन को संग्रह करने का स्थान था। समय बीता और तिजौरी का स्थान धीरे-धीरे हटने लगा, परिणामस्वरूप आज तिजौरी बहुत कम यदा-कदा ही मिलती है। वास्तु में भी तिजौरी का वर्णन मिलता है।

पिछले कई वर्षों से पर्स का चलन बढ़ने लगा है और पर्स महिलाओं के हाथ में होना एक फैशन का रूप भी बन गया है। पुरुष वर्ग भी पर्स के बिना धन नहीं रखते। तिजौरी और पर्स में कोई विशेष अंतर नहीं रहा।

आपके पर्स का आकार, रंग आपके पर्स में रखे हुए सामान आपके जीवन में होने वाली छोटी से छोटी घटना के सूचक होते हैं। आइए जानते है इसके लाभ और हानि।

- मेष, सिंह और धनु राशि वाले अपना पर्स लाल या नारंगी रंग का रखें तो लाभ होगा।
- वृषभ, कन्या और मकर राशि वालों को भूरे रंग का पर्स तथा मटमैले रंग का पर्स बहुत फायदा पहुंचाएगा।
- मिथुन, तुला और कुंभ राशि वाले यदि नीले रंग व सफेद रंग का प्रयोग करते हैं तो मानसिक स्थिति के साथ-साथ धन के आगमन के रास्ते भी खुलेंगे।
- कर्क, वृश्चिक और मीन राशि को तो हमेशा हरा रंग और सफेद रंग का प्रयोग अपने पर्स में करना लाभदायक रहेगा।

धन प्राप्ति जब पाना हो, यह उपाय आजमाए...



अपार धन की प्राप्ति हर मनुष्य की चाहत होती है। लेकिन यह धन आपको सिर्फ चाहने भर से नहीं मिलने वाला। उसके लिए आपको मां लक्ष्मी को प्रसन्न करना बहुत जरूरी है।

आइए कुछ आसान टिप्स अपना कर पाएं मां लक्ष्मी की कृपा प्राप्ति और हो जाए धन-दौलत से समृद्ध...

- लाल धागे में सातमुखी रुद्राक्ष गले में धारण करने से धन की प्राप्ति होती है।
- सवा पांच किलो आटा एवं सवा किलो गुड़ लें। दोनों का मिश्रण कर रोटियां बना लें। गुरुवार के दिन सायंकाल गाय को खिलाएं। तीन गुरुवार तक यह कार्य करने से दरिद्रता समाप्त होती है।
- ॐ श्री ह्रीं श्रीं कमले कमलालये प्रसीद श्रीं ह्रीं श्रीं ॐ महालक्ष्मयै नम:। इस मंत्र की कमलगट्टे की माला से प्रतिदिन जप करने से ऋणमुक्ति होती है।
- मां लक्ष्मी की प्रतिमा के सामने 11 दिनों तक अखंड ज्योत (तेल का दीपक) प्रज्ज्वलित करें। 11वें दिन 11 कन्या को भोजन कराकर एक सिक्का व मेहंदी दें।

वास्तुदोष से बचने के कुछ खास उपाय

वास्तुदोष से बचाएंगे ये उपाय...

अगर आप स्थानाभाव की वजह से रसोईघर को स्टोर अथवा भंडारण कक्ष के रूप में इस्तेमाल की योजना बना रहे हैं, तो ध्यान रखें ईशान व आग्नेय कोण के मध्य पूर्वी दीवार के पास के स्थान का उपयोग करें। चूल्हा या गैस आग्नेय कोण में ही रखें।

- वास्तुदोष से बचने के लिए ध्यान रखें कि दरवाजे व खिड़कियों की संख्या विषम न होने पाएं। इनकी संख्या सम यानी 2, 4, 6, 8 आदि रखें।
- घर में आंगन मध्य में ऊंचा तथा चारों ओर से नीचा होना चाहिए। यदि आपका आंगन वास्तु के अनुरूप न हो, तो उसे फौरन बताए गए तरीके से पूर्ण करवा लें। ध्यान रखें आंगन मध्य में नीचा व चारों ओर ऊंचा भूलकर भी न रखें।
- कोई भूखंड उत्तर से दक्षिण दिशा की ओर विस्तृत हो तथा भवन का निर्माण उत्तरी भाग में हुआ हो तथा भूखंड का दक्षिणी भाग खाली पड़ा हो तो वास्तु में यह स्थिति अत्यंत दोषपूर्ण होती है।
- इस दोषपूर्ण स्थिति के चलते भूस्वामी को कष्टों तथा परेशानियों को झेलना पड़ता है। भूस्वामी को व्यापार में तथा कारोबार में हानि होती है। परिवार में तनाव का माहौल बना रहता है।
- इस स्थिति में वास्तु दोष से बचने के लिए भवन के दक्षिण-पश्चिम कोण यानी नैऋत्य कोण में एक आउट हाउस को मुख्य भवन से ऊंचा बनवाएं और उसके फर्श को भी भवन के फर्श से ऊंचा रखें। आउट हाउस के दक्षिण या पश्चिम दिशा में कोई भी द्वार न रखें।
- कभी-कभी ऐसा भी होता है कि मुख्य द्वार के ठीक सामने अंदर कोई दीवार हो। पर फिर भी उस पर आईना न लगाएं और दीवार पर ऊपर से नीचे तक गहराई का आभास देने वाला कोई प्राकृतिक दृश्य चित्र लगाएं। यह जंगल में दूर-दूर तक दिखाई देने वाली सड़क का चित्र भी हो सकता है।
- मुख्य द्वार के सामने अंदर की तरफ आईना लगाना गलत है। ऐसा करने पर घर के अंदर प्रवेश करने वाली ऊर्जा परावर्तित होकर द्वार से बाहर निकल जाती है।



हर बाधा दूर करते हैं श्रीगणेश

प्रथम पूज्य श्रीगणेश का महत्व



प्राचीन समय में हल्दी को गणेश जी की मूर्ति के रूप में पूजा जाता था। हल्दी को मंगलकारी, धन व ज्ञान का प्रतीक माना जाता था। जिस देवता की स्तुति इन शब्दों से की जाती हो, ऐसे पूजनीय रिद्धि-सिद्धि के स्वामी विघ्नहर्ता के जप में हर शुभ मांगलिक कार्य व पूजन में सर्वप्रथम पूजे जाने वाले भालचंद्र यानी श्रीगणेश जी वैवाहिक कार्यों में भी सर्वप्रथम न सिर्फ पूजनीय हैं, अपितु वैवाहिक निमंत्रणों में निमंत्रित किए जाने वाले प्रथम अतिथि भी हैं।

समस्त मांगलिक कार्यों में प्रथम पूजनीय होने व हर विघ्न और कष्ट को दूर करने की उनकी महत्ता के कारण ही मंगलमूर्ति भी कहे जाते हैं।

यह माना जाता है कि श्रीगणेश जी समस्त दिशाओं में उपस्थित हैं एवं उनके पूजन के साथ शुरू किया गया कोई भी कार्य निर्विघ्न रूप से पूर्ण होता है। अत: सबसे पहले उनकी स्तुति व पूजन कर कार्य शुरू किए जाते हैं। चाहे वैवाहिक कार्यक्रम हो अथवा गृह प्रवेश सभी में श्रीगणेश जी को याद किया जाता है।

यहां तक कि वैवाहिक व अन्य मांगलिक कार्यों के विभिन्न चित्र सर्वप्रथम अंकित किए जाते हैं अथवा उनकी स्तुति से निमंत्रण-पत्र का आरंभ होता है।

हमारे समाज में प्राचीन समय से यह मान्यता रही है कि श्रीगणेश जी के पूजन से शुरू किए गए कार्य में कभी कोई बाधा नहीं आती और कार्य निर्विघ्न रूप से संपन्न होता है। श्रीगणेश को समस्त गणों का अधिपति माना जाता है और इसी वजह से वे गणपति के नाम से भी जाने जाते हैं।

गणेश जी के मांगलिक कार्यों में प्रथम पूजन को लेकर यह कथा प्रचलित है कि एक बार समस्त देवी-देवताओं को पृथ्वी का चक्कर लगाने को कहा गया, किंतु श्रीगणेश जी अपने भारी शरीर व छोटे से वाहन मूषक के कारण दुविधा में थे कि वे चक्कर कैसे पूर्ण करें। उन्होंने अपनी बुद्धि का उपयोग करते हुए माता-पिता पार्वती व शिवजी की परिक्रमा कर ली और सभी के पूछने पर कारण बताया कि माता-पिता तो समस्त संसार के तुल्य हैं।

वे ब्रह्मा के सहायक हैं, अत: उनकी पूजा का विशेष महत्व है। प्राचीन समय में हल्दी को गणेश जी को मूर्ति स्वरूप पूजा जाता था। गणेश जी की उपस्थिति ओंमकार में मानी जाती है।

ऐसा माना जाता है कि गणेश जी के शुभागमन के साथ सारी बाधाएं खुद-ब-खुद खत्म हो जाती हैं। श्रीगणेश जी सभी का कल्याण करने वाले माने जाते हैं।

इस कारण से बदलता है तिल और मस्से का आकार



ड्राय स्किन हो, ऑयली स्किन, सेंसेटिव स्किन या नार्मल स्किन हो। त्वचा के रंग या त्वचा पर पाए जाने वाले तिल का आकार या रंग बदलने लगे तो यह स्किन कैंसर के लक्षण हैं। अगर आपके शरीर पर मौजूद तिल अथवा मस्सों का आकार बदल रहा है, तो लापरवाही भारी पड़ सकती है। ऐसे में तुरंत डॉक्टर से परामर्श करें, क्योंकि यह मेलानोमा कैंसर भी हो सकता है। मेलानोमा एक किस्म का स्किन कैंसर होता है। त्वचा के रंग का निर्माण करने वाले मेलेनोसाइट्स में यह रोग होता है।

क्या हैं कारण

इस रोग का पहला कारण है सूरज की तेज किरणें। ज्यादा देर तक सूरज की रोशनी में रहने पर त्वचा की कोशिकाओं को नुकसान होता है। इसके अलावा संक्रमण से भी यह रोग फैलता है। अगर घर में किसी एक को हो जाए, तो दूसरे में भी यह रोग होने की संभावना बढ़ जाती है। त्वचा के अन्य कैंसर के मुकाबले यह ज्यादा गंभीर होता है। धीरे-धीरे यह कैंसर शरीर के अन्य अंगो को प्रभावित करने लगता है। यहां तक कि इस रोग के चलते हड्डियों को भी नुकसान पहुंचना शुरू हो जाता है।

लक्षण कहते हैं

तिल और मस्सों से इस रोग की शुरुआत होती है। सबसे पहले इनके आकार में बदलाव होना शुरू हो जाता है। इसके अलावा त्वचा पर अलग-अलग आकार के दाग-धब्बे बनने लगते हैं। जैसे-जैसे ये दाग पुराने होते हैं, उनमें खुजली होने लगती है। अगर तुरंत इसका इलाज नहीं कराया गया, तो दाग के चारों तरफ काले निशान बनने लगते हैं। खुजलाने पर खून निकलने लगता है। धीरे-धीरे दाग पूरी त्वचा पर फैलने लगते हैं। इनका रंग भी त्वचा के रंग से गहरा या काला होता जाता है। कई बार ये दाग-धब्बे सफेद, गुलाबी, लाल और नीले रंग के भी होते हैं।

दूर करें नाखूनों का पीलापन...



महिलाएं अपने नाखूनों को संवारना पसंद करती हैं। वे इनको ब्राइट और कलरफुल नेल पेंट्स से सजाती हैं लेकिन ये नेल पेंट नाखूनों को नुकसान पहुंचाते हैं जिसकी वजह से नाखून पीले पड़ जाते हैं। ऐसे नाखून देखने में तो खराब लगते ही है साथ ही लुक को खराब कर देते है। इन को छिपाने के लिए फिर नेल पेंट लगाना पड़ता है, लेकिन अब आपको इनको छिपाने की जरूरत नहीं। नींबू आसानी से नाखूनों के पीलेपन को कम कर सकता है। अपने नाखूनों को नींबू के रस में 10-15 मिनट तक डुबोएं और फिर एक मुलायम टूथब्रश से पीले हिस्सों को रगड़ें। इसे तब तक करें जब तक पीलापन दूर न हो जाए। एक बड़ा चम्मच बेकिंग सोडा, आधा चम्मच ऑलिव ऑयल और आधा चम्मच नींबू का रस मिलाकर पेस्ट बनाएं और इसे अपने पीले नाखूनों पर लगाएं। फिर किसी ब्रश से स्क्रब करें और गुनगुने पानी से धो लें। अपने नाखूनों पर थोड़ा सा टूथपेस्ट लगाएं और 10 मिनट के लिए छोड़ दें। एक नेल ब्रश की मदद से स्क्रब करें और कॉटन बॉल को गुनगुने पानी में डुबोकर साफ कर लें। नाखूनों को दिन में 2-3 बार संतरे के छिलके से रगड़े और आपको कुछ ही दिनों में फर्क दिखने लगेगा।

चावल के पानी से पाएं ब्यूटी...



क्या आपने चावल के पानी से होने वाले ब्यूटी फायदों के बारे में सुना है। अगर नहीं तो आज हम आपको बता रहे कि आप कैसे चावल की मदद से अपने बालों को खूबसूरत और स्किन को ग्लोइंग बना सकती हैं। अगर आपके बाल हेयर स्ट्रेटनर और कैमिकल्स के ज्यादा इस्तेमाल से खराब हो चुके है तो शैम्पू करने के बाद चावल के पानी से हल्के हाथों से स्कैल्प का मसाज करें। फिर 5 मिनट के बाद इन्हें पानी से धो लें। जब आप अपने बालों को स्ट्रेट करवाती है तो इससे वे काफी कमजोर हो जाते है। ऐसे में बालों की चावल के पानी से मसाज करें। चावल का पानी बालों में चमक लाने का काम करता है। चावल के पानी में रोजमैरी, लैवेंडर या टी ट्री ऑयल्स मिलाएं और इस्तेमाल करें। चावल का पानी न सिर्फ एक कमाल का कंडीशनर है बल्कि शैम्पू का काम भी करता है। इसमें पिसा हुआ आंवला या शिकाकाई मिलाकर बालों को धोएं। इससे बाल खूबसूरत होंगे। चावल के पानी को कॉटन बॉल्स की मदद से पूरे चेहरे और गर्दन पर सर्कुलर मोशन में लगाएं। इसके बाद अपने चेहरे को इसी चावल के पानी से धो लें। चावल के पानी में मौजूद विटामिन और मिनरल्स स्किन के लिए काफी फायदेमंद होते हैं। यह स्किन को ग्लोइंग बनाने का काम भी करता है।

आईलाइनर एक ऐसा जादू है जो आपके लुक को बदल कर आपको ज्यादा कान्फीडेंट बना देता है। आईलाइनर की एक छोटी सी लाइन आपके मेकअप के अंदाज को ही बदल देती है। इसे लगाने के भी बहुत सारे स्टाइलिश तरीके हैं जो आपकी आंखों को खूबसूरत और अट्रैक्टिव बनाते हैं।



छोटी सी लाइन का जादू...

आंखों पर लोगों का ध्यान सबसे पहले जाता है। हर महिला अपनी आंखों को आकर्षक और मोहक बनाना चाहती है, ताकि वह सभी का ध्यान अपनी ओर खींच सके। संभवतः आई लाइनर महिलाओं का सबसे पसंदीदा मेकअप प्रोडक्ट होता है। आंखों में काजल तो हर महिला लगाती है लेकिन काजल के साथ अगर आईलाइनर से आंखों को टचअप दे दिया जाए तो चेहरे का लुक पूरी तरह से बदल जाता है। आंखों पर आईलाइनर लगाना एक कला है। यदि आप इसे ठीक से नहीं लगाती हैं तो यह आपके लुक को संवारने के बजाय उल्टा खराब कर देता है। इसके पीछे का कारण यह है कि अधिकतर को यह नहीं पता होता है कि आंखों में लाइनर, आंखों के आकार और अपने व्यक्तित्व के अनुरूप लगाना चाहिए। आई लाइनर को लगाने के लिए बेशक स्किल की जरूरत पड़ती है। आप इसे कई तरह से लगा सकते हैं। ऑफिस में आपको तैयार होकर जाना पड़ता है, लेकिन ऑफिस के लिए आपको इस तरह की तैयारी करनी होती है जिससे आपको फॉर्मल लुक मिले। ऐसे में आईलाइनर का सिंगल स्ट्रोक अच्छा विकल्प है। यह हमेशा से ही ट्रेंड में है और रहेगा। यदि आपकी आंखे बड़ी हैं तो थोड़ा पतला लाइनर लगाएं वही यदि आपकी आंखे छोटी हैं लाइनर को थोड़ा मोटा लगाएं और किनारों तक फैलाएं।

सिंगल स्ट्रोक



सिंगल स्ट्रोक एक ऐसा लुक है जो हमेशा ट्रेंड में रहता है। ऑफिस में सिंगल स्ट्रोक ही फॉर्मल लुक देता है। आपको शॉपिंग पर जाना हो, तो यह आपके लिए परफैक्ट च्वॉइस है। इसके लिए आप काजल का भी इस्तेमाल कर सकती हैं। छोटी आंखों के लिए लाइनर को थोड़ा मोटा लगाएं और किनारों तक फैलाएं।

डबल लाइनर



महिलाएं डबल लाइनर को ट्राई करने में थोड़ी झिझक महसूस करती हैं, लेकिन नाइट फंक्शंस के लिए यह लुक एकदम परफैक्ट है। इसमें दो लाइनें आंखों के किनारे से होकर गुजरती हैं। एक ऊपर की पलकों से और दूसरी नीचे की कोल लाइन से। ग्लैमर एड करने के लिए ऊपरी पलक पर इसे थोड़ा पंख जैसा आकार दें।

कलर्ड आईलाइनर



आजकल अलग-अलग कलर्स के आईलाइनर भी काफी इन हैं। इन्हें आप अपनी ड्रेस के साथ मैच करके लगा सकती हैं। इससे आपकी आंखें तो आकर्षक लगेंगी ही, साथ ही आपका लुक भी मॉर्डन दिखेगा।

इंकी ब्लैक आईलाइनर



ब्लैक आईलाइनर के साथ आंखें बेहद खूबसूरत दिखती हैं इसके फैलने का भी डर नहीं रहता। स्कैच की तरह लगने वाला यह लाइनर बड़ी आसानी से लग जाता है।

व्हाइट आईलाइनर



व्हाइट आईलाइनर कूलेस्ट आइवेयर ट्रेंड है। व्हाइट आईलाइनर ड्रॉमैटिक लुक देता है अगर इसे ठीक से अप्लाई किया जाए। व्हाइट आइलाइनर डल और थकी आंखों में भी चमक ला देता है। जैसे आप ब्लैक आईलाइनर का इस्तेमाल करती हैं, वैसे ही व्हाइट लाइनर लगाएं। थोड़ा ग्लैमर एड करना चाहें तो आई कॉर्नर को हल्का ब्लैक टच भी दे सकती हैं।

विंग इट

अगर आप बिल्ली जैसी आंख यानी कैटी आई पाना चाहती हैं तो विंग इट का इस्तेमाल करें। आप इससे बोल्ड भी दिखेंगी और आपका नारीत्व भी खुलकर सामने आएगा। यह ट्रिक बेहद आसान है। ऊपर की पलक पर नीचे की पलक की तुलना में मोटी लाइन बनाएं। इसके बाद आंख के बाहरी कार्नर से लाइन को बाहर की ओर निकाल दें। आपका शानदार लुक तैयार है।



स्मजिंग का प्रचलन

लाइनर को लगाने के बाद उसको स्मजिंग करना काफी प्रचलन में है। यह आपकी आंखों को काफी ग्लैमरस बना देता है। दोनों पलकों पर सामान्य रूप से लाइनर लगाएं। अब इसे थोड़ा स्मजिंग करके मुलायम बनाएं। खासकर निचली पलक और ऊपरी पलके के किनारे को। प्राकृतिक और प्रभावशाली लुक देने के लिए डार्कर शैडो लगाएं और इसे स्मज किए हुए लाइनर के साथ अच्छे से मिला लें।

360 डिग्री

आईलाइनर लगाने का 360 डिग्री एक सामान्य और चर्चित तरीका है। आपको बस अपनी आंख के चारों ओर बराबर और एक जैसा आइलाइनर लगाना होगा। आपका शानदार लुक तैयार हो जाएगा। कैजुअल मेकअप और नाइट गैदरिंग में आप इसका इस्तेमाल कर सकती हैं।

केक लाइनर



1930 और 40 के दशक में केल लाइनर काफी लोकप्रिय हुआ था। एक बार फिर यह चलन में लौट रहा है। केक लाइनर से आपके चेहरे का लुक काफी बोल्ड और प्रभावी दिखेगा। और तो और इसके लिए किसी विशेष कौशल की भी जरूरत नहीं होती है। बस इतना ध्यान रखें कि आप इसे सिर्फ और सिर्फ आई लाइनर ब्रश से ही लगाएं।

आंखों को कलर करना

हर तरह के ट्रेंड में कलर देखने को मिल रहा है। फिर चाहे यह कपड़ा हो या मेकअप। काले रंग के ऊपर कलर आइ लाइनर लगाना इस समय काफी प्रचलन में है। अपने पहनावे को और ज्यादा आकर्षक बनाने के लिए अपने ब्लॉउज या टाप के रंग के आई लाइनर का इस्तेमाल करें।

लाइनर के साथ ग्लिटर

फैस्टिव सीजन के लिए ग्लिटर आईलाइनर एक बेहतरीन स्टाइल है। दरहसल ग्लिटरी आई मेकअप ग्लैमर के साथ साथ चमक भी बिखेरता है। यह लगाना कोई मुश्किल काम नहीं है। आपको केवल इतना करना है की आईलाइनर लगाकर उस पर एक लाइन ग्लिटर की एड करनी है।

छोटी आंखों के लिए

यदि आप बिंदास, सुंदर और आधुनिक भारतीय महिला है। इसके अतिरिक्त आप जैसी भी हैं उसमें आप खुश हैं। तो आपका आईलाइनर के प्रति भी आपका नजरिया बोल्ड होना चाहिए। छोटी आंखों पर किनारे तक लिया गया लाइनर बहुत जंचता है। इसके लिए आंखों के किनारे से थोड़ी और ज्यादा लंबी लाइन बनाएं।

स्लिम लुक के लिए ऐसे चुनें कुर्ती...



महिलाएं अक्सर अपने आऊटफिट खरीदते वक्त उसके कलर और डिजाइन्स को देखती हैं। इसी गलती के कारण वे गलत आऊटफिट का चुनाव कर लेती हैं और जो उन पर बिल्कुल सुट नहीं करता। अगर आप भी अपनी कोई कुर्ती खरीदते समय ऐसा करती है तो हम आपको कुछ ऐसी बातें बताएंगे, जिससे आप सही कुर्ती भी खरीद सकेंगी और स्लिम भी दिखेंगी।

साइज का ख्याल

किसी भी आऊटफिट को खरीदते समय साइज का ध्यान जरूर रखें। पहले अपना साइज देख लें और अपनी फिटिंग के हिसाब से कुर्ती खरीदें। कोशिश करें कि अपनी साइज से एक इंच लंबी कुर्ती ही लें।

चिपकने वाले फैब्रिक्स

कभी भी ऐसे फैब्रिक्स न खरीदें जो आपकी बॉडी से चिपक जाए, क्योंकि यह मटीरियल आपको मोटा दिखाने के साथ-साथ आपके सारे कर्व्स भी उभारेगा।

बॉटम चुनें

अगर आप कुर्ती को स्टाइलिश लुक देना चाहती हैं तो इसे पलाजो और पटियाला जैसे अलग-अलग बॉटम वेयर के साथ पहनें। अगर आपकी हाइट छोटी है तो इसे लेगिंग के साथ कैरी करें।

स्ट्रेट कट

अनारकली, ए-लाइन और फ्लेयर-कटस वाली कुर्ती में आप कभी भी स्लिम नहीं दिखेंगी। अगर आप स्ट्रेट कट वाली कुर्ती पहनेंगी तो आप स्लिम दिख सकती हैं और हाई नैक या ज्यादा कढ़ाही वाली कुर्ती तो बिल्कुल न पहने।

हैवी फैब्रिक

स्टार्च्ड कॉटन, ज्यादा कढ़ाही वाले कपड़े आपकी बॉडी को भारी और बड़ा दिखाते हैं। इसलिए सिंपल, लाइट और कम चमकीली कुर्ती का चुनाव करें।

स्लीव्स पर दें ध्यान

फुल स्लीव्स आपको मोटा दिखाती हैं, इसलिए शॉर्ट स्लीव्स ही पहनें ताकि आप स्लिम लगें। अगर आपको फुल स्लीव्स का शौक है तो आप 5 इंच की स्लीव पहन सकती हैं।

इनरवेयर

इनरवेयर की सही फिटिंग होगी तो ही कुर्ती की फीटिंग अच्छी होगी। हमेशा कुर्ती के अंदर एक अच्छी टी-शर्ट ब्रा और लो-कट लेस ब्रा ही पहनें। इससे फीटिंग परफेक्ट आएगी।

जापानियों की तरह बनाएं खाना...

पतले होने के लिए लोग क्या-क्या नहीं करते। जिम, योग और स्लीमिंग कैप्सूल आम बात हो गई है। जंक फूड़ खाकर बच्चों के साथ अब तो बड़े भी मोटापे का शिकार हो रहे हैं। ऐसे में जरूरी है कि ऐसा खाना बनाया और खाया जाए जो स्वास्थ्य के लिए अच्छा हो। इसके लिए हम जापानी तरीके अपना सकते हैं। ये लोग अपना भोजन इस तरह पकाते हैं कि इनका प्राकृतिक स्वाद और रंग नहीं बदलता। वहां के रेस्तराओं में भी खाने को इस तरह पकाया जाता है कि सब्जियां देखने में बिल्कुल ताजी दिखती हैं। हम स्वस्थ भोजन के मामले में जापानी लोगों से बहुत कुछ सीख सकते हैं। उनके यहां खाना पकाने का अंदाज भी निराला है।



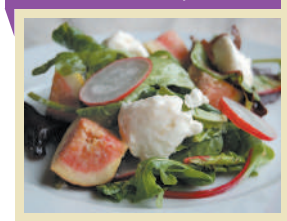
नाम मात्र का तेल

जापान में पालक, चावल, भाप में पकी हुई मछली, हर चीज को बेहद प्राकृतिक तरीके से पकाया जाता है। आचार को सिरका और नमक से बनाया जाता है। खाने में तेल नाम मात्र का प्रयोग किया जाता है। भारत में नाश्ते और लंच के बाद चाय-कॉफी का ज्यादा इस्तेमाल होता है। वहीं जापानी महिलाएं सुबह का नाश्ता करने के बाद चाय-कॉफी जैसी चीजें नहीं लेतीं। काम करने के दौरान भी वे इन चीजों से परहेज रखती हैं। जहां तक खाने की बात है तो खाना कई हिस्सों में थोड़ा-थोड़ा खाया जाता है। एक साथ एक बार में पेट भर खाने की बजाय पूरे दिन थोड़ा-थोड़ा खाना बेहतर होता है। इसमें भूख भी शांत रहती है। नतीजतन हम फालतू चीजें नहीं खाते। ऐसे खाने में शरीर की पाचन क्रिया पूरे दिन सक्रिय रहती है। इससे हम स्वस्थ व पतले रहते हैं।

पानी की ज्यादा मात्रा

जापान के हर घर में जो खाना बनता है उसमें पानी की मात्रा ज्यादा होती है। चाहे वह हरी सब्जियां हों, मछली हो, या फिर नूडल्स। यही इन्हें स्वस्थ रखने में मदद करता है। खाने में सूप और सब्जियां खाना पचाने में मदद करते हैं और पाचन क्रिया भी सही रहती है। पानी की अधिक मात्रा से खाना जल्दी पकता है। खाना भी हेल्दी रहता है। क्योंकि पानी की ज्यादा मात्रा हमें ओवरइटिंग से बचाती है।

डेयरी उत्पाद कम



जहां तक डेयरी उत्पाद की बात है तो जापान में इसकी खपत काफी कम है। ज्यादा डेयरी उत्पाद वजन बढ़ाते हैं। मगर इसकी जगह वहां हरी सब्जियों और मछली का इस्तेमाल किया जाता है, जो उनके खाने में कैल्शियम की भरपाई कर देते हैं। ज्यादातर देशों यहां तक कि भारत में खाने में अत्याधिक तेल का इस्तेमाल किया जाता है। मगर जापानी भोजन में तेल का इस्तेमाल बेहद कम मात्रा में किया जाता है जिससे लोग मोटापे का शिकार होने से बचते हैं। खाने में अधिक तेल मोटापा और दिल की बीमारियां पैदा करता है।

मीठे का कम इस्तेमाल

खाने के बाद मीठा खाना हर भारतीय को पसंद है। मगर जापान में मीठे व्यंजन भी बेहद कम खाए जाते हैं। इसलिए यह ज्यादा हानिकारक नहीं होता। वहां ज्यादातर मीठे का बहुत ही कम मात्रा का पैकेट बनाया जाता है, जो फायदेमंद होता है। इस तरह हम जान सकते हैं कि सुपाच्य और स्वस्थ भोजन का मतलब क्या है?

'मैक्सिमम प्यार, मैक्सिमम त्योहार'

भारत की प्रमुख किचन एवं होम अप्लायंसेज कंपनियों में शामिल स्टोवक्राफ्ट लिमिटेड ने अपने लोकप्रिय ब्रांड पिजन के तहत 'मैक्सिमम प्यार, मैक्सिमम त्योहार' नाम से विशेष त्योहारी अभियान लॉन्च किया है। यह अभियान भारतीय त्योहारों के दौरान भोजन, परिवार और प्रेम के अटूट रिश्ते को दर्शाता है।

अभियान के माध्यम से कंपनी ने बताया कि आधुनिक तकनीक से युक्त रसोई उपकरण खाना बनाने, मेहमानों की मेजबानी करने और परिवार के साथ भोजन का आनंद लेने को अधिक आसान और सुविधाजनक बना सकते हैं। पिजन का उद्देश्य आकर्षक डिजाइन और उपयोगी तकनीक के माध्यम से रोजमर्रा के भोजन से लेकर विशेष त्योहारी पकवानों तक खाना बनाने के अनुभव को बेहतर बनाना है। स्टोवक्राफ्ट लिमिटेड के प्रबंध निदेशक एवं संस्थापक राजेंद्र जे. गांधी ने कहा कि भारतीय परिवारों में त्योहार परंपराओं, स्वादिष्ट भोजन और आपसी प्रेम का प्रतीक हैं। 'मैक्सिमम प्यार, मैक्सिमम त्योहार' अभियान के जरिए कंपनी इसी खूबसूरत भावना को लोगों तक पहुंचाना चाहती है।

अभियान के तहत कंपनी ने अपने कई उत्पादों को प्रदर्शित किया है, जिनमें पल्स पोर्टेबल ब्लेंडर, सेरास्टील कुकवेयर रेंज, आईवीओ सी-थ्रू एयर फ्रायर, इनॉक्स प्रेशर कुकर, इन्फ्रारेड एवं इंडक्शन कुकटॉप, बीएलडीसी चिमनी और हाल ही में लॉन्च किया गया पिजन एयर प्यूरीफायर शामिल हैं।

कंपनी के विपणन प्रमुख अमिताभ भाटिया ने कहा कि अभियान की परिकल्पना त्योहारों के दौरान घर के स्वादिष्ट पकवानों का आनंद लेने और जरूरत से थोड़ा अधिक खा लेने के बाद होने वाले हल्के अपराधबोध जैसे आम अनुभवों को ध्यान में रखकर की गई है। उन्होंने कहा कि पिजन के आधुनिक और सुविधाजनक उत्पाद त्योहारों में अधिक मात्रा में पकवान तैयार करने को भी आसान बनाते हैं।

संपादकीय

क्या संसद 'अवैध' है?

राजधानी दिल्ली के 'रामलीला मैदान' में विपक्ष के 21 दलों की साझा 'वोट चोरी' रैली सफल रही अथवा नहीं रही, हम इस पचड़े में फंसना नहीं चाहते, लेकिन देश भर में एक संदेश देने में विपक्ष जरूर सफल रहा है। यह संदेश है कि मुख्य चुनाव आयुक्त (सीईसी) ज्ञानेश कुमार गुप्ता के खिलाफ 'देशद्रोह' का केस चलाया जाएगा और उन्हें जेल में भेजा जाएगा। यह तभी संभव होगा, जब ज्ञानेश अपने संवैधानिक पद से इस्तीफा दे दें अथवा संसद में उनके खिलाफ 'महाभियोग' प्रस्ताव पारित हो जाए। फिलहाल दोनों ही स्थितियां संभव नहीं लगतीं। नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने साफ कहा है कि हम प्रधानमंत्री मोदी और गृहमंत्री अमित शाह को कहीं जाने नहीं देंगे, क्योंकि वे 'वोट चोरी' की आपराधिक साजिश में संलिप्त रहे हैं। उन पर कानूनी कार्रवाई की जाएगी। यह भी तभी संभव होगा, जब केंद्र में विपक्ष के 'इंडी' गठबंधन की सरकार होगी और राहुल गांधी प्रधानमंत्री होंगे। सर्वोच्च अदालत भी कानूनी कार्रवाई पर फैसला दे चुकी होगी! फिलहाल इसके भी आसार नहीं हैं, बेशक विपक्ष कितनी भी हुंकारें भरता रहे। नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी और कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के ये कथन सवालिया और गलत हैं कि 2024 का लोकसभा चुनाव 'अवैध' था। मतदाता सूचियों से 13 .5 करोड़ नाम काट दिए गए। करीब 15 फीसदी मतदाताओं के नाम काट दिए गए। हर 7 में से 1 मतदाता का नाम हटा दिया गया, जबकि जीत-हार का अंतर मात्र 3 फीसदी था। राहुल गांधी ने यह गलत बोला है, क्योंकि लोकसभा चुनाव में कांग्रेस को 19-20 फीसदी वोट मिले थे, जबकि भाजपा को 38 फीसदी से अधिक मतदाताओं का समर्थन मिला था। कांग्रेस के 99 सांसदों और अकेली भाजपा के 240 सांसदों की संख्या के बीच बहुत बड़ा फासला है। यदि 2024 का संसदीय चुनाव 'अवैध' था, तो सिर्फ प्रधानमंत्री, गृहमंत्री और भाजपा सांसदों के ही चुनाव 'अवैध' नहीं थे, बल्कि नेता प्रतिपक्ष और कांग्रेस सांसदों के निर्वाचन भी 'अवैध' हैं। लोकसभा के समूचे 543 सांसदों के चुनाव भी 'अवैध' हैं। क्या भारत जैसे लोकतंत्र और संवैधानिक देश में 'अवैध संसद' काम कर सकती है? क्या नेता प्रतिपक्ष का यह कथन देश के मतदाताओं, जनादेश, लोकतंत्र और संविधान का मजाक नहीं उड़ा रहा है? दरअसल यह खास किस्म की उत्तेजना, तैश, आवेश और कुंठा में बोला गया कथन है। चुनाव आयोग ने 28 अक्तूबर, 2025 को 'विशेष गहन पुनरीक्षण' (एसआईआर) का अभियान बिहार से शुरू किया था, तो मई-जून, 2024 के लोकसभा चुनाव में किसने और कैसे 'वोट चोरी' की? एसआईआर कर्नाटक, तेलंगाना, केरल में भी किया गया है, जहां कांग्रेस की सरकारें हैं। यदि उनमें से 2 लाख मतदाता भी विपक्ष की रैली के साथ जुड़ते, तो एक असामान्य भीड़ सडक़ों पर बिछ सकती थी! किसी भी सरकार के लिए वह स्थिति चुनौतीपूर्ण होती, लेकिन ऐसी चुनौती देश के किसी भी कोने से दिखाई नहीं दी है।

नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने साफ कहा है कि हम प्रधानमंत्री मोदी और गृहमंत्री अमित शाह को कहीं जाने नहीं देंगे, क्योंकि वे 'वोट चोरी' की आपराधिक साजिश में संलिप्त रहे हैं। उन पर कानूनी कार्रवाई की जाएगी। यह भी तभी संभव होगा, जब केंद्र में विपक्ष के 'इंडी' गठबंधन की सरकार होगी और राहुल गांधी प्रधानमंत्री होंगे। सर्वोच्च अदालत भी कानूनी कार्रवाई पर फैसला दे चुकी होगी! फिलहाल इसके भी आसार नहीं हैं, बेशक विपक्ष कितनी भी हुंकारें भरता रहे। नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी और कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के ये कथन सवालिया और गलत हैं कि 2024 का लोकसभा चुनाव 'अवैध' था। मतदाता सूचियों से 13 .5 करोड़ नाम काट दिए गए। करीब 15 फीसदी मतदाताओं के नाम काट दिए गए। हर 7 में से 1 मतदाता का नाम हटा दिया गया, जबकि जीत-हार का अंतर मात्र 3 फीसदी था। राहुल गांधी ने यह गलत बोला है, क्योंकि लोकसभा चुनाव में कांग्रेस को 19-20 फीसदी वोट मिले थे, जबकि भाजपा को 38 फीसदी से अधिक मतदाताओं का समर्थन मिला था। कांग्रेस के 99 सांसदों और अकेली भाजपा के 240 सांसदों की संख्या के बीच बहुत बड़ा फासला है। यदि 2024 का संसदीय चुनाव 'अवैध' था, तो सिर्फ प्रधानमंत्री, गृहमंत्री और भाजपा सांसदों के ही चुनाव 'अवैध' नहीं थे, बल्कि नेता प्रतिपक्ष और कांग्रेस सांसदों के निर्वाचन भी 'अवैध' हैं। लोकसभा के समूचे 543 सांसदों के चुनाव भी 'अवैध' हैं। क्या भारत जैसे लोकतंत्र और संवैधानिक देश में 'अवैध संसद' काम कर सकती है? क्या नेता प्रतिपक्ष का यह कथन देश के मतदाताओं, जनादेश, लोकतंत्र और संविधान का मजाक नहीं उड़ा रहा है? दरअसल यह खास किस्म की उत्तेजना, तैश, आवेश और कुंठा में बोला गया कथन है। चुनाव आयोग ने 28 अक्तूबर, 2025 को 'विशेष गहन पुनरीक्षण' (एसआईआर) का अभियान बिहार से शुरू किया था, तो मई-जून, 2024 के लोकसभा चुनाव में किसने और कैसे 'वोट चोरी' की? एसआईआर कर्नाटक, तेलंगाना, केरल में भी किया गया है, जहां कांग्रेस की सरकारें हैं। यदि उनमें से 2 लाख मतदाता भी विपक्ष की रैली के साथ जुड़ते, तो एक असामान्य भीड़ सडक़ों पर बिछ सकती थी! किसी भी सरकार के लिए वह स्थिति चुनौतीपूर्ण होती, लेकिन ऐसी चुनौती देश के किसी भी कोने से दिखाई नहीं दी है।

वोट चोरी और मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण अर्थात एसआईआर को लेकर विपक्ष ने गंभीर सवाल उठाए

विपक्षी हुंकार शक्ति-प्रदर्शन नहीं, जनकल्याण का कारण बने

दिल्ली के रामलीला मैदान में कांग्रेस के नेतृत्व में लगभग बीस विपक्षी दलों का जुटना और वोट चोरी के मुद्दे पर हुंकार भरना इसी संदर्भ में राजनीतिक समीक्षा की अपेक्षा करता है। सवाल यह नहीं कि विपक्ष को रैली करने का अधिकार है या नहीं, बल्कि यह है कि ऐसी रैलियों से लोकतंत्र और आम जनता को आखिर क्या हासिल हो रहा है? रामलीला मैदान ऐतिहासिक रूप से जनआंदोलनों, राजनीतिक चेतना और लोकतांत्रिक प्रतिरोध का साक्षी रहा है। यहां उमड़ने वाली भीड़ को केवल राजनीतिक शक्ति प्रदर्शन के रूप में नहीं देखा जा सकता, बल्कि उससे जुड़े संदेश और उद्देश्य का मूल्यांकन भी आवश्यक है। कांग्रेस ने सहयोगी दलों को एक मंच पर लाकर अपनी राजनीतिक एकजुटता प्रदर्शित करने का प्रयास किया। दस लाख लोगों के जुटने का दावा किया गया था, लेकिन उपलब्ध विवरणों के अनुसार वास्तविक उपस्थिति इस दावे से काफी कम रही।



लोकतंत्र केवल सत्ता परिवर्तन की व्यवस्था नहीं, बल्कि जनआकांक्षाओं, नागरिक अधिकारों, जवाबदेही और सार्थक राजनीतिक संवाद की जीवंत प्रणाली है। इसकी मजबूती केवल सत्तारूढ़ दल की कार्यक्षमता से नहीं, बल्कि विपक्ष की जिम्मेदारी, उसकी वैचारिक परिपक्वता और जनहित के प्रति उसकी प्रतिबद्धता से भी निर्धारित होती है। लेकिन जब विपक्ष की राजनीति का केंद्र जनता के बुनियादी सवालों के बजाय सत्ता का विरोध, नेतृत्व पर व्यक्तिगत हमले और आरोपों की पुनरावृत्ति बन जाए, तब लोकतंत्र की वास्तविक मजबूती को लेकर प्रश्न खड़े होना स्वाभाविक है। दिल्ली के रामलीला मैदान में कांग्रेस के नेतृत्व में लगभग बीस विपक्षी दलों का जुटना और वोट चोरी के मुद्दे पर हुंकार भरना इसी संदर्भ में राजनीतिक समीक्षा की अपेक्षा करता है। सवाल यह नहीं कि विपक्ष को रैली करने का अधिकार है या नहीं, बल्कि यह है कि ऐसी रैलियों से लोकतंत्र और आम जनता को आखिर क्या हासिल हो रहा है? रामलीला मैदान ऐतिहासिक रूप से जनआंदोलनों, राजनीतिक चेतना और लोकतांत्रिक प्रतिरोध का साक्षी रहा है। यहां उमड़ने वाली भीड़ को केवल राजनीतिक शक्ति प्रदर्शन के रूप में नहीं देखा जा सकता, बल्कि उससे जुड़े संदेश और उद्देश्य का मूल्यांकन भी आवश्यक है। कांग्रेस ने सहयोगी दलों को एक मंच पर लाकर अपनी राजनीतिक एकजुटता प्रदर्शित करने का प्रयास किया। दस लाख लोगों के जुटने का दावा किया गया था, लेकिन उपलब्ध विवरणों के अनुसार वास्तविक उपस्थिति इस दावे से काफी कम रही। फिर भी इस आयोजन का महत्त्व केवल भीड़ के आकार से नहीं, बल्कि उसके राजनीतिक संदेश से तय होना चाहिए। दुर्भाग्य यह है कि इस रैली में भी विपक्ष की ओर से वही पुराने आरोप, वही राजनीतिक भाषण और वही सत्ता विरोधी तेवर अधिक दिखाई दिए, जिनकी पुनरावृत्ति लंबे समय से होती रही है। वोट चोरी और मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण अर्थात एसआईआर को लेकर विपक्ष ने गंभीर सवाल उठाए हैं। चुनावी प्रक्रिया की निष्पक्षता पर सवाल उठाना किसी भी लोकतांत्रिक व्यवस्था में विपक्ष का अधिकार ही नहीं, उसका दायित्व भी है। प्रत्येक वैध मतदाता का नाम मतदाता सूची में सुरक्षित रहना चाहिए और किसी भी पात्र नागरिक को मतदान के अधिकार से वंचित नहीं किया जाना चाहिए। लेकिन लोकतांत्रिक अधिकारों की रक्षा के लिए आरोपों के साथ प्रमाण और तथ्यों की विश्वसनीयता भी आवश्यक है। जिन मतदाताओं के नाम मतदाता सूची से हटाए जाने का प्रश्न उठाया जा रहा है, उनमें मृतक, स्थायी रूप से अन्यत्र स्थानांतरित हो चुके और एक से अधिक स्थानों पर पंजीकृत मतदाता भी शामिल बताए गए हैं। निर्वाचन आयोग ने भी एसआईआर से जुड़े निर्णयों को तीनों चुनाव आयुक्तों की सहमति से लिया गया बताया है। इस प्रक्रिया को लेकर न्यायालय में विचार और निर्देश भी सामने आए हैं। इसलिए इस पूरे विषय पर अंतिम निष्कर्ष तथ्यों, प्रमाणों और न्यायिक परीक्षण के आधार पर ही निकाला जाना चाहिए। विपक्ष का दायित्व है कि वह चुनाव आयोग से पारदर्शिता की मांग करे, मतदाता सूची की त्रुटियों को उजागर करे और पात्र मतदाताओं के अधिकारों की रक्षा के लिए ठोस प्रयास करे। लेकिन केवल वोट चोरी का नारा बुलंद करने से लोकतांत्रिक संस्थाओं के प्रति विश्वास मजबूत नहीं होगा। यदि विपक्ष वास्तव में मतदाता अधिकारों को लेकर गंभीर है तो उसे प्रत्येक मतदान केंद्र पर अपने बूथ लेवल एजेंट नियुक्त करने, मतदाता सूची की जांच करने, वास्तविक विसंगतियों के प्रमाण जुटाने और प्रभावित नागरिकों को न्याय दिलाने की व्यवस्था मजबूत करनी चाहिए। लोकतंत्र की रक्षा नारों से कम और धरातल पर किए गए कार्यों से अधिक होती है। इस रैली का एक दूसरा पहलू भी है। कांग्रेस और उसके सहयोगी दलों की राजनीतिक एकजुटता का आधार क्या है? क्या यह एकजुटता किसी साझा आर्थिक दृष्टि, रोजगार नीति, कृषि सुधार, शिक्षा की गुणवत्ता, स्वास्थ्य सेवाओं, महंगाई, भ्रष्टाचार, महिला सुरक्षा, युवाओं के भविष्य और सामाजिक न्याय के व्यापक कार्यक्रम पर आधारित है? अथवा इसका मुख्य उद्देश्य नरेंद्र मोदी सरकार का विरोध करना और सत्ता के विरुद्ध राजनीतिक वातावरण तैयार करना है? यदि किसी गठबंधन की एकता का सबसे बड़ा आधार किसी एक नेता या सरकार का विरोध हो, तो उसकी वैचारिक स्थिरता और भविष्य की दिशा पर प्रश्न उठना स्वाभाविक है। सत्ता विरोध अपने आप में कोई राजनीतिक दर्शन नहीं हो सकता। लोकतंत्र में विपक्ष केवल आलोचक नहीं होता, वह वैकल्पिक नीतियों का निर्माता भी होता है। संसद में विधेयकों पर गंभीर चर्चा, सरकार की नीतियों का तथ्यात्मक परीक्षण, आर्थिक और सामाजिक समस्याओं पर वैकल्पिक सुझाव तथा जनता की आवाज को संस्थागत मंचों तक पहुंचाना उसकी बुनियादी जिम्मेदारी है। लेकिन जब राजनीतिक विमर्श आरोप-प्रत्यारोप, व्यक्तिगत कटाक्ष और विरोध प्रदर्शनों तक सीमित होने लगता है, तब जनता के वास्तविक मुद्दे पीछे छूट जाते हैं। विपक्ष को यह समझना होगा कि प्रधानमंत्री की आलोचना करना और प्रधानमंत्री के विकल्प के रूप में अपनी योग्यता प्रमाणित करना दो अलग-अलग बातें हैं। पहली बात राजनीतिक विरोध है, जबकि दूसरी लोकतांत्रिक नेतृत्व की कसौटी है। आज भारत अनेक बुनियादी चुनौतियों के दौर से गुजर रहा है। युवाओं के लिए गुणवत्तापूर्ण रोजगार, किसानों की आय और कृषि की उत्पादकता, छोटे व्यापारियों की आर्थिक सुरक्षा, शिक्षा एवं स्वास्थ्य सुविधाओं का विस्तार, पर्यावरण संरक्षण, शहरी अव्यवस्था, बढ़ती आर्थिक विषमता और महिलाओं की सुरक्षा जैसे प्रश्न किसी एक दल के नहीं, पूरे राष्ट्र के प्रश्न हैं। क्या रामलीला मैदान की हुंकार इन विषयों पर कोई ठोस वैकल्पिक कार्यक्रम प्रस्तुत कर सकी? क्या विपक्ष ने यह बताया कि वह इन समस्याओं के समाधान के लिए कौन-सी नीतियां अपनाएगा? क्या उसने देश के सामने कोई साझा विकास दृष्टि रखी? इन सवालों का उत्तर ही इस रैली की राजनीतिक सार्थकता का वास्तविक मूल्यांकन करेगा। यह भी समझना आवश्यक है कि लोकतंत्र में भीड़ जुटाना और जनमत अर्जित करना अलग-अलग बातें हैं। भीड़ किसी क्षणिक राजनीतिक उत्तेजना, संगठनात्मक शक्ति अथवा विरोध की भावना से जुट सकती है, लेकिन स्थायी जनविश्वास विचारों, नीतियों, आचरण और परिणामों से अर्जित होता है। राजनीतिक दलों को यह भ्रम नहीं पालना चाहिए कि विशाल मंच, बड़े भाषण और एकजुटता के प्रदर्शन से जनता का विश्वास स्वतः प्राप्त हो जाएगा। आज का मतदाता पहले की तुलना में अधिक जागरूक है। वह केवल यह नहीं सुनना चाहता कि सरकार ने क्या गलत किया, बल्कि यह भी जानना चाहता है कि विपक्ष उस स्थिति को सुधारने के लिए क्या करेगा। कांग्रेस के लिए यह आत्ममंथन का अवसर है। देश की सबसे पुरानी राजनीतिक पार्टी होने के नाते उससे केवल विरोध की राजनीति नहीं, बल्कि वैचारिक नेतृत्व और रचनात्मक विपक्ष की अपेक्षा भी की जाती है।

देश दुनिया से

स्कूलों को सुरक्षित बनाना हमारी सामूहिक जिम्मेदारी

विद्यालय को बच्चे का दूसरा घर कहा जाता है। माता-पिता जिस विश्वास के साथ अपने बच्चों को स्कूल भेजते हैं, उसकी बुनियाद इस भरोसे पर होती है कि वहां उनका बच्चा सुरक्षित रहेगा। लेकिन जब विद्यालय परिसर में ही किसी बच्चे की जान पर बन आए, तो यह केवल एक आपराधिक घटना नहीं, बल्कि हमारी शिक्षा व्यवस्था, संस्थागत जवाबदेही और सामाजिक चेतना की परीक्षा बन जाती है। पंचकूला के सेक्टर-20 स्थित विद्यालय में बीते दिन हुई घटना ने पूरे समाज को झकझोर दिया। तीसरी कक्षा के आठ वर्षीय छात्र ने केजी में पढ़ने वाली छह वर्षीय बच्ची पर कथित रूप से ईंट और अन्य वस्तुओं से हमला किया, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गई। वहीं, हरियाणा मानवाधिकार आयोग के अध्यक्ष द्वारा किए गए विद्यालय परिसर के निरीक्षण में कई प्रश्न सामने आए। इन प्रश्नों के उत्तर निष्पक्ष जांच के बाद ही सामने आने चाहिए। वहीं, शिक्षा विभाग ने संबंधित शिक्षकों और प्रधानाचार्य को निलंबित कर दिया है तथा जांच समिति गठित की गई है। पुलिस ने भी कथित लापरवाही के संबंध में मामला दर्ज किया है। इस घटना में पीड़ित बच्ची के साथ-साथ कथित रूप से हमला करने वाला आठ वर्षीय छात्र भी कानून की दृष्टि में बच्चा है। भारतीय न्याय संहिता, 2023 की धारा 20 सात वर्ष से कम आयु के बच्चे के आपराधिक कृत्य को संवेदनशील ढंग से देखती है, जबकि धारा 21 के अनुसार, सात से बारह वर्ष के बच्चे के मामले में यह देखना आवश्यक है कि उसे अपने कृत्य की प्रकृति और परिणाम समझने की पर्याप्त परिपक्वता थी या नहीं। किशोर न्याय अधिनियम, 2015 का मूल उद्देश्य



दंड के बजाय सुधार और पुनर्वास है। अतः बच्चे का मनोवैज्ञानिक मूल्यांकन, पारिवारिक वातावरण की पड़ताल और उचित परामर्श आवश्यक हैं। यदि उसके व्यवहार को लेकर पहले शिकायतें थीं, तो यह भी जांचना होगा कि समय रहते उसे सहायता क्यों नहीं मिली। शिक्षा का अधिकार अधिनियम, 2009 की धारा 17 शारीरिक दंड और मानसिक उत्पीड़न पर रोक लगाती है, जबकि धारा 24 शिक्षकों के कर्तव्यों को निर्धारित करती है। प्रधानाचार्य की जिम्मेदारी है कि विद्यालय में प्रभावी निगरानी, ड्यूटी रोस्टर, अनुशासन और आपातकालीन सहायता की व्यवस्था हो। शिक्षकों का दायित्व केवल पाठ्यक्रम पूरा कराना नहीं, बल्कि बच्चों के व्यवहार में असामान्य बदलाव और संभावित जोखिम के संकेतों को पहचानना भी है। बच्चे का व्यक्तित्व केवल विद्यालय में नहीं बनता। परिवार उसकी पहली पाठशाला है। इस घटना के संदर्भ में बच्चे के ऑनलाइन गेम खेलने और उससे प्रभावित होने की बात भी सामने आई है। हालांकि, किसी गेम को घटना का प्रत्यक्ष कारण मान लेना उचित नहीं होगा। इसके लिए विशेषज्ञों द्वारा मनोवैज्ञानिक मूल्यांकन आवश्यक है। फिर भी यह पहलू हमें बच्चों के डिजिटल जीवन और स्क्रीन पर उपलब्ध सामग्री के प्रभाव पर गंभीरता से विचार करने के लिए मजबूर करता है। दूसरी ओर, शहरों में बच्चों के खेलने के लिए सुरक्षित मैदान और खुले स्थान लगातार कम होते जा रहे हैं। खेल के मैदानों की कमी बच्चों को घरों के भीतर और मोबाइल स्क्रीन तक सीमित कर रही है। खेल केवल शारीरिक व्यायाम नहीं, बल्कि अनुशासन, धैर्य, टीम भावना, हार-जीत स्वीकार करने और गुस्से पर नियंत्रण रखने की शिक्षा भी देते हैं। सरकार, नगर निकायों, आरडब्ल्यूए और विद्यालयों को बच्चों के लिए सुरक्षित खेल मैदान और रचनात्मक गतिविधियों के अवसर उपलब्ध कराने चाहिए। माता-पिता को भी बच्चों के साथ समय बिताना चाहिए तथा उन्हें आउटडोर खेल, पुस्तकें, संगीत और सामाजिक गतिविधियों से जोड़ना चाहिए। मीडिया ने इस घटना के माध्यम से विद्यालयों की सुरक्षा व्यवस्था और प्रशासनिक जवाबदेही पर सवाल उठाए हैं। लेकिन सीसीटीवी फुटेज का बार-बार प्रसारण और सोशल मीडिया पर उसे वायरल करना बच्चों के मानसिक स्वास्थ्य और निजता के लिए नुकसानदेह है। किशोर न्याय अधिनियम की धारा 74 किसी बच्चे की पहचान उजागर करने वाले विवरण और तस्वीरों के प्रकाशन पर प्रतिबंध लगाती है। यह संरक्षण पीड़ित और कानून के उल्लंघन के आरोप का सामना कर रहे, दोनों बच्चों के लिए महत्वपूर्ण है। इस घटना से सबक लेने की भी आवश्यकता है। राज्य के सभी सरकारी और निजी विद्यालयों का नियमित बाल-सुरक्षा ऑडिट हो। प्रारंभिक कक्षाओं में पर्याप्त सहायक कर्मचारी तैनात किए जाएं। प्रत्येक विद्यालय में प्रशिक्षित काउंसलर अथवा विशेषज्ञों से परामर्श की व्यवस्था हो। सीसीटीवी कैमरों की नियमित निगरानी हो। बच्चों में आक्रामक व्यवहार, तनाव और हिंसक प्रवृत्तियों के शुरुआती संकेतों की पहचान कर समय रहते सहायता दी जाए। प्रत्येक स्कूल में दुर्घटना और हिंसा की स्थिति में चिकित्सा सहायता, अभिभावकों को सूचना तथा शिकायत निवारण का लिखित प्रोटोकॉल अनिवार्य रूप से लागू हो। यह घटना हमारी सामूहिक जिम्मेदारी की परीक्षा है। जब एक बच्चा हिंसा का शिकार हो और दूसरा बच्चा हिंसक व्यवहार करे तो उत्तर केवल दंड या आक्रोश नहीं, बल्कि जवाबदेही, संवेदना और सुधार होना चाहिए।

आप का नज़रिया

चिट्टे के खिलाफ खेल

खेल राज्य की तहजीब में, हिमाचल ने अपनी तस्वीर बदलते हुए खुद को परिलक्षित किया है। चिट्टा मुक्त हिमाचल के लिए अब खेलों को टूल बनाया जाएगा, तो यह अभियान हर घर, हर बस्ती, हर गांव और हर शहर से ताल्लुक बनाएगा। खेलो इंडिया के राज्य स्तरीय अवतरण में खेलो हिमाचल एक आश्वासन है और जीवन के पथ पर युवाओं को चलाने का साधन भी। बीस नवंबर को खेलो हिमाचल अभियान की शुरुआत से एक नया कारवां गांव से शहर तक शुरू होगा, तो इस कार्यक्रम की समीक्षा में कुछ नाम होगा। खेलो हिमाचल के जरिए हिमाचल अपने लिए नए मुकाम खोज रहा है जहां ओलंपिक खेलों के अलावा ग्रामीण व क्रिकेट जैसी खेलों के जरिए संदेश तैयार है। उपमंडल, जिला व राज्य स्तर की प्रतियोगिताओं में पुरस्कारों की खेप अगर उतर रही है, तो मुकाबलों की तासीर में प्रतिभाओं का मिशन भी सुदृढ़ होगा। राज्य स्तर पर विजेता टीम को 21 लाख, उपविजेता को 15 लाख और तीसरे स्थान पर 10 लाख की राशि का प्रावधान हो रहा है। बेशक पिछले कुछ सालों से खेलों पर राज्य सरकारों ने विशेष रुचि दिखाई है, लेकिन सुक्खू सरकार ने खेलो हिमाचल का श्रीगणेश करके खेल संस्कृति को प्रोत्साहित करने का बीड़ा उठाया है। हिमाचल में स्कूली खेलों के अलावा ग्रामीण खेलों को बढ़ावा मिलता है, तो निचले स्तर तक यह संदेश प्रभावशाली होगा। वर्तमान में भी कई खेल संगठन सक्रिय व आयोजन हो रहे हैं, लेकिन इन्हें किसी अभियान के बजाय रूटीन में किया जा रहा है। खेल प्रशिक्षण की दृष्टि से स्कूली स्तर पर खेल छात्रावास तथा भारतीय खेल प्राधिकरण के हॉस्टलों के कारण चमक आ रही है और यही वजह है कि प्रदेश ने इस बार कुल 419 राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय स्तर के खिलाडियों को सम्मानित करते हुए 17.85 करोड़ की नकद पुरस्कार राशि बांटी है। हिमाचल सरकार ने नादौन में इसी दौरान प्रदेश का सबसे बड़ा खेल परिसर तैयार किया है और कुछ अन्य स्थानों पर कार्य जारी है। बावजूद इसके खेल संगठनों के स्तर पर सक्रियता के साथ-साथ वचनबद्धता की जरूरत है। खेलो हिमाचल का ध्वज हर गांव और हर स्कूल तक फहराना होगा ताकि गांव की गलियां व्यस्त रहें। यहां मुकाबला चिट्टे के खिलाफ हो रहा है, तो विभागीय खेलों को भी नियमित तथा प्रभावशाली होना पड़ेगा। यह इसलिए भी कि चिट्टे या नशे के नेटवर्क में कर्मचारियों के घर भी उजड़े हैं। पुलिस विभाग के ही कई कर्मचारी इस जाल में अपनी प्रतिष्ठा व भूमिका गंवा चुके हैं। खेलो हिमाचल के कई चरण और कई पड़ाव देखे जाएंगे, इसलिए युवा सेवाएं एवं खेल विभाग के भीतर भी कई ढांचागत सुधार आवश्यक हैं। सार्वजनिक तौर पर प्रदेश भर में कुछ नए खेल सेंटर विकसित करने की जरूरत के साथ-साथ खेल मैदानों के विकास की दिशा में लक्ष्य निर्धारित करने होंगे। हर सरकारी स्कूल के साथ कम से कम एक बहुउद्देश्यीय मैदान तो अनिवार्य रूप से जुडना चाहिए। शहरों की विकास योजनाओं में मैदान विकास की परिकल्पना न के बराबर है। राजधानी शिमला कभी सैकड़ों की संख्या में सार्वजनिक मैदानों की कमी महसूस नहीं करता था, लेकिन अब दो लाख की आबादी के लिए कम से कम दो दर्जन नए मैदान चाहिएं। यह परिस्थिति हमीरपुर में भी दिखाई देती है। ऐसे में सरकार को हर बड़े शहर की चारों दिशाओं में चार-चार नए सामुदायिक, सार्वजनिक व खेल मैदान विकसित करने होंगे। विडंबना यह है कि पारंपरिक मैदानों पर या तो कब्जे हो गए या सरकारी इमारतों ने इनकी छाती छलनी कर दी। कई मैदानों पर वाहनों की पार्किंग का अड्डा ये मैदान बन गए हैं। बहरहाल शिमला में राज्यस्तरीय हिमरत्न कार्यक्रम के दौरान ताजगी के साथ हवा का एक झोंका जरूर महसूस हुआ है।

चिट्टा मुक्त हिमाचल के लिए अब खेलों को टूल बनाया जाएगा, तो यह अभियान हर घर, हर बस्ती, हर गांव और हर शहर से ताल्लुक बनाएगा। खेलो इंडिया के राज्य स्तरीय अवतरण में खेलो हिमाचल एक आश्वासन है और जीवन के पथ पर युवाओं को चलाने का साधन भी। बीस नवंबर को खेलो हिमाचल अभियान की शुरुआत से एक नया कारवां गांव से शहर तक शुरू होगा, तो इस कार्यक्रम की समीक्षा में कुछ नाम होगा। खेलो हिमाचल के जरिए हिमाचल अपने लिए नए मुकाम खोज रहा है जहां ओलंपिक खेलों के अलावा ग्रामीण व क्रिकेट जैसी खेलों के जरिए संदेश तैयार है। उपमंडल, जिला व राज्य स्तर की प्रतियोगिताओं में पुरस्कारों की खेप अगर उतर रही है, तो मुकाबलों की तासीर में प्रतिभाओं का मिशन भी सुदृढ़ होगा। राज्य स्तर पर विजेता टीम को 21 लाख, उपविजेता को 15 लाख और तीसरे स्थान पर 10 लाख की राशि का प्रावधान हो रहा है। बेशक पिछले कुछ सालों से खेलों पर राज्य सरकारों ने विशेष रुचि दिखाई है, लेकिन सुक्खू सरकार ने खेलो हिमाचल का श्रीगणेश करके खेल संस्कृति को प्रोत्साहित करने का बीड़ा उठाया है। हिमाचल में स्कूली खेलों के अलावा ग्रामीण खेलों को बढ़ावा मिलता है, तो निचले स्तर तक यह संदेश प्रभावशाली होगा। वर्तमान में भी कई खेल संगठन सक्रिय व आयोजन हो रहे हैं, लेकिन इन्हें किसी अभियान के बजाय रूटीन में किया जा रहा है। खेल प्रशिक्षण की दृष्टि से स्कूली स्तर पर खेल छात्रावास तथा भारतीय खेल प्राधिकरण के हॉस्टलों के कारण चमक आ रही है और यही वजह है कि प्रदेश ने इस बार कुल 419 राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय स्तर के खिलाडियों को सम्मानित करते हुए 17.85 करोड़ की नकद पुरस्कार राशि बांटी है। हिमाचल सरकार ने नादौन में इसी दौरान प्रदेश का सबसे बड़ा खेल परिसर तैयार किया है और कुछ अन्य स्थानों पर कार्य जारी है। बावजूद इसके खेल संगठनों के स्तर पर सक्रियता के साथ-साथ वचनबद्धता की जरूरत है।

कुछ अलग

दरार का इतिहास

इतिहा ने अपनी डायरी में लिखा, 'दीवार का जन्म निर्माण से होता है। उसकी परिपक्वता पहली दरार से। और समय...वह चुपचाप मुस्कराता रहा। उसे मालूम था 'जहां मनुष्य स्थायित्व देखता है, वहीं से परिवर्तन अपना पहला हस्ताक्षर करता है।' समय आगे बढ़ता रहा। मनुष्य ने यह स्वीकार करने के स्थान पर कि दरारें जीवन का स्वभाव हैं, उन्हें अपनी पराजय मान लिया। अब वह केवल दीवारें नहीं बनाता था, उन्हें निर्दोष बनाए रखने का प्रण भी करता था। जहां कहीं कोई महीन रेखा उभरती, वह उसे मिटाने में जुट जाता। गारा लगाया जाता। प्लास्टर चढ़ता। रंग फेर दिया जाता। और कुछ समय के लिए सब कुछ फिर से नया दिखाई देने लगता। किन्तु समय को रंगों से कभी भ्रम नहीं हुआ। वह जानता था कि जो छिपाया गया है, वह मिटाया नहीं जा सकता। प्रकृति भी मौन रही। उसने कभी दरार को जोर देकर नहीं बढ़ाया। वह केवल प्रतीक्षा करती रही।

दृष्टि कोण

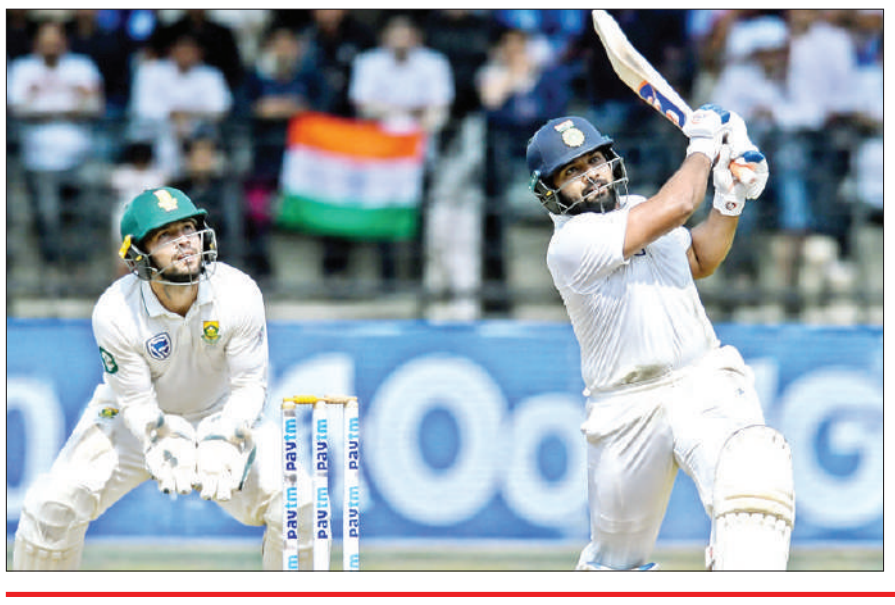
करों में छूट, नहीं है समाधान

पिछले काफी समय से भारत के शेयर बाजारों में विदेशी संस्थागत निवेशक भारत में बिकवाली कर बड़ी मात्रा में विदेशी मुद्रा बाहर ले जा रहे हैं। वर्ष 2026-27 के प्रथम 7 महीने से भी कम समय में अभी तक विदेशी संस्थागत निवेशक 1.7 लाख करोड़ रुपए की बिकवाली कर चुके हैं, जिससे रुपए पर दबाव बन रहा है और उसमें अवमूल्यन हो रहा था। नीति निर्माता चिंतित हैं और तरह-तरह से प्रयास कर उन्हें भारत की ओर आकर्षित करने का प्रयास कर रहे हैं। सरकार पर उन्हें पहले से अधिक रियायतें देने संबंधी दबाव भी बन रहा है।

रियायतों का अंबार : यह तर्क दिया जा रहा था कि विदेशी संस्थागत निवेशकों को आकर्षित करने का एक महत्वपूर्ण तरीका करों में रियायत देने से संबंधित है। 5 जून 2026 को सरकार और रिजर्व बैंक ने स्वीकृत बांडों से होने वाले पूंजीगत लाभ को पूर्व के 12.5 प्रतिशत पूंजीगत लाभ कर और आयकर से छूट दी गई है। इसके अलावा पूर्व में जहां 15, 30 और 40 वर्ष के ब्रांड विदेशी पोर्टफोलियो निवेशक नहीं खरीद सकते थे, लेकिन अब उन्हें इसकी अनुमति दी गई है। इसी प्रकार अन्य प्रकार की रियायतें भी विदेशी संस्थागत निवेशकों को दी गई हैं। लेकिन उसके बावजूद इन निवेशकों की बिकवाली बदस्तूर जारी है। लेकिन यह जरूर हुआ है कि अब विदेशी संस्थागत निवेशकों ने सरकारी बांडों में निवेश बढ़ा दिया है। अब क्या मांग है विदेशी संस्थागत निवेशकों की? हालांकि सरकार ने विदेशी संस्थागत निवेशकों की सरकारी ऋण प्रतिभूतियों पर आयकर और दीर्घकालिक पूंजीगत लाभों से छूट पहले ही



दे दी है, अब उनकी मांग है कि उन्हें शेयरों पर मिलने वाले पूंजीगत लाभों और अन्य लाभों पर कर से छूट मिलनी चाहिए। गौरतलब है कि यह छूट उनको पहले भी प्राप्त थी। दूसरे, विदेशी निवेशक सिक्योरिटी ट्रांजैक्शन टैक्स (एसटीटी) में भी कमी चाहते हैं। गौरतलब है कि इस साल बजट में सरकार ने 'फ्यूचर और ऑप्शन' (एफएंडओ) में एसटीटी को बढ़ाया था। पिछले सालों में एफएंडओ की वजह से रिटेल इन्वेस्टरों को बड़ा घाटा उठाना पड़ा था और इसका फायदा बड़ी विदेशी कंपनियों ने उठाया। सेक्यूरिटीज एंड एक्सचेंज बोर्ड (सेबी) की रिपोर्ट के अनुसार 4850 करोड़ रुपए का गैर-कानूनी लाभ 'जेनस्ट्रीट' सरीखी कंपनी ने एफएंडओ से कमाया। कुल मिलाकर कंपनी ने जनवरी 2023 और मार्च 2025 के बीच 36700 करोड़ रुपए का लाभ कंपनी ने कमाया। यह लाभ वास्तव में छोटे निवेशकों का न



टेस्ट क्रिकेट में भी बने है चौके और छक्कों के रिकार्ड

मुम्बई

आम तौर पर धारणा है कि टेस्ट क्रिकेट में बल्लेबाज बड़े शाट नहीं लगाते पर ये पूरी तरह सच नहीं है। टेस्ट में बल्लेबाज संभलकर खेलते हैं पर एक बार जम जाने पर वे भी बड़े शाट खेलने से पीछे नहीं हटते। पिछले कुछ साल में टी20 से प्रभावित होकर टेस्ट में भी बल्लेबाजी भी काफी आक्रामक हुई है।

इसी का परिणाम है कि सात साल पहले एक ऐसे ही मैच में दोनो टीमों के बल्लेबाजों ने इतने चौके और छक्के लगाये कि एक नया रिकार्ड बन गया। साल 2019 मे हुए एक टेस्ट मैच में दोनों टीमों द्वारा मिलकर लगाए गए सर्वाधिक छक्कों का ये विश्व रिकार्ड अब भी कायम है और किसी भी टीम के लिए इसे तोड़ना बड़ी चुनौती साबित हो रहा है।

यह असाधारण कीर्तिमान 2 अक्टूबर 2019 को विशाखापत्तनम में भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच खेले गए ऐतिहासिक टेस्ट मैच में बना। इस मुकाबले में, बल्लेबाज़ों ने लंबो छक्कों से रनों की झड़ी लगा दी। दोनों टीमों के संयुक्त प्रयासों से कुल 37 छक्के और 171 चौके लगे, जिसने क्रिकेट इतिहास में एक नया अध्याय जुड़ गया। भारतीय टीम की ओर से सलामी बल्लेबाज़ रोहित शर्मा ने ने दोहरा शतक लगाया। इसके अलावा मयंक अग्रवाल ने भी शतक लगाकर टीम को बड़े स्कोर तक पहुंचाया। इन्हीं पारियों के बल पर भारत ने इस मैच में शानदार जीत दर्ज की थी।

इस रिकार्ड से पहले, सर्वाधिक छक्कों का विश्व कीर्तिमान न्यूज़ीलैंड और पाकिस्तान के नाम था। 26 नवंबर 2014 को शारजाह में खेले गए उस रोमांचक मुकाबले में कुल 35 छक्के और 144 चौके लगाए गए थे, जिसमें न्यूज़ीलैंड ने जीत हासिल की थी। छक्कों की बारिश के मामले में तीसरे स्थान पर 15 फरवरी 2024 को राजकोट में भारत और इंग्लैंड के बीच संपन्न हुआ टेस्ट मैच रहा जहां कुल 33 छक्के और 140 चौके लगे और भारत ने एकतरफा जीत दर्ज की। चौथे स्थान पर 2 जुलाई 2022 को बर्मिंघम में इंग्लैंड और भारत के बीच खेला गया मुकाबला है, जिसमें 30 छक्के लगे थे।वहीं, पांचवें स्थान पर 24 अप्रैल 2023 को गाल में श्रीलंका और आयरलैंड के बीच खेला गया टेस्ट मैच आता है, जिसमें 28 छक्के और 147 चौके जड़े गए थे। यह आंकड़े केवल संख्याएं नहीं, बल्कि आधुनिक टेस्ट क्रिकेट के बदलते स्वरूप और बल्लेबाज़ों की निडर मानसिकता का जीवंत प्रमाण हैं। ये मैच साबित करते हैं कि जब प्रतिभाशाली बल्लेबाज़ पूरे आत्मविश्वास और आक्रामक मूड में हों, तो लाल गेंद से भी सीमा रेखा पार कराने वाले शाट मारकर खेल को एक नए, रोमांचक आयाम तक पहुंचा सकते हैं। टेस्ट क्रिकेट अब केवल धैर्य का खेल नहीं रहा, बल्कि यह एक ऐसा मंच बन गया है जहां बल्लेबाज़ अपनी रचनात्मकता और शक्ति का प्रदर्शन करके प्रशंसकों को भरपूर मनोरंजन प्रदान कर रहे हैं, और छक्कों के ये अटूट रिकार्ड इसी बदलती प्रवृत्ति की गवाही देते हैं।

न्यूज ब्रीफ

इंग्लैंड के पूर्व मिडफील्डर ने बताया मैनचेस्टर यूनाइटेड के खराब प्रदर्शन का कारण

लंदन। इंग्लिश प्रीमियर लीग फुटबाल की विजेता रही चैंपियन मैनचेस्टर यूनाइटेड के लिए वर्तमान दौर बेहद खराब रहा है। लगातार खराब प्रदर्शन के कारण टीम लीग तालिका में 16वें स्थान पर फिसल गयी है। इसी को देखते हुए, इंग्लैंड के पूर्व दिग्गज डिफेंडर जेमी कैरागर ने कहा है कि क्लब को उसकी गलत ट्रांसफर नीति के कारण नुकसान हुआ है। सत्र की शुरुआत से ही यूनाइटेड के परिणाम अच्छे नहीं रहे हैं। इसी कारण लीगा अंक तालिका मे काफी पीछे है। इस खराब फार्म के बीच, कैरागर ने कहा कि टीम को समर ट्रांसफर विंडो में तीन खिलाड़ियों की जगह पर केवल दो ही खिलाड़ियों को साइन करना चाहिए था और उनमें से एक पुर्तगाली डिफेंडर मातियस फर्नांडीस होना चाहिये था। साथ ही कहा कि यूनाइटेड ने समर विंडो में मिडफील्ड को मजबूत करने के लिए कार्लोस बालेपा, यूरी टीलेमान्स और आंद्रे सैंटोस जैसे तीन खिलाड़ियों पर करीब मोटी रकम खर्च कर दी पर ये असफल रहे। उनका कहना है कि मातियस के लिए सत्र सीजन की शुरुआत भले ही अच्छी न की हो, लेकिन पिछले सीजन में मैंने उसे वेस्ट हैम यूनाइटेड के लिए खेलते देखा था, और मुझे लगा कि वह वाकई एक शानदार खिलाड़ी है। उन्होंने आगे कहा, मुझे समझ नहीं आया कि मैनेजर उसे नंबर 10 की भूमिका में क्यों नहीं खिला रहे थे।साथ ही कहा कि ये खिलाड़ी युवा है और उसके पास सुधार करने के लिए काफी समय है। पिछले सत्र में वेस्ट हैम के लिए उसने बेहतरीन खेल दिखाया था, और यह पहली बार था जब मैंने उसे टोटेनहम की जर्सी में शानदार प्रदर्शन करते देखा। मुझे लगता है कि वह एक बेहतरीन खिलाड़ी है।



लाबुशेन का टेस्ट करियर खतरे में पड़ा

मेलबर्न। आस्ट्रेलिया के युव बल्लेबाज मार्नस लाबुशेन का टेस्ट करियर खतरे में पड़ता दिख रहा है। टेस्ट डेब्यू के बाद से ही शानदार शुरुआत करने वाले लाबुशेन का बल्ला पिछले कुछ साल से शांत है जिससे कारण वह लगातार असफल हो रहे हैं। ऐसे में टीम में उनकी जगह पर भी सवाल उठने लगे हैं। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ हाल में समाप्त हुई टेस्ट सीरीज में भी वह रन नहीं बना पाये। यहां तक कि अंतिम टेस्ट में जब टीम को उनकी जरुरत थी तब भी उन्होंने निराश किया। केपटाउन में खेले गए इस तीसरे टेस्ट में वह केवल 4 रन ही बना पाये। ऐसे में तय है कि अब चयनसमिति उन्हें शायद ही आगे अवसर दे। केपटाउन टेस्ट में आस्ट्रेलिया को करारी हार झेलनी पड़ी और इसके साथ ही टीम तीन मैचों की सीरीज 2-1 से हार गयी। इस मैच में आस्ट्रेलिया की पूरी बल्लेबाजी बिखर गयी। लाबुशेन का प्रदर्शन विशेष रूप से चिंताजनक रहा। पूरी सीरीज में, लाबुशेन 6 पारियों में केवल 131 रन ही बना सके, जिसमें उनका सबसे अधिक स्कोर 39 रन रहा। ऐसे में उनकी लगातार खराब फार्म ने टीम प्रबंधन के लिए मुश्किलें बढ़ा दी हैं। लाबुशेन ने अपने करियर की शुरुआत धमाकेदार अंदाज में की थी। शुरुआती 74 पारियों में उन्होंने 11 शतक लगाकर आस्ट्रेलिया को कई यादगार टेस्ट जीत दिलाई थीं।



प्रेमा ने महिला टी20 क्रिकेट में सबसे तेज अर्धशतक लगाकर बनाया रिकार्ड



नई दिल्ली। भारतीय महिला क्रिकेट टीम की बल्लेबाज प्रेमा रावत ने एक नया रिकार्ड अपने नाम किया है। प्रेमा ने हैदराबाद के खिलाफ केवल 14 गेंदों में तेजी से 50 रन बनाये। इस प्रकार वह सबसे तेज अर्धशतक लगाने वाली खिलाड़ी बन गयीं। प्रेमा ने ये रन भारतीय सीनियर महिला टी20 ट्राफी में उत्तराखंड की ओर से खेलते हुए बनाये। वहीं अब तक सबसे तेज अर्धशतक का रिकार्ड पाकिस्तानी खिलाड़ी फातिमा सना के नाम था। सना ने 15 गेंदों में अर्धशतक लगाया था। हालांकि महिला टी20 अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट में सबसे तेज अर्धशतक का रिकार्ड अभी भी सना के नाम ही है क्योंकि प्रेमा ने जो रिकार्ड बनाया है। वह घरेलू क्रिकेट का है। प्रेमा ने पुणे के एमसीए क्रिकेट स्टेडियम में नंबर-4 पर बल्लेबाजी करते हुए विरोधी गेंदबाजों को कोई अवसर नहीं दिया। उन्होंने अपनी 14 गेंदों की पारी में 6 शानदार चौके और 4 छक्के लगाए, इस दौरान उनका स्ट्राइक रेट 357 का रहा। प्रेमा की इस आक्रामक पारी से उत्तराखंड ने निर्धारित 20 ओवरों में दो विकेट पर 187 रन बनाये। इसके जवाब में हैदराबाद की टीम 98 रन ही बना सकी और इस तरह प्रेमा की पारी से उत्तराखंड ने 89 रनों से मुकाबला जीत लिया। मैच जीत लिया। प्रेमा के अलावा, उत्तराखंड की ओर से राघवी बिस्ट ने नाबाद 72 रन जबकि करीना ने 44 रन और नीलम भारद्वाज ने 19 रन बनाये।

भारत ए और न्यूजीलैंड ए के बीच दूसरा आनौपचारिक टेस्ट ड्रा रहा

क्राइस्टचर्च

भारत ए और न्यूजीलैंड ए के बीच यहां हुआ दूसरा आनौपचारिक टेस्ट ड्रा रहा। इस मैच में भारतीय बल्लेबाजों ने शानदार प्रदर्शन किया विशेषकर यशस्वी जायसवाल ने 155 रनों की नाबाद पारी खेली। अंतिम दिन न्यूजीलैंड ए ने मैथ्यू बायल (110 रन) और डीन फाक्सक्राफ्ट (93 रन) के शानदार प्रदर्शन की बदौलत 424 रन बनाये जिसके बाद लक्ष्य का पीछा करते हुए भारतीय टीम ने दिन का खेल समाप्त होने तक अपनी दूसरी पारी में दो विकेट पर 282 रन बनाये। इस मैच में यशस्वी ने अपना फार्म हासिल किया। वह पहले अभ्यास मैच में सिर्फ 17 और 5 रन बना पाये थे। यशस्वी ने इस मैच की दूसरी पारी में बेहतरीन बल्लेबाजी करते हुए 162 गेंदों पर 15 चौकों और पांच शानदार छक्कों की सहायता से नाबाद 155 रन बनाए।

यशस्वी के अलावा, कप्तान ध्रुव जुरेल ने पहली पारी में 105 रनों की बेहतरीन शतकीय पारी खेली, जो उनकी नेतृत्व क्षमता और बल्लेबाजी कौशल दोनों को दर्शाती है। वहीं, दूसरी पारी में युवा बल्लेबाज यश राठौड़ ने भी नाबाद 100 रन बनाये। शतक दर्ज कराया। पहली पारी में 80 रन बनाने वाले देवदत्त पडिक्कल हालांकि दूसरी पारी में खाता खोले बिना आउट हो गए, जबकि साई सुदर्शन ने 11 रन का योगदान दिया। भारत ए ने अपनी पहली पारी में 346 रन बनाए थे, जिसके जवाब में न्यूजीलैंड ए ने मैथ्यू बायल (110 रन) और डीन फाक्सक्राफ्ट (93 रन) के शानदार प्रदर्शन की बदौलत 424 रन बनाकर बढ़त हासिल की। इसके बाद, भारत ए ने अपनी दूसरी पारी 282 रन पर 2 विकेट के स्कोर के साथ समाप्त की।

भारतीय तेज गेंदबाजों ने भी इस मुकाबले में लय हासिल की। मुकेश कुमार ने 29 ओवरों में 87 रन देकर पांच अहम विकेट झटके, तो मोहम्मद सिराज ने 35 ओवरों में 118 रन देकर चार बल्लेबाजों को आउट किया।

इस बीच, भारतीय टीम को न्यूजीलैंड दौरे में टेस्ट सीरीज से पहले ऋषभ पंत की फिटनेस को लेकर एक झटका लगा है। खिंचाव (साइड स्ट्रेन) की समस्या से जूझ रहे पंत अभी तक पूरी तरह से फिट नहीं हो पाए हैं। बेंगलुरु में बीसीसीआई के सेंटर आफ एक्सीलेंस (सीओई) में हुए फिटनेस टेस्ट में असफल रहने के बाद, उन्हें अगले 48 घंटे के भीतर एक और मौका मिलेगा। यदि वह फिट घोषित होते हैं, तो वह 7 नवंबर से लिंकन में न्यूजीलैंड ए के खिलाफ तीसरे चार-दिवसीय मैच में इंडिया ए टीम से जुड़ जाएंगे, जो उनकी वापसी के लिए एक महत्वपूर्ण कदम होगा। अच्छी खबर यह है कि जसप्रीत बुमराह न्यूजीलैंड के लिए रवाना हो गए हैं। उनके भी इंडिया ए के लिए तीसरे चार-दिवसीय मैच में खेलने की उम्मीद है, जिससे वह मुख्य टेस्ट सीरीज से पहले मैच फिटनेस और लय हासिल कर सकें।



भारत के खिलाफ पहले वनडे से बाहर हुए न्यूजीलैंड के बल्लेबाज डेवोन कानवे



आकलैंड (न्यूजीलैंड)। भारत के खिलाफ पहले वनडे मुकाबले से पहले न्यूजीलैंड की टीम को बड़ा झटका लगा है। टीम के सलामी बल्लेबाज डेवोन कानवे चोट के कारण पहले वनडे मैच से बाहर हो गए हैं। भारत और न्यूजीलैंड के बीच पांच मैचों की वनडे सीरीज की शुरुआत चार नवंबर से हो रही है। पहला मैच आकलैंड में खेला जाएगा। न्यूजीलैंड क्रिकेट ने बताया कि मंगलवार को ईडन पार्क में अभ्यास सत्र के दौरान कैच पकड़ने की कोशिश में कानवे और उनके साथी खिलाड़ी मैट हेनरी के बीच टक्कर हो गई। इसके तुरंत बाद दोनों खिलाड़ियों को मैदान पर मौजूद मेडिकल स्टाफ ने प्राथमिक उपचार दिया। इसके बाद दोनों की सिर की चोट से जुड़ी जांच (हेड इंजरी असेसमेंट) की गई। जांच के बाद डेवोन कानवे को आगे की चिकित्सा जांच के लिए अस्पताल ले जाया गया, जहां उन्हें कन्कशन (सिर में चोट के कारण मस्तिष्क पर असर) होने की पुष्टि हुई। इसी वजह से वह भारत के खिलाफ पहले वनडे मुकाबले में नहीं खेल पाएंगे। न्यूजीलैंड क्रिकेट के अनुसार दोनों खिलाड़ियों की लगातार निगरानी की जाएगी। हालांकि, मैट हेनरी फिलहाल टीम में चयन के लिए उपलब्ध माने जा रहे हैं। न्यूजीलैंड की टीम पहले से ही मार्क चैपमैन और रचिन रवींद्र की चोटों से परेशान है। ऐसे में पहले वनडे से ठीक पहले कानवे का बाहर होना टीम के लिए एक और बड़ा झटका माना जा रहा है।

आस्ट्रेलियाई आलराउंडर ग्लेन मैक्सवेल ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट को कहा अलविदा



नई दिल्ली

आस्ट्रेलिया के दिग्गज आलराउंडर ग्लेन मैक्सवेल ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास का ऐलान कर दिया। 38 वर्षीय मैक्सवेल का अंतरराष्ट्रीय करियर 14 साल तक चला। उन्होंने आखिरी बार आईसीसी पुरुष टी20 विश्व कप 2026 में ओमान के खिलाफ मुकाबले में हिस्सा लिया था।

अपने संन्यास की घोषणा करते हुए ग्लेन मैक्सवेल ने द फाइनल वर्ड पाडकास्ट पर कहा कि यह फैसला थोड़ा दुखद है लेकिन मैं अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास लेने का ऐलान कर रहा हूं।

उन्होंने चयनकर्ताओं के साथ हुई बातचीत के बारे में कहा कि टी20 वर्ल्ड कप से पहले और बाद में हमारी कई बार चर्चा हुई थी। यह बातचीत काफी खुली और स्पष्ट थी।

अपने करियर को लेकर मैक्सवेल ने कहा कि मैं शुक्रगुजार हूँ कि मुझे अपने देश के लिए खेलने का मौका मिला। अगर 2009 के आसपास जब मैंने पहली बार विक्टोरिया के ड्रेसिंग रूम में कदम रखा था, तब किसी ने मुझे ऐसा करियर देने की बात कही होती, तो मैं खुशी-खुशी इसे स्वीकार कर लेता।

ग्लेन मैक्सवेल के संन्यास के साथ ही आस्ट्रेलियाई क्रिकेट का एक यादगार अध्याय समाप्त हो गया है। अपनी आक्रामक बल्लेबाजी, शानदार फील्डिंग और उपयोगी गेंदबाजी के दम पर उन्होंने दुनियाभर के क्रिकेट प्रशंसकों के बीच खास पहचान बनाई।

मैक्सवेल ने अपने अंतरराष्ट्रीय करियर में आस्ट्रेलिया का तीनों प्रारूपों में प्रतिनिधित्व किया। उन्होंने 149 वनडे, 130 टी20 अंतरराष्ट्रीय और 7 टेस्ट मुकाबले खेले। इस दौरान वह आस्ट्रेलिया की दो वनडे विश्व कप (2015 और 2023) तथा एक टी20 विश्व कप (2021) जीतने वाली टीम का हिस्सा रहे।

सफेद गेंद के क्रिकेट में मैक्सवेल का प्रदर्शन बेहद शानदार रहा। अपनी विस्फोटक बल्लेबाजी के लिए मशहूर मैक्सवेल ने कई मौकों पर आस्ट्रेलिया को मुश्किल परिस्थितियों से बाहर निकाला। खास तौर पर 2023 वनडे विश्व कप में अफगानिस्तान के खिलाफ उनकी ऐतिहासिक दोहरा शतकीय पारी क्रिकेट इतिहास की यादगार पारियों में शामिल है। उस मुकाबले में उन्होंने चोट और मुश्किल परिस्थितियों के बावजूद नाबाद दोहरा शतक लगाकर आस्ट्रेलिया को जीत दिलाई थी।

मैक्सवेल के वनडे करियर की बात करें तो उन्होंने 149 मैचों में 3990 रन बनाए।

हाइलो ओपन-2026 का खिताब जीतकर पीवी सिंधु विश्व रैंकिंग में छठे स्थान पर



नई दिल्ली। जर्मनी में हाल ही में हुए हाइलो ओपन-2026 में खिताब जीतने के बाद भारतीय बैडमिंटन स्टार पीवी सिंधु अपनी विश्व रैंकिंग में और सुधार करके छठे स्थान पर पहुंच गई हैं। महिला सिंगल्स के फाइनल में भारतीय खिलाड़ी ने डेनमार्क की लाइन होजमार्क कजर्सफेल्ड को 21-12, 21-14 से हराकर इस सीजन का अपना दूसरा खिताब जीता। इससे पहले, उन्होंने इस साल जापान ओपन का खिताब भी अपने नाम किया था। इस सुपर 500 खिताब से उन्हें 9,200 अंक मिले, जिससे बीडब्ल्यूएफ विश्व रैंकिंग के ताजा अपडेट में वह दो स्थान ऊपर आ गईं। एक हफ्ते पहले फ्रेंच ओपन में शानदार प्रदर्शन के बाद सिंधु टाप-10 में शामिल हुई थीं (तीन स्थान की छलांग लगाकर आठवें नंबर पर पहुंची थीं), जहां फाइनल में उन्हें विश्व की नंबर 1 खिलाड़ी एन से-यंग से हार का सामना करना पड़ा था। इससे पहले वह अक्टूबर, 2022 में टाप-5 में थीं, जब वह कुछ समय के लिए विश्व की नंबर 5 खिलाड़ी बनी थीं।

न्यूजीलैंड के खिलाफ एकदिवसीय सीरीज में बदली-बदली नजर आयेगी भारतीय टीम, दो अलग-अलग कप्तान रहेंगे

वैलिंगटन

भारतीय क्रिकेट टीम अब बुधवार से न्यूजीलैंड के खिलाफ पांच मैचों की एकदिवसीय सीरीज खेलेगी। इसमें पहले तीन मैचों में टीम की कप्तानी शुभमन गिल करेंगे। वहीं अंतिम दो मैचों में श्रेयस अय्यर कमान संभालेंगे।

इस सीरीज के लिए भारतीय टीम में भी बदलाव नजर आयेगा। अभी तक भारतीय टीम श्रेयस अय्यर की कप्तानी में पांच टी20 मैचों की सीरीज खेल रही थी। उनकी टीम में शामिल 9 खिलाड़ी एकदिवसीय सीरीज के लिए टीम में नहीं होने के कारण स्वदेश लौट गये हैं। ये खिलाड़ी हैं वैभव सूर्यवंशी, तिलक वर्मा, अभिषेक शर्मा, शिवम दुबे, संजू सैमसन, प्रिंस यादव, मयंक यादव, भुवनेश्वर कुमार और वरुण चक्रवर्ती। वहीं शुभमन की कप्तानी वाली इस टीम में अनुभवी बल्लेबाजों विराट कोहली, रोहित शर्मा की वापसी हुई है। इसके अलावा टीम में ऋतुराज गायकवाड़, अंशुल कंबोज, केएल राहुल, गुरनूर बराड़ और मोहम्मद सिराज को भी शामिल किया गया है। पांच मैचों के लिए बीसीसीआई दो कप्तान रखें हैं। इसके अलावा अंतिम दो मैचों के लिए टीम में भी बदलाव किया गया है।

पहले एकदिवसीय के लिए एक अलग टीम है। वहीं सरे और तीसरे एकदिवसीय के लिए



अलग टीम है। चौथे और पांचवें एकदिवसीय के लिए एक और अलग टीम है। न्यूजीलैंड के खिलाफ पहले एकदिवसीय के लिए टीम : शुभमन गिल (कप्तान), रोहित शर्मा, विराट कोहली, श्रेयस अय्यर, नमन धीर, ऋतुराज गायकवाड़, नितीश कुमार रेड्डी, अक्षर पटेल, अंशुल कंबोज, केएल राहुल, ईशान किशन, गुरनूर बराड़, मोहम्मद सिराज, आकिब नबी डार, अर्शदीप सिंह और कुलदीप यादव शामिल हैं। दूसरे और तीसरे एकदिवसीय के लिए टीम : शुभमन गिल (कप्तान), रोहित शर्मा, विराट कोहली, श्रेयस अय्यर, नमन धीर, ऋतुराज गायकवाड़, अक्षर पटेल, अंशुल कंबोज, केएल राहुल, ईशान किशन, गुरनूर बराड़, मोहम्मद सिराज, आकिब नबी डार, अर्शदीप सिंह और कुलदीप यादव। चौथे और पांचवें एकदिवसीय के लिए टीम : श्रेयस अय्यर (कप्तान), रोहित शर्मा, विराट कोहली, तिलक वर्मा, नमन धीर, ऋतुराज गायकवाड़, अक्षर पटेल, ईशान किशन, कुमार कुशाग्र, आकिब नबी डार, अर्शदीप सिंह, यश ठाकुर, गुरनूर बराड़, मोहम्मद सिराज और कुलदीप यादव।

लास एंजिल्स ओलंपिक को देखते हुए भारतीय हाकी टीम में बदलाव होंगे : कोच फुल्टन

मोहाली

भारतीय पुरुष हाकी टीम के मुख्य कोच क्रेग फुल्टन ने कहा है कि साल 2028 लास एंजिल्स ओलंपिक को देखते हुए टीम में कई बदलाव किये जाने हैं। इसी के तहत ही फरवरी में होने वाले प्रो लीग के घरेलू चरण के लिए एक बिल्कुल नई टीम का चयन किया जाएगा। इस लीग में भारत को जर्मनी, अर्जेंटीना, ग्रेट ब्रिटेन और स्पेन की टीमें शामिल रहेंगी।

फुल्टन ने कहा, हम फरवरी में प्रो लीग के लिए एक नई टीम का चयन करेंगे। हमारे पास अभ्यास के लिए बहुत कम समय होगा क्योंकि खिलाड़ी अपनी अपनी फ्रेंचाइजी में वापस चले जाएंगे। उन्होंने साथही कहा कि प्रो लीग में खेलने वाली यही नई टीम 2027-28 के ओलंपिक चक्र की शुरुआत करेगी, जो सीधे लास एंजिलिस ओलंपिक की तैयारियों से जुड़ा है। यह रणनीति टीम को लंबे समय के लिए तैयार करने और युवा प्रतिभाओं को अंतरराष्ट्रीय मंच पर अनुभव प्रदान करने के लिए अपनाई जा रही है।



साथ ही कहा कि इस बड़े बदलाव की शुरुआत न्यूजीलैंड दौरे से हो सकती है, जहाँ भारतीय टीम एशियाई चैंपियंस ट्राफी (एसीटी) के समाप्त होने के बाद इस महीने एक विशेष अंतरराष्ट्रीय टेस्ट सीरीज खेलेगी।

यह दौरा भारत के 1926 में हुए पहले ऐतिहासिक हाकी दौरे के 100 साल पूरे होने की याद में रखा गया है। इसके तहत की आकलैंड में 19, 21 और 22 नवंबर को तीन टेस्ट मैच खेले जाएंगे। फुल्टन ने यह भी साफ किया कि न्यूजीलैंड जाने वाली टीम को अभी अंतिम रूप नहीं दिया गया है और इसकी घोषणा जल्द ही की जाएगी। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि हर टीम बदलाव के दौर से गुजरती है और भारतीय टीम ने पहले भी ऐसे बदलाव किए हैं।

कोच ने बताया, हमने तीन बार एशियाई चैंपियंस ट्राफी खेली है और तीनों बार हमारी टीम बदली हुई थी। चेन्नई (2023) में खेलने वाली टीम हुलुनबुइर (2024) में खेलने वाली टीम से अलग थी। पिछली टीम के बाद से हमने नौ खिलाड़ियों को बदला है। अब यह टीम भी अलग होगी। यह दिखाता है कि टीम प्रबंधन लगातार खिलाड़ियों को आज़मा रहा है और सर्वश्रेष्ठ संयोजन की तलाश में है।

गौरतलब है कि इस साल के विश्व कप में भारत का प्रदर्शन निराशाजनक रहा था, जहाँ टीम आठवें स्थान पर रही थी। हालाँकि टीम ने एशियाई खेलों का खिताब बरकरार रखा और 2028 लास एंजिलिस ओलंपिक के लिए सीधे क्वालीफाई कर लिया, जो टीम के लिए एक बड़ी उपलब्धि थी। फुल्टन ने विश्व कप के प्रदर्शन का विश्लेषण करते हुए कहा, विश्व कप के बड़े मैचों में जब हमें गोल करने की जरूरत थी, तब हम गोल नहीं कर पाए और हमने कुछ आसान गोल भी खा लिए। इसलिए हमारी रक्षापंक्ति और अग्रिम पंक्ति दोनों में सुधार की जरूरत है।उन्होंने यह भी स्वीकार किया कि एशियाई टीमों के खिलाफ गोल करने और बचाव करने में टीम अच्छी है पर उसे ओलंपिक में जीतने के लिए यूरोपीय और उच्च रैंकिंग वाली टीमों के खिलाफ प्रदर्शन में सुधार की जरुरत है।

जीत झाबख ने पहली बार जीता एफआईए एशिया-पैसिफिक रैली चैंपियनशिप का खिताब

38 वर्षों के इतिहास में दोपहिया ड्राइव कार से ओवरऑल खिताब जीतने वाले पहले रैली चालक बने; सह-चालक मूसा शरीफ ने भी हासिल की चैंपियनशिप

हैदराबाद, 03 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। भारतीय मोटरस्पोर्ट्स के लिए ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल करते हुए जीत झाबख ने 2026 एफआईए एशिया-पैसिफिक रैली चैंपियनशिप (एपीआरसी) का खिताब अपने नाम कर लिया। अपने पहले अंतरराष्ट्रीय सत्र में ही महाद्वीपीय चैंपियन बनने वाले झाबख ने सह-चालक मूसा शरीफ के साथ मिलकर यह गौरव हासिल किया। इसके साथ ही उन्होंने प्रतियोगिता के 38 वर्षों के इतिहास में दोपहिया ड्राइव कार से ओवरऑल खिताब जीतने वाले पहले चालक बनकर नया इतिहास रच दिया।



झाबख की इस खिताबी सफलता के पीछे पूरे सत्र में उनका शानदार प्रदर्शन और निरंतरता रही। उन्होंने कुल 73 चैंपियनशिप अंक हासिल किए और दूसरे स्थान पर रहे प्रतियोगी से 35 अंक आगे रहे। उन्होंने बिना किसी रैली से बाहर हुए हर चरण में अंक अर्जित किए। उनके अभियान में न्यूजीलैंड की ओटागो रैली में अपनी श्रेणी में दूसरा स्थान, चेन्नई में आयोजित साउथ इंडिया रैली में ओवरऑल दूसरा स्थान और इंडोनेशिया की रैली ऑफ इंडोनेशिया (दानाऊ टोबा) में शानदार ओवरऑल प्रथम स्थान शामिल रहा।

इस उपलब्धि के साथ झाबख ने 2026 एफआईए एपीआरसी-4 चैंपियनशिप का खिताब भी जीता, जिससे दोपहिया ड्राइव श्रेणी में उनका दबदबा और मजबूत हुआ। उन्होंने विदेशी चरणों में फोर्ड फिएस्टा रैली-4 कार और भारत में आयोजित चरण में राष्ट्रीय स्तर पर स्वीकृत हुंडई आई-20 एन लाइन कार से हिस्सा लिया। दोनों कारें दोपहिया ड्राइव व्यवस्था में दौड़ीं।

महाद्वीपीय स्तर पर मिली इस सफलता के पीछे झाबख का सर्किट रेसिंग में भी शानदार अनुभव रहा है। वह दो बार भारतीय राष्ट्रीय रेसिंग चैंपियन रह चुके हैं। उन्होंने 2016 में जूनियर खिलाड़ी के रूप में वोक्सवैगन वेंटो कप और 2019 में वोक्सवैगन एमियो कप जीता था। वह एमियो श्रेणी के पहले चैंपियन बने थे। वेंटो कप में अपने पदार्पण सत्र के दौरान उन्होंने सभी 10 रेस जीती थीं। उनके सर्किट रेसिंग करियर में लगातार तीन भारतीय टूरिंग कार (आईटीसी) टीम चैंपियनशिप, 50 से अधिक पोडियम स्थान और स्पा-फ्रैंकोरचैम्प्स, कैटालुन्या तथा सर्किट्स ऑफ द अमेरिकाज जैसे प्रतिष्ठित अंतरराष्ट्रीय रेसिंग ट्रैक पर प्रतिस्पर्धा करने का अनुभव भी शामिल है।

2026 एफआईए एशिया-पैसिफिक रैली चैंपियनशिप में मिली यह जीत केवल व्यक्तिगत खेल उपलब्धि नहीं, बल्कि अंतरराष्ट्रीय रैली प्रतियोगिताओं में भारत की बढ़ती प्रतिस्पर्धात्मक क्षमता का भी प्रमाण है। इस जीत ने जीत झाबख और मूसा शरीफ की जोड़ी को भारतीय मोटरस्पोर्ट्स के इतिहास में विशेष स्थान दिलाया है। अपने पहले ही अंतरराष्ट्रीय सत्र में महाद्वीपीय चैंपियनशिप जीतकर झाबख ने वैश्विक रैली मंच पर अपनी दमदार उपस्थिति दर्ज कराई और भारतीय मोटरस्पोर्ट्स को अंतरराष्ट्रीय पहचान दिलाई।

झाबख और शरीफ इस प्रतिष्ठित महाद्वीपीय चैंपियनशिप को जीतने वाली पहली पूरी तरह भारतीय चालक और सह-चालक जोड़ी बन गए हैं। शरीफ ने भी 2026 एपीआरसी सह-चालक चैंपियनशिप का खिताब हासिल किया, जिससे यह भारतीय जोड़ी के लिए यादगार सत्र बन गया।

अपनी ऐतिहासिक जीत पर जीत झाबख ने कहा, हमने हर रैली में तेज प्रदर्शन किया और किसी भी रैली में अपनी बढ़त गंवाई नहीं। यही बात चैंपियनशिप जिताती है। पूरे सत्र में हमें कुछ परेशानियों का सामना करना पड़ा, लेकिन मेरे सह-चालक मूसा शरीफ ने हर मोड़ पर सही दिशा-निर्देश दिए और इंजीनियरों ने कार को लगातार दौड़ने लायक बनाए रखा। हमने जो हासिल किया है, उस पर मुझे गर्व है। यह चैंपियनशिप हमारी शुरुआत है, अंत नहीं।

सुदृढ़ एवं टिकाऊ इंजीनियरिंग पर होगा राइड्स-2026 सम्मेलन

26 एवं 27 नवंबर को हैदराबाद में होगा आयोजन, एक हजार से अधिक सिविल इंजीनियरों और विशेषज्ञों के जुटने की उम्मीद



हैदराबाद, 3 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

एसोसिएशन ऑफ कंसल्टिंग सिविल इंजीनियर्स (इंडिया), हैदराबाद केंद्र की ओर से 26 एवं 27 नवंबर को गाचीबावली स्थित इंजीनियरिंग स्टाफ कॉलेज ऑफ इंडिया (ईएससीआई) में राइड्स-2026 (सिविल इंजीनियर्स सम्मेलन) के साथ बिल्ड-टेक एक्सपो-2026 का आयोजन किया जाएगा।

दो दिवसीय सम्मेलन में एक हजार से अधिक सिविल इंजीनियरों, स्ट्रक्चरल इंजीनियरों, वास्तुकारों, ठेकेदारों, उद्योगपतियों, शिक्षाविदों, शोधकर्ताओं और विद्यार्थियों के भाग लेने की उम्मीद है। इसमें निर्माण एवं बुनियादी ढांचा क्षेत्र की नई चुनौतियों, आधुनिक तकनीक और टिकाऊ इंजीनियरिंग समाधानों पर चर्चा होगी।सम्मेलन में नालंदा विश्वविद्यालय की पूर्व कुलपति प्रो. सुनैना सिंह ऐतिहासिक नालंदा संरचनाओं के संरक्षण, पुनर्वास एवं पुनर्निर्माण पर मुख्य व्याख्यान देंगी। सीएसआईआर-सीबीआरआई, रुड़की के डॉ. प्रदीप कुमार रामनचरला जलवायु अनुकूल बुनियादी ढांचे, आपदा प्रबंधन तथा भूकंप एवं बाढ़ के जोखिमों पर विचार रखेंगे। डॉ. संदीप शिरखेडकर आधारभूत विकास में लाइडार, जीआईएस और डिजिटल ट्विन तकनीक के उपयोग पर प्रकाश डालेंगे।

इसके अलावा प्रो. डॉ.-इंग. मारवान अलजायलेई उन्नत डीप फाउंडेशन इंजीनियरिंग, डॉ. वी. राजेंद्रन, डॉ. एन. आनंदवल्ली (निदेशक, सीएसआईआर-एसईआरसी, चेन्नई) और डॉ. मोहम्मद साजिद अब्बासी संरचनात्मक पुनर्वास, संरचनाओं की स्वास्थ्य निगरानी तथा लंबी दूरी की संरचनाओं पर जानकारी देंगे। एलएंडटी कंस्ट्रक्शन के रॉय अनिरुद्ध और इंजी. वी. उमामहेश्वरन डिजिटल इंजीनियरिंग, बीआईएम आधारित डिजाइन एवं त्रिआयामी कंक्रीट प्रिंटिंग पर सत्र आयोजित करेंगे।

सम्मेलन में ऊंची इमारतों की प्लंबिंग, हरित छतों, वर्टिकल ट्रांसपोर्टेशन और कंपोजिट संरचनाओं जैसे विषयों पर इंजी. वीरेश एस.सी., डॉ. अंकित गर्ग, इंजी. वी. जगदीश कुमार और इंजी. गुरुराज एस. थाली अपने विचार प्रस्तुत करेंगे।

जलवायु परिवर्तन, चरम मौसमी घटनाओं, तेजी से बढ़ते शहरीकरण और पुरानी होती आधारभूत संरचनाओं की चुनौतियों को देखते हुए सम्मेलन का उद्देश्य सुदृढ़, टिकाऊ और नवाचार आधारित इंजीनियरिंग समाधानों को बढ़ावा देना है। इसके साथ ही उद्योग, शिक्षण संस्थानों और सरकारी एजेंसियों के बीच सहयोग को मजबूत किया जाएगा।

सम्मेलन के साथ आयोजित बिल्ड-टेक एक्सपो-2026 में आधुनिक निर्माण सामग्री, उन्नत मशीनरी, इंजीनियरिंग सॉफ्टवेयर, टिकाऊ भवन निर्माण समाधान और नवीन तकनीकों का प्रदर्शन किया जाएगा।

प्रदर्शनी में उत्पादों के प्रदर्शन, व्यावसायिक संपर्क और व्यापार विकास के अवसर उपलब्ध होंगे। यह प्रदर्शनी आम जनता के लिए भी खुली रहेगी।

आयोजन एसोसिएशन ऑफ कंसल्टिंग सिविल इंजीनियर्स (इंडिया), हैदराबाद केंद्र के नेतृत्व में किया जा रहा है।

इसमें अध्यक्ष इंजी. भीम राव जालिगामा, आयोजन अध्यक्ष इंजी. राजकुमार कचार्ला, एसीसीई (आई) महासचिव इंजी. अडुपु काशीराम, आयोजन सह-अध्यक्ष इंजी. सड्डी महेंद्र रेड्डी, उपाध्यक्ष एवं आयोजन सचिव इंजी. सी. रमेश, मानद सचिव इंजी. डी.एस. जयप्रकाश, आयोजन कोषाध्यक्ष इंजी. रुद्र अमरनाथ बाबू तथा मीडिया संयोजक इंजी. अक्कला सुधाकर प्रमुख भूमिका निभा रहे हैं।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

हिन्दू-यहूदी...

इसमें दोनों के बीच हाल के क्षेत्रीय और अंतरराष्ट्रीय घटनाक्रमों पर चर्चा हुई थी। आसिम मुनीर ने पहले भी हिंदुओं और मुसलमानों के बीच धार्मिक मतभेदों का बार-बार जिक्र किया है। उनका कहना है कि ये दोनों समुदाय मूल रूप से एक-दूसरे से बिल्कुल अलग हैं। अप्रैल 2025 में पाकिस्तान समर्थित पहलगाम आतंकी हमले से कुछ दिन पहले उन्होंने अपने बयानों को और तीखा करते हुए कहा था कि हिंदू और मुसलमान अपने धर्म, रीति-रिवाजों, परंपराओं, विचारों और महत्वाकांक्षाओं के मामले में एक-दूसरे से अलग हैं। उन्होंने द्वि-राष्ट्र सिद्धांत का भी उल्लेख किया था। ऐसे में रेजाई द्वारा मुनीर के हवाले से कही गई हालिया बातें, भले ही स्वतंत्र रूप से पुष्ट नहीं हुई हों, उनके पहले के बयानों के अनुरूप बताई जा रही हैं। इस बार उन्होंने इसमें यहूदियों को भी शामिल कर लिया है।

रेजाई के अनुसार मुनीर ने क्या कहा?

31 अक्टूबर को ईरानी सरकारी टेलीविजन को दिए गए एक साक्षात्कार में रेजाई ने पांच दिन पहले हुई चार पक्षीय सुरक्षा वार्ता के बारे में बात की। पाकिस्तानी समाचार माध्यम '24 न्यूज एचडी' के अनुसार, रेजाई ने दावा किया कि बैठक में शामिल सऊदी, तुर्की और पाकिस्तानी अधिकारियों ने इजरायल को लेकर गहरी चिंता जताई थी।

मुनीर का जिक्र करते हुए रेजाई ने कहा कि उन्होंने इजरायली खतरे और हिंदुओं तथा यहूदियों के बीच बन रहे उन संबंधों के बारे में बात की, जो मुसलमानों और पाकिस्तान के खिलाफ हैं। रेजाई ने बताया कि तुर्की के खुफिया प्रमुख कालिन ने भी इजरायल से मिलने वाले खतरे पर कड़ा रुख अपनाया। भारत और इजरायल की बढ़ती साझेदारी रक्षा एवं खुफिया सहयोग, आतंकवाद विरोधी प्रयासों, व्यापार, कृषि, जल प्रबंधन और उभरती हुई तकनीकों पर आधारित है। फरवरी 2026 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की इजरायल यात्रा के दौरान दोनों देशों ने अपने संबंधों को 'विशेष रणनीतिक साझेदारी' के स्तर तक पहुंचा दिया था। मई 2025 में पाकिस्तान के खिलाफ 'ऑपरेशन सिंदूर' के दौरान इजरायल एकमात्र ऐसा देश था, जिसने भारत के आत्मरक्षा के अधिकार का खुलकर समर्थन किया था। भारत में इजरायल के राजदूत रूवेन अजार ने कहा था कि आतंकवादियों के छिपने के लिए अब कोई जगह नहीं बची है।

मुनीर ने हिंदू-यहूदी गठबंधन को बड़ा खतरा बताया

पाकिस्तानी पत्रकार नजम सेठी ने भी क्षेत्रीय तनाव पर एक यूट्यूब कार्यक्रम के दौरान रेजाई के खुलासों पर चर्चा की।

इसके बाद सेठी ने मुनीर की ओर से दी गई एक चेतावनी का जिक्र करते हुए कहा, देखिए, हिंदुओं और यहूदियों के बीच का यह गठबंधन हमारे लिए बहुत बड़ा खतरा है। सेठी ने कहा कि रेजाई काफी सहज लग रहे थे और बता रहे थे कि आसिम मुनीर तथा सऊदी रक्षा मंत्री ने उनसे क्या कहा है। वे उनकी बातों से काफी सहमत नजर आ रहे थे, मानो कह रहे हों कि उन्होंने बहुत अच्छी बात कही है। मुनीर ने कहा था, देखिए, हिंदुओं और यहूदियों के बीच का यह गठबंधन हमारे लिए बहुत बड़ा खतरा है। उन्होंने आगे बताया कि मुनीर ने मुसलमानों और पाकिस्तान के खिलाफ एक भू-राजनीतिक एकजुटता की बात कही थी।

भारत पंगा महँगा...

जारी व्यापारिक रुकावट के कारण पाकिस्तान के कारोबारियों को जरूरी कच्चा माल और औद्योगिक उत्पाद दूर के देशों से खरीदने पड़ रहे हैं। इससे माल ढुलाई का खर्च और सामान की आपूर्ति में लगने वाला समय काफी बढ़ गया है तथा लगातार आर्थिक नुकसान हो रहा है।

2019 से अब तक 40 अरब डॉलर का नुकसान

पाकिस्तान-भारत व्यापार परिषद के मुताबिक, वर्ष 2019 में द्विपक्षीय व्यापार रुकने के बाद से पाकिस्तान को लगातार नुकसान हो रहा है। एक कारोबारी हित समूह के अनुसार, भारत के साथ व्यापार बंद होने के बाद से पाकिस्तान को अब तक लगभग 40 अरब डॉलर का आर्थिक नुकसान हुआ है। यह व्यापारिक रोक पुलवामा आतंकी हमले और उसके बाद दोनों देशों के बीच बढ़े तनाव के बाद लगाई गई थी। पाकिस्तानी उद्योग जगत के प्रतिनिधियों का कहना है कि व्यावसायिक संबंध फिर से शुरू होने से दवा उद्योग, कपड़ा, कृषि और पेट्रोलियम क्षेत्र में आयात की लागत कम हो सकती है। भारत के साथ व्यापार बहाल होने से केवल दवा उद्योग को हर साल तीन अरब डॉलर की बचत हो सकती है। कसूरी के मुताबिक, यदि भारत से जरूरी कच्चे माल का आयात फिर से शुरू होता है तो पाकिस्तान को बड़ा फायदा मिल सकता है। उन्होंने कहा कि भारतीय कच्चे माल तक पहुंच बहाल होने से पाकिस्तानी दवा कंपनियों को उत्पादन लागत कम करने और आपूर्ति शृंखला की क्षमता में सुधार करने में मदद मिलेगी।पाकिस्तान के कपड़ा उद्योग को भी भारत के साथ व्यापार बंद करने का खामियाजा भुगतना पड़ा है। व्यापारिक रुकावट के कारण घरेलू कपास उत्पादन में गिरावट के बीच आयात पर निर्भरता बढ़ गई है।कसूरी ने अनुमान जताया है कि ब्राजील, मिस्र, चीन और अमेरिका जैसे देशों से कपास मंगाने के कारण पाकिस्तान के कपड़ा निर्माताओं को लगभग पांच अरब डॉलर का अतिरिक्त खर्च उठाना पड़ा है।

मान...

लाखों लोगों तक पहुंचने वाले मंच से की गई टिप्पणी आसानी से संदर्भ से कटकर प्रसारित हो जाती है। सोशल मीडिया पर वायरल होने वाली छोटी वीडियो क्लिप अक्सर पूरे भाव को सामने नहीं रख पाती। शास्त्री की सफाई और माफी इस मायने में महत्वपूर्ण है कि उन्होंने भेदभाव के इरादे को नकारते हुए एकता पर जोर दिया। अयोध्या के महंत सीताराम दास जैसे संतों का यह कहना कि ऐसी टिप्पणी अज्ञानतापूर्ण है और राम-कृष्ण एक ही हैं, परंपरा की मूल भावना को दोहराता है। राजनीतिक प्रतिक्रियाएं, जैसे कुछ नेताओं की तीखी टिप्पणियां, अक्सर मुद्दे को और ध्रुवीकृत कर देती हैं। धार्मिक चर्चा को राजनीतिक लाभ से दूर रखना ही बेहतर है। यह प्रसंग हिंदू समाज के लिए एक सीख भी है कि विविधता उसकी ताकत है। राम और कृष्ण, शिव और देवी तथा विभिन्न संप्रदायों के बीच परस्पर आदर बनाए रखना जरूरी है। जब एक स्वरूप की महिमा करते हुए दूसरे की निंदा या हल्की टिप्पणी की जाती है तो अनजाने में भक्तों के बीच दूरी पैदा हो सकती है। इतिहास में अनेक संतों ने विभिन्न स्वरूपों की एकता पर जोर दिया है। आधुनिक समय में, जब आस्था पहले से ही कई चुनौतियों का सामना कर रही है, आंतरिक एकता और संवेदनशीलता और भी महत्वपूर्ण हो जाती है।

कथा और प्रवचन का उद्देश्य भक्ति जगाना, ज्ञान देना और समाज को जोड़ना होना चाहिए। व्यक्तिगत आराध्य की महिमा गाने में कोई आपत्ति नहीं है, बशर्ते उससे दूसरे स्वरूप की गरिमा कम न हो। शास्त्री की सफाई ने कुछ हद तक स्थिति को संभाला है, लेकिन भविष्य में ऐसे मंचों पर शब्दों का चयन और संदर्भ स्पष्ट रखना आवश्यक है। भक्तों को भी किसी वायरल वीडियो पर प्रतिक्रिया देने से पहले उसका पूरा संदर्भ देखने की आदत डालनी चाहिए।

अंततः, भगवान राम और श्रीकृष्ण दोनों ही करोड़ों भारतीयों के हृदय में बसते हैं। एक की भक्ति दूसरे की निंदा पर आधारित नहीं हो सकती। आस्था की गहराई तुलना से नहीं, बल्कि समर्पण और एकता से मापी जाती है। इस प्रसंग से यही सीख मिलती है कि भक्ति का मार्ग जितना व्यापक और समावेशी होगा, समाज उतना ही मजबूत बनेगा।

विरोध...

अदालत ने कहा कि आयोजकों को पक्षकार बनाए बिना व्यापारियों की शिकायतों पर पूरी तरह विचार करना संभव नहीं होगा।

पुलिस कार्रवाई और निगरानी पर भी सवाल

अन्य याचिकाकर्ताओं ने अक्टूबर में हुए प्रदर्शनों के दौरान कथित गैरकानूनी हिरासत, हिरासत में मारपीट, बैरिकेडिंग और पुलिस की अत्यधिक कार्रवाई के आरोप लगाए। सुप्रीम कोर्ट ने चेहरे की पहचान करने वाली निगरानी व्यवस्था के कानूनी आधार तथा एकत्र किए गए आंकड़ों के इस्तेमाल और सुरक्षा पर सवाल उठाने वाली याचिका पर भी नोटिस जारी किया। अदालत ने महिला पत्रकारों को कथित रूप से परेशान किए जाने और इस मामले की जांच के लिए अलग समिति गठित करने की मांग वाली याचिका पर दिवाली के बाद अलग से सुनवाई करने पर सहमति जताई। वकीलों के संगठनों ने अधिवक्ताओं को हिरासत में लिए जाने, इंटरनेट सेवाओं में व्यवधान और अदालतों तथा चैंबरों तक पहुंच पर पाबंदियों से जुड़े मुद्दे उठाए। पत्रकारों के साथ कथित मारपीट, हिरासत, इलेक्ट्रॉनिक उपकरण जब्त करने और पुलिस कार्रवाई से जुड़ी याचिकाओं पर भी सुनवाई हुई। इनमें अवमानना की कार्यवाही से जुड़े मामले भी शामिल थे।पीठ ने संबंधित सभी याचिकाओं को अलग-अलग सुनवाई के लिए नौ श्रेणियों में बांटने का फैसला किया। अदालत ने वकीलों से प्रत्येक श्रेणी में दलीलें रखने का प्रस्तावित क्रम और इसके लिए अनुमानित समय बताने को कहा।

अदालत ने संकेत दिया कि आमतौर पर नई रिट याचिकाओं पर तब तक विचार नहीं किया जाएगा, जब तक एडवोकेट-ऑन-रिकॉर्ड यह प्रमाणित न करे कि उनमें पूरी तरह नया और अलग मुद्दा उठाया गया है।

अयोध्या...

संबंधित जिलों को पुलिसकर्मियों की नामवार सूची, तैनाती स्थल और मोबाइल नंबर सहित अयोध्या के एसएसपी को ई-मेल से भेजने के निर्देश दिए गए हैं। आवंटित बल में किसी तरह की कटौती नहीं करने और सभी पुलिसकर्मियों को फोटोयुक्त पहचान पत्र साथ रखने की हिदायत भी दी गई है।

27 का...

जुलाई 2025 में विपक्षी गठबंधन इंडिया से अलग हुई आम आदमी पार्टी के पास 101 सीटें हैं, जिनमें से लगभग सभी पंजाब से हैं।

अकेले उत्तर प्रदेश और गुजरात में 585 विधानसभा सीटें और 106 लोकसभा सीटें हैं। इन दोनों राज्यों में अपनी स्थिति बनाए रखने से जून 2024 के बाद भाजपा की राजनीतिक वापसी और मजबूत होगी। उस समय लोकसभा चुनाव में भाजपा की सीटें घटकर 240 रह गई थीं, जिसके कारण प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की तीसरी सरकार को तेलुगु देशम पार्टी और जनता दल (यूनाइटेड) जैसे सहयोगियों पर निर्भर होना पड़ा था।

इसलिए ये सात विधानसभा चुनाव 2029 के आम चुनाव से पहले केंद्र सरकार के राजनीतिक प्रभाव और उसे चुनौती देने वाले विपक्ष की विश्वसनीयता की परीक्षा होंगे। यदि भाजपा इन चुनावों में हारती भी है तो केंद्र सरकार के बहुमत पर कोई खतरा नहीं आएगा। प्रधानमंत्री मोदी के लिए बड़ा सवाल यह है कि क्या भाजपा 2024 के झटकों से पूरी तरह उबर चुकी है। इसके बाद एनडीए ने बिहार में बड़ी जीत हासिल की, असम में अपनी सत्ता बरकरार रखी और पश्चिम बंगाल में ममता बनर्जी से सत्ता छीन ली। यदि भाजपा अपने प्रमुख गढ़ों को बचाए रखती है तो इससे संकेत मिलेगा कि 2024 का परिणाम केवल अस्थायी झटका था, न कि पार्टी के लगातार कमजोर होने की शुरुआत। इसके विपरीत, यदि भाजपा बड़े राज्यों, विशेषकर उत्तर प्रदेश में हारती है तो उसकी सबसे महत्वपूर्ण चुनावी जमीन पर पकड़ को लेकर सवाल फिर उठेंगे।

राष्ट्रपति चुनाव और राज्यसभा पर भी असर

इन चुनावों का एक संवैधानिक पहलू भी है। नवनिर्वाचित विधायक जुलाई 2027 में राष्ट्रपति चुनाव में मतदान करेंगे। उत्तर प्रदेश के प्रत्येक विधायक के वोट का मूल्य 208 है, जो देश में सबसे अधिक है। इसलिए राज्य के 403 विधायक न केवल यह तय करेंगे कि लखनऊ में किसकी सरकार बनेगी, बल्कि वे उस निर्वाचन मंडल का हिस्सा भी होंगे, जो देश के अगले राष्ट्रपति का चुनाव करेगा। इन नतीजों से राज्यसभा की तस्वीर भी बदल सकती है।

उत्तर प्रदेश में योगी और अखिलेश की प्रतिष्ठा दांव पर

वर्ष 2022 में भाजपा ने उत्तर प्रदेश की 403 विधानसभा सीटों में से 255, समाजवादी पार्टी ने 111 और कांग्रेस ने केवल दो सीटें जीती थीं। योगी आदित्यनाथ 37 वर्ष बाद एक कार्यकाल पूरा करने के बाद सत्ता में वापसी करने वाले पहले मुख्यमंत्री बने थे। राष्ट्रीय लोक दल और सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी (एसबीएसपी) के समाजवादी पार्टी खेमे से बाहर आने के बाद अब एनडीए के 292 विधायक हो गए हैं। समाजवादी पार्टी के चार बागी विधायकों ने भी गठबंधन के पक्ष में क्रॉस वोटिंग की है।

लगातार तीसरी जीत योगी आदित्यनाथ को आजादी के बाद उत्तर प्रदेश का ऐसा पहला मुख्यमंत्री बना देगी, जिसने अपनी पार्टी को लगातार तीन विधानसभा चुनावों में जीत दिलाई हो। इससे 2024 के उस राजनीतिक नुकसान की भरपाई में भी मदद मिलेगी, जब भाजपा राज्य की 80 लोकसभा सीटों में से केवल 33 सीटें ही जीत पाई थी। इस तरह का परिणाम प्रधानमंत्री मोदी और अमित शाह के बाद भाजपा के नेतृत्व को लेकर होने वाली भविष्य की चर्चाओं में आदित्यनाथ की स्थिति मजबूत करेगा। हिंदुत्व, सख्त पुलिस व्यवस्था और कल्याणकारी योजनाओं को लोगों तक पहुंचाने की उनकी रणनीति को भी मजबूती मिलेगी। दूसरी ओर, यदि उन्हें हार का सामना करना पड़ता है या बहुमत काफी कम हो जाता है तो भाजपा के भीतर विभिन्न जातियों के गठबंधन को एकजुट रखने की उनकी क्षमता पर सवाल उठेंगे।

समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव के लिए भी दांव बड़ा है। पश्चिम बंगाल में ममता बनर्जी की हार, तमिलनाडु में एम.के. स्टालिन के नेतृत्व वाले द्रविड़ मुनेत्र कड़गम (डीएमके) का सत्ता से बाहर होना, बिहार में राष्ट्रीय जनता दल का पतन और महाराष्ट्र में उद्धव ठाकरे की कमजोर होती स्थिति ने विपक्ष के कई प्रमुख केंद्रों को कमजोर किया है। ऐसे में अखिलेश यादव 'इंडिया' गठबंधन के सबसे महत्वपूर्ण क्षेत्रीय नेताओं में उभरे हैं।

उनका 'पीडीए' यानी पिछड़ा, दलित और अल्पसंख्यक मतदाताओं पर केंद्रित फार्मूला 2024 में समाजवादी पार्टी को 37 लोकसभा सीटें जिताने में सफल रहा। यह संख्या भाजपा से चार अधिक थी, जबकि उनके सहयोगी दल कांग्रेस ने छह सीटें और जोड़ी थीं।

अखिलेश के सामने सबसे पहली परीक्षा राहुल गांधी के साथ उनकी साझेदारी की है। उत्तर प्रदेश में सीटों के बंटवारे को लेकर बातचीत में पुरानी खींचतान फिर सामने आ गई है। राज्य में केवल दो विधायक होने के बावजूद कांग्रेस ने कथित तौर पर करीब 170 सीटों की मांग की है, जबकि समाजवादी पार्टी के नेता 60 से 70 सीटें देने की बात कर रहे हैं। अखिलेश ने सितंबर में राहुल गांधी के लोकसभा क्षेत्र रायबरेली से अपने चुनाव प्रचार की शुरुआत की थी। उनका कहना है कि सीटें उसी पार्टी को दी जाएंगी, जिसके जीतने की संभावना सबसे अधिक होगी।

पंजाब में आप और कांग्रेस के बीच मुकाबला

पंजाब एकमात्र ऐसा राज्य है, जहां भाजपा मुख्य दावेदार नहीं है। वर्ष 2022 में सत्ताधारी आम आदमी पार्टी ने 117 में से 92 सीटें जीती थीं। इससे उसे दिल्ली के बाहर भी सरकार चलाने का आधार मिला। राष्ट्रीय राजधानी में सत्ता गंवाने के बाद पंजाब को अपने पास बनाए रखना पार्टी की राजनीतिक प्रासंगिकता के लिए बेहद महत्वपूर्ण हो गया है।

कांग्रेस, जिसने 2024 में पंजाब की 13 लोकसभा सीटों में से सात जीती थीं, अब एक अवसर देख रही है। हालांकि, पार्टी के भीतर नेतृत्व को लेकर चल रही खींचतान ने उसे कमजोर कर रखा है।शिरोमणि अकाली दल (एसएडी) कमजोर हुआ है, जबकि अमृतपाल सिंह का नया पंथिक गुट सिख राजनीतिक दायरे को और विभाजित कर सकता है। भाजपा और अकाली दल के बीच गठबंधन की नई चर्चाएं भी एक नया पहलू जोड़ती हैं। यदि दोनों दल फिर साथ आते हैं तो इसका असर आम आदमी पार्टी विरोधी वोटों के बंटवारे पर पड़ सकता है।

उत्तराखंड, गोवा और मणिपुर में अलग-अलग चुनौतियां

वर्ष 2022 में उत्तराखंड ने भाजपा को 70 में से 47 विधानसभा सीटें दी थीं। इसने राज्य में हर चुनाव में सरकार बदलने की पुरानी परंपरा को तोड़ दिया, हालांकि मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी अपनी खटीमा सीट हार गए थे। इसके बाद कांग्रेस ने बदरीनाथ और मंगलौर सीटें जीतीं, जिससे उसकी कुल सीटों की संख्या 19 से बढ़कर 20 हो गई।यहां रोजगार, पहाड़ी इलाकों से पलायन, पर्यावरण से जुड़े दबाव और समान नागरिक संहिता जैसे मुद्दे चुनाव प्रचार में अहम भूमिका निभा सकते हैं। यदि सरकार बदलती है तो यह साबित होगा कि भाजपा का मजबूत संगठन भी लंबे समय तक स्थानीय असंतोष को दबाकर नहीं रख सकता। वहीं, भाजपा सत्ता में बनी रहती है तो इससे एक और उत्तरी राज्य में कांग्रेस का लंबे समय से चल रहा पतन और गहरा होगा। ऐसा रुझान उत्तर प्रदेश, बिहार और पश्चिम बंगाल में भी देखने को मिल रहा है।

गोवा में 2012 से भाजपा सत्ता में है। यहां कांग्रेस के सामने अलग तरह की चुनौती है। वर्ष 2022 में भाजपा ने 40 में से 20 सीटें जीतीं और बाद में कांग्रेस के 11 विधायकों में से आठ को अपनी पार्टी में शामिल कर लिया। कांग्रेस के पास अब केवल तीन विधायक बचे हैं। यह स्थिति याद दिलाती है कि चुनाव जीतना और चुने गए प्रतिनिधियों को अपने साथ बनाए रखना, दोनों अलग-अलग चुनौतियां हैं।

मणिपुर का मामला सामान्य चुनावी मुकाबला नहीं है। मई 2023 में जातीय हिंसा भड़कने के बाद से 250 से अधिक लोगों की मौत हो चुकी है और हजारों लोग विस्थापित हो गए हैं। वर्ष 2022 में भाजपा ने 60 विधानसभा सीटों में से 32 पर जीत हासिल की थी, लेकिन दो साल बाद कांग्रेस ने दोनों लोकसभा सीटें जीत लीं। एन. बीरेन सिंह को मुख्यमंत्री पद से हटाना, लगभग एक साल तक राष्ट्रपति शासन लागू रहना और फरवरी 2026 में युमनाम खेमचंद सिंह का मुख्यमंत्री बनना, ये सभी सरकार को नए सिरे से व्यवस्थित करने के प्रयास थे। फिर भी इनमें से कोई भी कदम मूल संकट का समाधान नहीं कर पाया है।

गुजरात में भाजपा का गढ़, हिमाचल में कांग्रेस की परीक्षा

गुजरात प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और अमित शाह का गृह राज्य है। यहां 1995 से भाजपा का शासन है। वर्ष 2022 में भाजपा ने 156 सीटों की रिकॉर्ड जीत दर्ज की थी। इसके बाद अन्य दलों से नेताओं के आने से पार्टी का विस्तार हुआ। अप्रैल में सभी 15 नगर निगमों में मिली जीत ने कांग्रेस को ऐसी स्थिति में ला खड़ा किया है, जहां उसे भाजपा और आम आदमी पार्टी दोनों के सामने अपना अस्तित्व बचाने के लिए संघर्ष करना पड़ रहा है। रोजगार, किसानों की चिंताएं और स्थानीय मुद्दे ऐसे विषय हैं, जिनके जरिए इस मजबूत सत्ताधारी पार्टी को चुनौती दी जा सकती है।हिमाचल प्रदेश में स्थिति बिल्कुल उलट है। वर्ष 2022 में कांग्रेस ने 68 में से 40 सीटें जीती थीं और पार्टी के भीतर हुए विद्रोह को भी संभाल लिया था। हालांकि, मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू के सामने वित्तीय दबाव बढ़ता जा रहा है। यह ऐसा राज्य है, जहां 1985 के बाद से किसी भी मौजूदा सरकार को जनता ने दोबारा नहीं चुना है।

युवाओं का असंतोष भी बन सकता है चुनावी मुद्दा

इन मुकाबलों से अलग एक और राजनीतिक धारा बह रही है, जो कथित तौर पर नई पीढ़ी के असंतोष से प्रेरित है। 'कॉकरोच जनता पार्टी' परीक्षाओं में गड़बड़ी, बेरोजगारी और संस्थागत जवाबदेही जैसे मुद्दों पर युवाओं को एकजुट करने का माध्यम बनकर उभरी है। जुलाई में केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे से पहले राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा-स्नातक (नीट-यूजी) संकट और दिल्ली के जंतर-मंतर पर विरोध प्रदर्शन हुए थे।

कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) कोई पंजीकृत चुनावी पार्टी नहीं है। अब यह मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के खिलाफ हो रहे विरोध प्रदर्शनों में भी शामिल हो गई है। इसका राजनीतिक महत्व इस बात में है कि क्या निराश छात्र और नौकरी की तलाश कर रहे युवा मतदान प्रतिशत तथा चुनावी नतीजों को प्रभावित कर पाएंगे और क्या स्थापित राजनीतिक दल उनकी शिकायतों का कोई ठोस समाधान दे सकेंगे। इन चुनावों से अगला प्रधानमंत्री नहीं चुना जाएगा, लेकिन ये उस मुकाबले की दिशा तय करने में जरूर मदद करेंगे।

BOOK YOUR DISPLAY CLASSIFIED ADVERTISEMENTS AT
Timings : 9 am to 7 pm
Head office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS,
Plot No. A-23/5 & 6 2nd Floor,
APIE, Balanagar, Hyderabad - 500 037
City office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS,
Plot No. A-23/5 & 6 2nd Floor,
APIE, Balanagar,
Hyderabad - 500 037
8688868345

शुभ लाभ
म्हारो भाग्यनगर
दैनिक हिन्दी शुभ लाभ, हैदराबाद, बुधवार, 04 नवंबर , 2026

शुभ लाभ
आपकी सेवा में
शुभ लाभ से जुड़ी किसी भी समस्या या सुझाव के लिए मो. 86888 68345 पर संपर्क करें।

पॉवरग्रिड दक्षिण क्षेत्र–1 द्वारा शिल्पकला वेदिका में अंतर–क्षेत्रीय सांस्कृतिक महोत्सव एवं हस्तशिल्प प्रदर्शनी का आयोजन

आंध्र प्रदेश, तेलंगाना और कर्नाटक की 20 टीमों ने लिया भाग, कर्मचारियों एवं उनके परिवारों की प्रतिभा को मिला मंच



हैदराबाद, 03 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

पॉवर ग्रिड कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड (पावरग्रिड) के दक्षिणी क्षेत्र पारेषण प्रणाली–1 (एसआरटीएस–1) द्वारा हैदराबाद स्थित शिल्पकला वेदिका में अंतर–क्षेत्रीय सांस्कृतिक महोत्सव एवं हस्तशिल्प प्रदर्शनी का भव्य आयोजन किया गया।

गणमान्य अतिथियों की रही उपस्थिति

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में कार्यकारी निदेशक (एसआरटीएस–1) श्री डोमन यादव तथा दीपशिखा महिला समिति की अध्यक्षा श्रीमती मीना यादव ने शिरकत की।

इस अवसर पर मुख्य महाप्रबंधक (एसेट मैनेजमेंट) श्री टी.वी.एस. प्रवीण कुमार, मुख्य महाप्रबंधक (प्रोजेक्ट्स) श्री बी.बी. रथ, मुख्य महाप्रबंधक (इंजीनियरिंग) श्री टी.एस.सी. राव सहित विभिन्न विभागों के विभागाध्यक्ष, कर्मचारी एवं उनके परिवार के सदस्य बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

आंध्र प्रदेश, तेलंगाना और कर्नाटक में स्थित पावरग्रिड के विभिन्न कार्यालयों का प्रतिनिधित्व करने वाली कुल 20 टीमों ने इस सांस्कृतिक प्रतियोगिता में भाग लिया।

हस्तशिल्प प्रदर्शनी का उद्घाटन

कार्यक्रम के दौरान श्रीमती मीना यादव ने हस्तशिल्प प्रदर्शनी का उद्घाटन किया। इसमें पावरग्रिड के कर्मचारियों एवं उनके परिवार के सदस्यों द्वारा तैयार की गई कलाकृतियों, हस्तशिल्प और ललित कलाओं की विविध रचनाएं प्रदर्शित की गईं।

रचनात्मकता और टीम भावना पर जोर

सभा को संबोधित करते हुए कार्यकारी निदेशक श्री डोमन यादव ने रचनात्मकता को प्रोत्साहन देने और टीम भावना को मजबूत बनाने में सांस्कृतिक कार्यक्रमों के महत्व पर जोर दिया।

श्री डोमन यादव ने कहा, तकनीकी उत्कृष्टता के अलावा, हमारी असली ताकत हमारे लोग हैंउनकी प्रतिभा, रचनात्मकता, उत्साह और टीम भावना। इस तरह के मंच छिपी हुई प्रतिभाओं को सामने लाते हैं, आत्मविश्वास बढ़ाते हैं और सहकर्मियों तथा उनके परिवारों के बीच आपसी संबंधों को मजबूत करते हैं। संस्कृति का जश्न मनाने वाला कार्यस्थल अंततः उत्कृष्टता को प्रेरित करता है। जिस तरह पावरग्रिड पूरे देश में बिजली को जोड़कर हर तरफ रोशनी फैलाता है, उसी तरह ऐसे कार्यक्रम हमारी सामूहिक ऊर्जा, प्रतिभा और रचनात्मकता को जोड़कर हमारे संगठन को और अधिक सफल और शक्तिशाली बनाते हैं।

श्री यादव ने मंच पर अपनी प्रस्तुतियां देने वाली सभी 20 टीमों को शुभकामनाएं दीं। उनके संबोधन के बाद सांस्कृतिक कार्यक्रमों की शुरुआत से पूर्व गणमान्य अतिथियों ने निर्णायक मंडल के सदस्यों का औपचारिक रूप से सम्मान किया।



अग्रवाल मानव सेवा मंच का 201वां स्वास्थ्य शिविर संपन्न



हैदराबाद, 03 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

अग्रवाल मानव सेवा मंच द्वारा प्रायोजित 201वां निःशुल्क विशाल स्वास्थ्य जांच शिविर जिला नगरकर्नूल के लिंगाला मंडल स्थित जिला परिषद हाईस्कूल में आयोजित किया गया। शिविर में 511 ग्रामीणों ने स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ उठाया।

किम्स अस्पताल, सिकंदराबाद के चिकित्सकों ने हृदय, सामान्य, हड्डी, महिला एवं बाल रोगों सहित विभिन्न बीमारियों की जांच की। एल.वी. प्रसाद नेत्र अस्पताल की टीम ने 210 लोगों की आंखों की जांच की, जिनमें 61 मरीज मोतियाबिंद ऑपरेशन के लिए चयनित किए गए। इनका निःशुल्क ऑपरेशन किया जाएगा। सौजन्या अस्पताल की ओर से दंत चिकित्सा सेवा तथा किम्स फाउंडेशन द्वारा निःशुल्क दवाइयों का वितरण किया गया।

शिविर में दिव्यांगों के कृत्रिम अंगों के लिए नारायण सेवा संस्थान, उदयपुर के माध्यम से पंजीकरण भी किया गया। शिविर का आयोजन एकल अभियान तेलंगाना एवं लायंस क्लब हैदराबाद ग्रीनलैंड के संयुक्त तत्वावधान में हुआ। इसके प्रायोजक मंगत राय राम कुमार पर्ल डीलर्स (श्री राधेश्याम गुप्ता), पत्थरगट्टी, हैदराबाद रहे।

कार्यक्रम का शुभारंभ भारत माता एवं महाराजा अग्रसेन की पूजा–अर्चना से हुआ।

मुख्य संयोजक विनोद अग्रवाल, संयोजक विष्णु गुप्ता, श्याम सुंदर अग्रवाल, जय प्रकाश अग्रवाल, अजय गुप्ता, प्रो. बी. लक्ष्मी कुमारी, प्रो. बी. राजकुमार, सरदार स्वर्ण सिंह, सुनील कुमार, सेवानिवृत्त पुलिस अधिकारी मधुकर स्वामी तथा एकल आरोग्य तेलंगाना के राघवेंद्र, भोजा नायक, के. वेंकटैया, आर. सिपाही बाबू, एन. मल्लेश एवं करीब 15 आरोग्य सेविकाओं ने शिविर को सफल बनाने में सहयोग दिया। अंत में विनोद अग्रवाल ने सभी सहयोगियों के प्रति आभार व्यक्त किया।

गोशामहल में इंदिरम्मा आवास योजना के टावर निर्माण का उद्घाटन और लाभार्थियों के चयन के लिए निकाला गया ड्रॉ

राजा सिंह ने सरकार से की छह लाख रुपये वहन करने की मांग



हैदराबाद, 03 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

गोशामहल के विधायक टी. राजा सिंह ने मौजमजाह मार्केट स्थित एलआईजी (निम्न आय वर्ग) इंदिरम्मा इल्लू आवास योजना के कार्यक्रम में भाग लिया। इस अवसर पर हाउसिंग बोर्ड कार्यालय में योजना के अंतर्गत टावर निर्माण परियोजना का उद्घाटन किया गया तथा लाभार्थियों के चयन के लिए ड्रॉ प्रक्रिया आयोजित की गई। यह गोशामहल विधानसभा क्षेत्र के गरीब एवं जरूरतमंद परिवारों के लिए खुशी का अवसर है।

1,100 आवेदन, पहले चरण में 600 मकान

विधायक टी. राजा सिंह के अनुसार, गोशामहल विधानसभा क्षेत्र के लगभग 1,100 ऐसे लोगों ने ऑनलाइन आवेदन किया है, जिनके पास अपना मकान नहीं है। योजना के पहले चरण में लगभग 600 लाभार्थियों को मकान आवंटित किए जाएंगे।

उन्होंने कहा कि सबसे खुशी की बात यह है कि इन मकानों का निर्माण मौजमजाह मार्केट जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्र में किया जाएगा, जहां जमीन की कीमत लगभग 3 से 4 लाख रुपये प्रति गज तक है। इतने महंगे क्षेत्र में गरीब परिवारों को आवास उपलब्ध होना उनके लिए बड़ी उपलब्धि होगी। सरकार के अनुसार, टावर का निर्माण लगभग एक वर्ष में पूरा किया जाएगा।

छह लाख रुपये का बोझ सरकार उठाए

टी. राजा सिंह ने बताया कि आवेदन के समय कांग्रेस सरकार की ओर से प्रत्येक आवेदक से 10 हजार रुपये लिए गए थे। अब मकान प्राप्त करने के लिए लाभार्थियों को लगभग छह लाख रुपये देने होंगे। उन्होंने मांग की कि यह राशि भी सरकार स्वयं वहन करे, ताकि गरीब परिवारों पर आर्थिक बोझ न पड़े।

उन्होंने बीसी कल्याण मंत्री पुन्नम प्रभाकर से स्पष्ट रूप से मांग की कि गरीब लाभार्थियों पर छह लाख रुपये का अतिरिक्त आर्थिक बोझ नहीं डाला जाना चाहिए। इस योजना में केंद्र सरकार भी आर्थिक सहयोग दे रही है। ऐसे में राज्य सरकार को अपनी जिम्मेदारी निभाते हुए लाभार्थियों की ओर से यह राशि वहन करनी चाहिए। उन्होंने सवाल उठाया कि आर्थिक रूप से कमजोर गरीब परिवार इतनी बड़ी रकम कहां से लाएंगे?

अगले चरण में भी मिलेगा आवेदन का अवसर

विधायक ने गोशामहल विधानसभा क्षेत्र सहित हैदराबाद के सभी जरूरतमंद परिवारों को बताया कि इस योजना का अगला चरण भी जल्द शुरू होने की उम्मीद है। पहले चरण की प्रक्रिया पूरी होने के बाद अगले चरण में आवेदन का अवसर मिल सकता है। जिन लोगों के पास अपना मकान नहीं है, वे योजना से संबंधित जानकारी रखें और आगामी चरण में आवेदन का लाभ उठाएं।

उन्होंने कहा कि उनका उद्देश्य गोशामहल और पूरे हैदराबाद के प्रत्येक गरीब एवं बेघर परिवार को अपना घर उपलब्ध कराना है। सरकार यदि गरीबों के लिए आवास योजना बना रही है तो उसका पूरा लाभ भी जरूरतमंदों तक पहुंचना चाहिए।

उन्होंने दोहराया कि लाभार्थियों से छह लाख रुपये लेने के बजाय सरकार को यह खर्च स्वयं उठाना चाहिए, ताकि आर्थिक रूप से कमजोर परिवार भी सम्मानपूर्वक अपने घर में रह सकें।

ब्रह्म प्रकाश डीएवी स्कूल की छात्रा तफ़ीदा ने राष्ट्रीय स्तर पर बढ़ाया तेलंगाना का गौरव

32वें नेशनल यंग एनवायरनमेंटलिस्ट कॉन्फ्रेंस–2026 की इनोवेटिव साइंस श्रेणी में हुआ चयन



हैदराबाद, 3 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

ब्रह्म प्रकाश डी ए वी स्कूल, मिधानि टाउनशिप की प्रतिभाशाली छात्रा तफ़ीदा ने अपनी असाधारण उपलब्धि से विद्यालय और तेलंगाना राज्य को गौरवान्वित किया है। पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता और वैज्ञानिक एवं रचनात्मक सोच का परिचय देते हुए तफ़ीदा का चयन 32वें नेशनल यंग एनवायरनमेंटलिस्ट कॉन्फ्रेंस–2026 के लिए हुआ है। इस राष्ट्रीय सम्मेलन में वह इनोवेटिव साइंस श्रेणी के अंतर्गत तेलंगाना राज्य का प्रतिनिधित्व करेंगी।

यह प्रतिष्ठित सम्मेलन 15 दिसंबर 2026 को नई दिल्ली में आयोजित किया जाएगा। विशेष गौरव की बात यह है कि पूरे तेलंगाना राज्य से केवल तीन विद्यार्थियों का चयन इस राष्ट्रीय मंच के लिए किया गया है, जिनमें ब्रह्म प्रकाश डी ए वी स्कूल की छात्रा तफ़ीदा भी शामिल हैं।

यह उपलब्धि न केवल तफ़ीदा की प्रतिभा, नवाचार क्षमता और पर्यावरण के प्रति संवेदनशीलता को दर्शाती है, बल्कि विद्यार्थियों में वैज्ञानिक दृष्टिकोण, रचनात्मकता और सामाजिक जिम्मेदारी विकसित करने की दिशा में विद्यालय के निरंतर प्रयासों को भी प्रतिबिंबित करती है।

इस गौरवपूर्ण अवसर पर विद्यालय के प्रधानाचार्य श्री वी. एस. प्रशांत ने तफ़ीदा को हार्दिक बधाई दी तथा राष्ट्रीय स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन कर विद्यालय और राज्य का नाम रोशन करने के लिए शुभकामनाएँ दीं।इस अवसर पर विद्यालय की अध्यक्ष श्रीमती के. मधुबाला, डी ए वी स्कूल के ए आर ओ श्री वी. एन. एन. के. शेषाद्रि, प्रधानाचार्य श्री वी. एस. प्रशांत, एल एम सी के सदस्य, शिक्षकगण एवं अभिभावक सभी ने तफ़ीदा की इस उपलब्धि की सराहना करते हुए उसके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

साहित्य सेवा समिति की 141वीं गोष्ठी संपन्न

हैदराबाद, 03 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। साहित्य सेवा समिति, हैदराबाद की 141वीं मासिक गोष्ठी अध्यक्ष डॉ. दया कृष्ण गोयल एवं महामंत्री ममता कुमारी जायसवाल के सानिध्य में आयोजित की गई। जयंत मिश्रा ने सरस्वती वंदना तथा नेमा रवि ने सरस्वती स्तुति प्रस्तुत की।

गोष्ठी में 'भारत में घटते नैतिक मूल्य और बढ़ते अपराध : कारण एवं निवारण' विषय पर डॉ. अर्चना पांडे एवं मुख्य वक्ता सीमा कुमारी सिंह ने विचार व्यक्त करते हुए व्यक्तिगत, पारिवारिक और सामाजिक स्तर पर नैतिक मूल्यों की स्थापना पर बल दिया। दर्शन सिंह, ममता जायसवाल एवं राजेंद्र रुंगटा ने भी विचार रखे।

द्वितीय सत्र में उमेश चंद यादव के संचालन में काव्य गोष्ठी हुई, जिसमें सुनीता लुल्ला, इंदू सिंह, गिरधारी लाल गुप्ता, बैजनाथ सुनहरे, राजेंद्र रुंगटा, दर्शन सिंह, सीमा जख्वाल, उमेश चंद श्रीवास्तव, विनोद गिरि अनोखा, अमृत लाल पाठक, ममता कुमारी जायसवाल एवं डॉ. दया कृष्ण गोयल सहित कवियों ने रचनाएं प्रस्तुत कीं। अंत में डॉ. दया कृष्ण गोयल के अध्यक्षीय संबोधन और विनोद गिरि अनोखा के धन्यवाद ज्ञापन के साथ कार्यक्रम संपन्न हुआ।

बेगम बाजार में राधे–राधे ग्रुप की अन्नसेवा



हैदराबाद। राधे–राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में बेगम बाजार स्थित भू देवी माता मंदिर के पास गौशाला के सामने नियमित अन्नसेवा कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के दौरान ग्रुप के सदस्यों ने सेवा और समर्पण की भावना के साथ जरूरतमंदों को भोजन वितरित किया। इस सेवा कार्य के माध्यम से मानवता, सहयोग और सामाजिक सद्भाव का संदेश दिया गया। ग्रुप के सदस्य नियमित रूप से इस पुनीत कार्य में सहभागिता निभाते हुए जरूरतमंदों की सेवा कर रहे हैं। कार्यक्रम में जगत नारायण अग्रवाल, अनिल अग्रवाल धरसूवाले, नीलम विजयवर्गीय, लता गोयल, प्रवीण विजयवर्गीय एवं राजेश सहित राधे–राधे ग्रुप के अन्य सदस्य उपस्थित रहे।

सेवा ही सबसे बड़ा धर्म है, निस्वार्थ भाव से जरूरतमंदों की मदद करना ही सच्ची मानव सेवा : सुभाष अग्रवाल



हैदराबाद। राधे–राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में इंडो अमेरिकन कैंसर हॉस्पिटल के पास स्थित केबीआर पार्क में मंगलवार को नियमित अन्नसेवा कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर अपने विचार व्यक्त करते हुए सुभाष अग्रवाल ने कहा कि सेवा ही सबसे बड़ा धर्म है। जरूरतमंदों और भूखे लोगों की सेवा करना केवल सामाजिक दायित्व नहीं, बल्कि मानवता के प्रति हमारी सच्ची जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि किसी जरूरतमंद व्यक्ति को भोजन कराकर उसके चेहरे पर मुस्कान लाना ही जीवन की सबसे बड़ी संतुष्टि है। मानव सेवा से बढ़कर कोई दूसरा पुण्य कार्य नहीं है। उन्होंने कहा कि राधे–राधे ग्रुप हैदराबाद द्वारा नियमित रूप से संचालित अन्नसेवा का उद्देश्य समाज के जरूरतमंद लोगों तक भोजन पहुंचाना और सेवा की भावना को जन–जन तक फैलाना है। इस प्रकार के सेवा कार्यों से समाज में आपसी प्रेम, सहयोग, सद्भाव और संवेदनशीलता की भावना मजबूत होती है। उन्होंने कहा कि जब समाज के लोग जाति, धर्म और वर्ग के भेदभाव से ऊपर उठकर एक–दूसरे की मदद के लिए आगे आते हैं, तभी एक सशक्त और संवेदनशील समाज का निर्माण होता है। इस अवसर पर भंवरलाल गुप्ता, कमल अग्रवाल एवं कमल मूंदड़ा सहित राधे–राधे ग्रुप हैदराबाद के अन्य सदस्य उपस्थित रहे। सभी सदस्यों ने सेवा कार्य में सहभागिता निभाते हुए जरूरतमंदों को भोजन वितरित किया तथा भविष्य में भी इसी प्रकार सेवा और समर्पण की भावना के साथ कार्य करते रहने का संकल्प व्यक्त किया।

आंध्र निकाय चुनावों में एनडीए का दबदबा

पुलिवेंदुला में टीडीपी की ऐतिहासिक जीत, विशाखापत्तनम सहित कई प्रमुख निगमों में गठबंधन को बढ़त

अमरावती, 03 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

आंध्र प्रदेश के नगर निकाय चुनावों में सत्तारूढ़ तेलुगु देशम पार्टी (टीडीपी) के नेतृत्व वाले राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) ने शानदार प्रदर्शन करते हुए कई प्रमुख शहरी निकायों में जीत दर्ज की है। गठबंधन ने तटीय आंध्र और रायलसीमा क्षेत्रों में मजबूत बढ़त बनाकर वाईएसआर कांग्रेस पार्टी (वाईएसआरसीपी) को बड़ा झटका दिया है। टीडीपी, जनसेना और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के गठबंधन ने कई नगर निगमों में महापौर पदों पर भी कब्जा जमाया है।

रात 9 बजे तक उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार, एनडीए गठबंधन ने 2,771 वार्डों में जीत दर्ज की, जबकि वाईएसआरसीपी को 451 वार्डों में सफलता मिली। पार्टीवार आंकड़ों में टीडीपी ने 2,233, जनसेना ने 407 और भाजपा ने 131 वार्ड जीते। इस समय तक 648 वार्डों के परिणाम घोषित होना बाकी थे। घोषित 65 महापौर और अध्यक्ष पदों में से गठबंधन ने 62 पदों पर जीत हासिल की थी।

विशाखापत्तनम में मुक्का श्रावणी की बड़ी बढ़त

टीडीपी गठबंधन की उम्मीदवार मुक्का श्रावणी ग्रेटर विशाखापत्तनम नगर निगम (जीवीएमसी) की अगली महापौर बनने की ओर अग्रसर हैं। उन्होंने वाईएसआ-रसीपी की उम्मीदवार वरुडु कल्याणी पर 1,19,683 मतों की विशाल बढ़त बनाई।

रात 8:50 बजे तक घोषित 74 वार्डों



में टीडीपी ने 45, वाईएसआरसीपी ने 13 और जनसेना ने 10 वार्ड जीते थे।

पेशे से फिजियोथेरेपी चिकित्सक श्रावणी पूर्व पार्षद हैं। उन्होंने वर्ष 2015 में टीडीपी से जुड़कर राजनीति में प्रवेश किया था। वर्ष 2021 के जीवीएमसी चुनाव में उन्होंने अक्कय्यापालेम के वार्ड नंबर 26 से पार्षद का चुनाव जीता था।

उनके पिता मुक्का मुत्याला नायडू वरिष्ठ टीडीपी नेता हैं और वर्ष 1983 में पार्टी की स्थापना के समय से जुड़े हुए हैं।

पुलिवेंदुला में वाईएसआरसीपी को झटका

पूर्व मुख्यमंत्री वाई.एस. जगन मोहन रेड्डी के गृह क्षेत्र कडप्पा जिले की पुलिवेंदुला नगरपालिका में एनडीए ने शानदार जीत दर्ज की।

टीडीपी की अध्यक्ष पद की उम्मीदवार गीता कुमारी ने जगन मोहन रेड्डी की बुआ और वाईएसआरसीपी उम्मीदवार वाई.एस. प्रमीलम्मा को 13,875 मतों से पराजित किया।

गठबंधन ने सभी 40 वार्डों में जीत हासिल की। पहले घोषित परिणामों के अनुसार, वाईएसआरसीपी को केवल तीन वार्डों में सफलता मिली थी। यह जीत कडप्पा जिले में टीडीपी के लिए बड़ी राजनीतिक उपलब्धि मानी जा रही है।

कई शहरों में महापौर पदों पर जीत

एनडीए गठबंधन ने राज्य के कई प्रमुख शहरों में महापौर पदों पर कब्जा जमाया।

– गुंटूर: टीडीपी उम्मीदवार कोवेलामुडी लक्ष्मी अपर्णा महापौर निर्वाचित हुईं। पहले जारी आंकड़ों के अनुसार, गठबंधन ने 76 में से 37 वार्ड जीते और 25 अन्य में बढ़त बनाई थी।

– तिरुपति: टीडीपी उम्मीदवार मन्ने श्रीनिवास प्रसाद ने 24,625 मतों के अंतर से महापौर पद जीता।

– चित्तूर: टीडीपी उम्मीदवार काथरी हेमलता ने 35,050 मतों के अंतर से जीत दर्ज की।

– मछलीपट्टनम: टीडीपी उम्मीदवार शेख अब्दुल आबिदा महापौर पद पर विजयी हुईं।

– कर्नूल: टीडीपी उम्मीदवार विजया प्रत्यूषा ने वाईएसआरसीपी उम्मीदवार को 26,402 मतों से हराया।

नेल्लोर में रात 8:50 बजे तक घोषित 47 वार्डों में टीडीपी ने 36, भाजपा ने 6 और जनसेना ने 3 वार्ड जीते थे। टीडीपी उम्मीदवार अनम रूप कुमार यादव महापौर पद की दौड़ में थे।

विजयवाड़ा में जनसेना उम्मीदवार वंगवीटी राधाकृष्ण महापौर पद के प्रमुख दावेदारों में शामिल थे। चक्रवात मुरासु के कारण भारी बारिश से मतगणना की प्रक्रिया धीमी रही।

कई नगरपालिकाओं में एनडीए की जीत

मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू के गृह निर्वाचन क्षेत्र कुप्पम में टीडीपी ने सभी 32 वार्डों में जीत दर्ज की और वाईएसआरसीपी को एक भी सीट नहीं मिली।

माचेरला नगरपालिका के सभी 36 वार्डों में गठबंधन ने जीत हासिल की। इनमें टीडीपी ने 32, जनसेना ने 3 और भाजपा ने 1 वार्ड जीता।

येम्मिगनूर में गठबंधन ने 44 में से 38 वार्ड जीते। वाईएसआरसीपी को 2, जनसेना और भाजपा को एक-एक तथा निर्दलीय उम्मीदवारों को 2 वार्ड मिले।

नरसापुरम में गठबंधन ने 36 में से 31 वार्ड जीते, जबकि वाईएसआरसीपी को 4 और एक निर्दलीय उम्मीदवार को सफलता मिली।

पलासा-कासिबुग्गा में टीडीपी ने 36 में से 31 वार्ड जीते। वाईएसआरसीपी को 4 और निर्दलीय को एक वार्ड मिला। तेनाली में गठबंधन ने 52 में से 46 वार्ड जीते। इनमें टीडीपी को 29, जनसेना को 16 और भाजपा को एक वार्ड मिला। इसके अलावा पुट्टपर्थी, वेंकटगिरी, सुल्लुरपेटा, उय्यूरु, पेडना, जग्गय्यापेटा और निदादवोलु सहित कई अन्य नगरपालिकाओं में भी गठबंधन ने जीत दर्ज की। वाईएसआरसीपी को नंदिकोटकुर नगरपालिका में उल्लेखनीय जीत मिली, लेकिन कुल मिलाकर उसका प्रदर्शन एनडीए के मुकाबले कमजोर रहा।

राज्य के 92 शहरी स्थानीय निकायों में चुनाव हुए थे। इनमें 13 नगर निगम और 79 नगरपालिकाएं एवं नगर पंचायतें शामिल थीं। मतदान 1 नवंबर को हुआ था, जबकि कुछ वार्डों में 2 नवंबर को पुनर्मतदान कराया गया। चक्रवात मुरासु के प्रभाव के कारण चिराला नगरपालिका की मतगणना 6 नवंबर तक स्थगित कर दी गई।

तुम्मिडीहट्टी बैराज पर महाराष्ट्र से बातचीत जारी रहेगी : रेवंत रेड्डी



हैदराबाद, 03 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने मंगलवार को सिंचाई विभाग के अधिकारियों को प्रस्तावित तुम्मिडीहट्टी बैराज के निर्माण को लेकर महाराष्ट्र सरकार के साथ बेहतर समन्वय बनाए रखने और बातचीत जारी रखने के निर्देश दिए।

मुख्यमंत्री ने अधिकारियों से डूब क्षेत्र में आने वाले इलाकों का विस्तृत ब्योरा तैयार रखने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि मौजूदा समझौतों सहित सभी संबंधित दस्तावेज और महत्वपूर्ण जानकारियां महाराष्ट्र सरकार के साथ साझा की जाएं।

मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी और सिंचाई मंत्री एन. उत्तम कुमार रेड्डी ने जुबली हिल्स स्थित मुख्यमंत्री के आवास पर अधिकारियों के साथ बैराज परियोजना की समीक्षा बैठक की। इस दौरान मुख्यमंत्री ने महाराष्ट्र के साथ हाल ही में हुई चर्चाओं और अन्य संबंधित मुद्दों पर अधिकारियों को आवश्यक सुझाव दिए।

रेवंत रेड्डी ने कहा कि महाराष्ट्र में डूब क्षेत्र के अंतर्गत आने वाली जमीनों के लिए तेलंगाना सरकार पर्याप्त मुआवजा देने को तैयार है। इसके लिए दोनों राज्यों की संयुक्त खाते में धनराशि जमा कराने पर भी सरकार सहमत है।

मुख्यमंत्री ने स्पष्ट किया कि महाराष्ट्र सरकार अपनी ओर से संभावित डूब क्षेत्र का सर्वेक्षण कराना चाहती है तो तेलंगाना को इस पर कोई आपत्ति नहीं होगी। उन्होंने अधिकारियों को महाराष्ट्र सरकार की ओर से मांगी गई सभी जानकारियां समय पर उपलब्ध कराने के निर्देश दिए।

यूट्यूब से सीखी नकली नोट छापने की तकनीक, पुलिस बनकर करते थे वसूली



हैदराबाद, 03 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

आसान तरीके से पैसा कमाने के लिए नकली नोट छापने की कोशिश से शुरू हुआ एक गिरोह कथित तौर पर बड़े ठगी और जबरन वसूली के नेटवर्क में बदल गया। गिरोह के सदस्य 500 रुपये के नकली नोट छापते थे और सस्ते में नकली करेंसी देने का लालच देकर ग्राहकों को बुलाते थे। बाद में खुद को पुलिस अधिकारी बताकर उनसे असली नकदी लूट लेते थे।

चार आरोपी गिरफ्तार, 6.78 करोड़ के नोट जब्त

अब्दुल्लापुरमेट पुलिस और शादनगर की विशेष अभियान टीम (एसओटी) ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए चार आरोपियों को गिरफ्तार किया। उनके कब्जे से 6.78 करोड़ रुपये अंकित मूल्य के नकली नोट, छपाई के उपकरण और अन्य सामग्री जब्त की गई।

पुलिस के अनुसार, आरोपियों ने शुरुआत में नकली नोट बनाने की कोशिश की, लेकिन सफल नहीं हुए। इसके बाद उन्होंने पुलिस अधिकारी बनकर लोगों से वसूली करने का तरीका अपनाया।फर्जी पुलिस पहचान पत्रों और डमी पिस्तौल का इस्तेमाल कर गिरोह ने अलग-अलग मौकों पर दो ग्राहकों से कथित तौर पर 2 लाख और 3 लाख रुपये वसूले और रकम आपस में बांट ली।

किराये के मकान में छापाखाना

इसके बाद आरोपियों ने नकली नोट छापने की योजना दोबारा शुरू की। मुख्य आरोपी ए-1 से ए-4 ने हैदराबाद के हयातनगर मंडल के कुंतलूर में एक मकान किराये पर लेकर उसे अस्थायी छापाखाने में बदल दिया।

इसके लिए उन्होंने रंगीन प्रिंटर, लेजर प्रिंटर, स्कैनर, लैपटॉप, लैमिनेशन मशीन और करेंसी काटने की मशीन सहित कई उपकरण खरीदे। मुख्य आरोपी ए-1 मदुपोजु कर्णाकर ने यूट्यूब वीडियो और सोशल मीडिया सामग्री देखकर 500 रुपये के असली नोटों को स्कैन करना, फोटोशॉप की मदद से उनकी तस्वीरों में बदलाव करना और नकली नोट छापना सीखा।

गिरोह ने असली नोटों की तस्वीरों और छपाई के उपकरणों का उपयोग कर बड़ी संख्या में नकली नोट तैयार किए। इसके लिए लैमिनेशन, प्रोसेसिंग और छपी हुई शीटों को काटने की व्यवस्था भी की गई थी।

तीन-चार गुना रकम का लालच

जब नकली नोटों को सीधे बाजार में चलाने की कोशिश सफल नहीं हुई तो मुख्य आरोपी ए-1 और ए-2 ने नया तरीका अपनाया।

वे ग्राहकों को एक के बदले तीन या चार रुपये के अनुपात में नकली करेंसी देने का प्रस्ताव देते थे। यानी असली रुपये के बदले तीन से चार गुना मूल्य के नकली नोट देने का लालच दिया जाता था। ग्राहकों का विश्वास जीतने के लिए शुरुआत में उन्हें असली नोट भी दिखाए जाते थे।

फर्जी पुलिस बनकर लूटते थे असली रकम

जब ग्राहक उनकी बातों में आकर असली नकदी लेकर पहुंचते थे तो गिरोह के अन्य सदस्य फर्जी नंबर प्लेट लगी गाड़ियों में पुलिसकर्मी बनकर वहां पहुंच जाते थे।

उनके पास फर्जी पुलिस पहचान पत्र, वॉकी-टॉकी और नकली पिस्तौल होती थी। वे ग्राहकों को कानूनी कार्रवाई की धमकी देकर वहां से भागने पर मजबूर कर देते थे और उनकी असली रकम लेकर फरार हो जाते थे। पुलिस के अनुसार, 1 नवंबर को अब्दुल्लापुरमेट पुलिस को सूचना मिली कि चार लोग मारुति डिजायर कार में नकली नोट लेकर विजयवाड़ा जा रहे हैं।

सूचना के आधार पर पुलिस ने रात करीब 10:15 बजे राष्ट्रीय राजमार्ग-65 पर रामोजी फिल्म सिटी के मुख्य द्वार के सामने बालाजी ढाबा के पास वाहन को रोककर तलाशी ली।

कार से 500 रुपये के संदिग्ध नकली नोटों के 16 बंडल बरामद हुए, जिनमें कुल 1,600 नोट थे। इनका अंकित मूल्य 8 लाख रुपये था। इसके अलावा एक डमी पिस्तौल, दो वॉकी-टॉकी सेट और तीन संदिग्ध फर्जी पुलिस पहचान पत्र भी मिले।

इसके बाद कुंतलूर स्थित किराये के मकान की तलाशी ली गई, जहां से 500 रुपये के संदिग्ध नकली नोटों के 134 अतिरिक्त बंडल बरामद हुए। इनका अनुमानित मूल्य 6.70 करोड़ रुपये था। इस प्रकार कुल जब्ती 6.78 करोड़ रुपये की हुई।

पुलिस ने कई प्रिंटर, लैपटॉप, नोट गिनने और बांधने की मशीनें, कागज काटने की मशीन, स्याही की बोतलें, लैमिनेशन उपकरण, कागज के बंडल और अन्य सामग्री भी जब्त की।

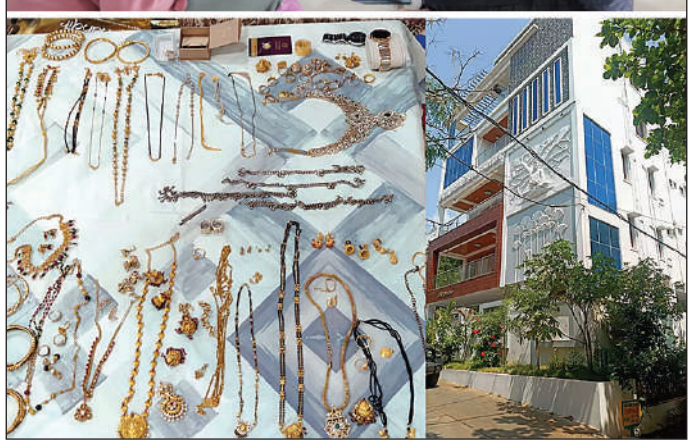
पुलिस ने मदुपोजु कर्णाकर, चिन्नोल्ला माणिक्य रेड्डी, चेरुकुपल्ली रत्नाकर रेड्डी और करणम अजय कुमार को गिरफ्तार किया है।

गरीबी उन्मूलन विभाग के अधिकारी पर आय से अधिक संपत्ति का मामला

एसीबी की 10 ठिकानों पर छापेमारी, 4.75 करोड़ की संपत्ति का खुलासा

हैदराबाद, 03 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। शहरी गरीबी उन्मूलन के लिए काम करने वाले विभाग के एक वरिष्ठ अधिकारी के खिलाफ तेलंगाना भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) ने आय से अधिक संपत्ति अर्जित करने का मामला दर्ज किया है। अधिकारी पर करीब 4.75 करोड़ रुपये की संपत्ति जुटाने का आरोप है। एसीबी के अनुसार, बाजार मूल्य के आधार पर इन संपत्तियों की वास्तविक कीमत घोषित मूल्य से लगभग 10 गुना अधिक हो सकती है।





अधिकारी के ठिकानों पर छापे

एसीबी ने नगरपालिका क्षेत्रों में गरीबी उन्मूलन मिशन (एमईपीएमए) के अतिरिक्त निदेशक यदागिरी राव नल्लागुंटला के खिलाफ आय से अधिक संपत्ति का मामला दर्ज किया।

इसके बाद उनके आवास, कार्यालय, बैंक लॉकरों तथा रिश्तेदारों, सहयोगियों और कथित बेनामीदारों से जुड़े स्थानों सहित कुल 10 ठिकानों पर छापेमारी की गई।

तलाशी के दौरान कई अचल संपत्तियों से संबंधित दस्तावेज बरामद हुए। इनमें हैदराबाद और सूर्यापेट, नलगोंडा जिले में 58.63 लाख रुपये मूल्य के 12 खुले भूखंड, हैदराबाद के उप्पल में 31.36 लाख रुपये मूल्य के दो आवासीय फ्लैट तथा उप्पल में लगभग 2 करोड़ रुपये मूल्य का तीन मंजिला मकान और पेंटहाउस शामिल है।

इसके अलावा सूर्यापेट जिले में 4.75 लाख रुपये का आरसीसी छत वाला मकान और उप्पल में 1.06 लाख रुपये मूल्य की एक व्यावसायिक दुकान का भी पता चला।

सोना-चांदी और वाहन बरामद

छापेमारी के दौरान एसीबी अधिकारियों को करीब 1,792.2 ग्राम सोने के आभूषण मिले, जिनकी कीमत 33.82 लाख रुपये आंकी गई। इसके अलावा लगभग 3 किलोग्राम चांदी के आभूषण भी बरामद हुए, जिनकी कीमत 1.80 लाख रुपये बताई गई।

अधिकारी के पास दो चारपहिया वाहन, जिनमें टोयोटा फॉर्च्यूनर और एक अन्य कार शामिल हैं, की कीमत 73 लाख रुपये आंकी गई। तीन दोपहिया वाहनों की कीमत 2.80 लाख रुपये बताई गई।

घरेलू सामान की कीमत 29.08 लाख रुपये और इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों की कीमत 7,01,171 रुपये आंकी गई। विभिन्न बैंक खातों में 32.30 लाख रुपये की जमा राशि भी मिली।

एसीबी के अनुसार, अधिकारी की कुल संपत्ति का अनुमानित मूल्य 4,75,61,171 रुपये है। अन्य संपत्तियों की जांच और सत्यापन अभी जारी है।

ब्यूरो का कहना है कि अधिकारी की वास्तविक संपत्ति इससे कहीं अधिक हो सकती है।

श्रीमती उमा दुबे का भव्य सेवानिवृत्ति समारोह संपन्न

41 वर्षों की समर्पित शैक्षणिक सेवाओं के लिए किया सम्मानित



हैदराबाद, 03 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। आर्य कन्या विद्यालय हाई स्कूल, देवीदीन बाग, सुल्तान बाजार में विद्यालय की वरिष्ठ शिक्षिका श्रीमती उमा दुबे के 41 वर्षों के गौरवशाली एवं समर्पित शैक्षणिक सेवाकाल की पूर्णता पर भव्य सेवानिवृत्ति एवं अभिनंदन समारोह का आयोजन हर्षोल्लास और भावपूर्ण वातावरण में किया गया। समारोह का शुभारंभ प्रातःकाल वैदिक यज्ञ के साथ हुआ। सुप्रसिद्ध वैदिक विद्वान पंडित प्रियदत्त शास्त्री ने वेद मंत्रों के उच्चारण के साथ यज्ञ संपन्न कराया। इस अवसर पर मुख्य यजमान के रूप में उपस्थित श्रीमती उमा दुबे एवं उनके पतिदेव अनूप तिवारी ने श्रद्धापूर्वक यज्ञ में आहुतियां अर्पित कीं।

इस अवसर पर शिक्षण समिति के प्रधान डॉ. प्रतापरुद्र, मंत्री प्रदीप जाजू, रामचंद्र राजू, श्रीमती सरिता, श्रुतिकांत भारती, भक्त राम, भरत मुनि सहित अनेक गणमान्य व्यक्तियों ने श्रीमती उमा दुबे एवं उनके पति श्री अनूप तिवारी का शाल ओढ़ाकर एवं पुष्पमालाएं पहनाकर आत्मीय अभिनंदन किया।

अपने संबोधन में वक्ताओं ने कहा कि 41 वर्षों तक शिक्षा के क्षेत्र में निरंतर सेवाएं देना अत्यंत गौरवपूर्ण उपलब्धि है। एक शिक्षक केवल विद्यार्थियों को किताबी ज्ञान ही नहीं देता, बल्कि उनके चरित्र, व्यक्तित्व और भविष्य का भी निर्माण करता है।

समारोह की विशेष बात यह रही कि श्रीमती उमा दुबे के परिवार के सदस्य भी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे, जिससे यह गौरवपूर्ण अवसर और भी यादगार बन गया। तेलंगाना शिक्षा विभाग के अनेक अधिकारीगण, विद्यालय के वर्तमान एवं पूर्व शिक्षक-शिक्षिकाएं, शुभचिंतक तथा विद्यार्थी भी समारोह में शामिल हुए।

कार्यक्रम का समापन वैदिक शांति पाठ के साथ हुआ। इसके पश्चात सभी अतिथियों, शिक्षकों एवं परिवारजनों ने स्नेहपूर्वक आयोजित सामूहिक भोज में सहभागिता की।

तेलंगाना में एसआईआर रद्द करने की मांग तेज

मतदाता सूची के सामाजिक ऑडिट में गड़बड़ियों का आरोप, पात्र मतदाताओं के नाम हटाने पर नागरिक संगठनों ने जताई चिंता

हैदराबाद, 03 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

तेलंगाना मतदाता अधिकार मंच (टीवीआरएफ) ने मंगलवार को कहा कि मुशीराबाद और सिकंदराबाद कैंट विधानसभा क्षेत्रों में कराए गए व्यापक जमीनी सामाजिक ऑडिट में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) की प्रक्रिया में गंभीर खामियां सामने आई हैं। मंच ने वर्तमान एसआईआर प्रक्रिया को तत्काल रद्द करने और वर्ष 2025 के एसआईआर दिशा-निर्देशों को वापस लेने की मांग की है। नागरिक संगठनों के कार्यकर्ताओं ने हैदराबाद में पात्र मतदाताओं के नाम बड़े पैमाने पर गलत तरीके से हटाए जाने का आरोप लगाते हुए पूरी प्रक्रिया वापस लेने की मांग की।टीवीआरएफ के घर-घर जाकर किए गए सर्वेक्षण में कई प्रशासनिक खामियां सामने आने का दावा किया गया। सिकंदराबाद कैंट के बूथ संख्या 150 और 151 में कुल 1,829 मतदाताओं में से 757 का सर्वेक्षण किया गया। इनमें से 232 मतदाताओं के नाम अनुपस्थित, स्थानांतरित, मृत और दोहरी प्रविष्टि (एएसडीडी) वाली सूची में डाल दिए गए थे। टीवीआरएफ के अनुसार, जांच में इनमें से 43 नाम गलत तरीके से हटाए जाने की पुष्टि हुई। इसी प्रकार मुशीराबाद में हटाए गए 95 नामों में से केवल 42 को ही सही पाया गया। मंच का आरोप है कि



लंबे समय से एक ही स्थान पर रह रहे पात्र मतदाताओं के नाम भी सूची से हटा दिए गए।

टीवीआरएफ के प्रतिनिधि किरण विस्सा ने कहा कि समस्या व्यक्तिगत बूथ लेवल अधिकारियों (बीएलओ) की नहीं, बल्कि पूरी प्रक्रिया की रूपरेखा में है।

उन्होंने बताया कि कई नागरिक दशकों से एक ही पते पर रह रहे हैं, इसके बावजूद उन्हें अनुपस्थित या पता नहीं चलने वाले व्यक्ति के रूप में दर्ज किया जा रहा है।

विस्सा ने राज्य निर्वाचन आयोग (एसईसी) से मांग की कि आगामी हैदराबाद नगर निकाय चुनावों में त्रुटिपूर्ण एसआईआर मतदाता सूची का उपयोग न किया जाए। इसके बजाय वर्ष 2025 की मतदाता सूची के आधार पर पारदर्शी सार्वजनिक ऑडिट कराया जाए।

अर्थशास्त्री और राजनीतिक विश्लेषक डॉ. परकाला प्रभाकर ने कहा कि प्रत्येक नागरिक से नाम हटाए जाने की आशंका के बीच अपनी पात्रता दोबारा साबित करने की मांग करना पहले की पुनरीक्षण प्रक्रियाओं से अलग और गैरकानूनी कदम है।

न्यूजमीटर से बातचीत में उन्होंने कहा कि पूरी प्रक्रिया को रद्द किया जाना चाहिए, क्योंकि इसे सही तरीके से नहीं किया गया है। पहले भी मतदाता सूची का पुनरीक्षण होता रहा है, लेकिन इस बार नाम हटाने की कोशिश की जा रही है। जिन मतदाताओं को बीएलओ नहीं खोज पाते, उन्हें पता नहीं चलने वाला बताकर सूची से हटाया जा रहा है।डॉ. प्रभाकर ने कहा कि तेलंगाना में बड़ी संख्या में ऐसे लोग हैं, जिन्होंने एसआईआर फॉर्म नहीं भरे हैं, लेकिन उन्हें विश्वास है कि मतदान के समय उनके नाम सूची में शामिल हो जाएंगे। उन्होंने स्पष्ट किया कि ऐसा अपने आप नहीं होगा और जिन लोगों ने फॉर्म नहीं भरे हैं, उन्हें दोबारा नामांकन के लिए फॉर्म-6 भरना पड़ेगा। सामाजिक कार्यकर्ता मारिया तबस्सुम ने कहा कि एसआईआर का बोझ कमजोर वर्गों, श्रमिक परिवारों और महिलाओं पर असमान रूप से पड़ा है। विशेष रूप से विवाहित महिलाओं को अधिक परेशानी हो रही है, क्योंकि विवाह के बाद उनके नाम एक स्थान की सूची से हटाकर दूसरे स्थान पर जोड़े गए हैं।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्ट्रीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com.